page 1 and 8_page 1 Mar 25 final ds.qxd 11/28/2025 1:38 AM Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 किसानों के लिए 15 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

5 आईएलटी 20 : सीजन 4 में दुबई कैपिटल्स की कप्तानी करेंगे श्रीलंकाई स्टार दासुन शनाका

8 अखरोट की खेती कैसे करें

मौसम जम्मू — न्यूनतम 9 — अधिकतम 21

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

देहात संदेश

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-291 | जम्मू तवी, शुक्रवार 28 नवम्बर, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

ऑपरेशन सिंदूर भारत की सैन्य शक्ति और शांति के संकल्प का प्रतीक : मुर्मु

नयी दिल्ली 27 नवम्बर। राष्ट्रपति और तीनों सेनाओं की सर्वोच्च कमांडर द्रौपदी मुर्मु ने ऑपरेशन सिंदूर को भारत की आतंकवाद-रोधी और प्रतिरोधक रणनीति का प्रतीक बताते हुए कहा है कि भारत शांति चाहता है लेकिन अपनी सीमाओं तथा लोगों की सुरक्षा के लिए दृढ़ता और संकल्प के साथ किसी भी स्थिति से निपटने को तैयार है।

श्रीमती मुर्मु ने गुरुवार को यहां सेना द्वारा आयोजित संगोष्ठी चाणक्य डिफेंस डायलॉग-2025 के तीसरे संस्करण के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों ने देश की संप्रभुता की रक्षा में पेशेवराना दक्षता और देशभक्ति का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा, हमारे बलों ने हर सुरक्षा चुनौती चाहे पारंपरिक हो, उग्रवाद विरोधी हो या मानवीय , हमारे बलों ने अद्भुत क्षमता और दृढ़ संकल्प दिखाया है।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को देश की आतंकवाद-रोधी और प्रतिरोधक रणनीति का निर्णायक क्षण बताते हुए उन्होंने कहा, इसने न केवल भारत की सैन्य क्षमता को दुनिया के

सामने रखा, बल्कि जिम्मेदार और दृढ़ तरीके से शांति के लिए कार्य करने की भारत की नैतिक स्पष्टता को भी प्रदर्शित किया। श्रीमती मुर्मु ने कहा सशस्त्र बल अपने संचालन दायित्वों से परे राष्ट्रीय विकास के स्तंभ भी हैं। सीमाओं को मजबूत करने के साथ-साथ उन्होंने बुनियादी ढाँचा, कनेक्टिविटी, पर्यटन और शिक्षा के माध्यम से सीमा क्षेत्र के विकास में भी योगदान दिया है। राष्ट्रपति ने कहा कि मौजूदा भू-राजनीतिक परिदृश्य तेजी से बदल रहा है। वैश्विक व्यवस्था प्रतिस्पर्धी शक्ति केंद्रों, तकनीकी उथल-पुथल और बदलते गठबंधन के कारण नया आकार ले रही है। साइबर, अंतरिक्ष और सूचना युद्ध जैसे नए प्रतिस्पर्धी क्षेत्रों ने शांति और संघर्ष की रेखाओं को धुंधला कर दिया है।

> **“ हमारे बलों ने हर सुरक्षा चुनौती चाहे पारंपरिक हो, उग्रवाद विरोधी हो या मानवीय , हमारे बलों ने अद्भुत क्षमता और दृढ़ संकल्प दिखाया है**

उन्होंने कहा कि वसुधैव कुटुंबकम की हमारी सभ्यतागत भावना से प्रेरित होकर भारत ने दिखाया है कि रणनीतिक स्वायत्तता वैश्विक जिम्मेदारी के साथ हमारी कूटनीति, अर्थव्यवस्था और सशस्त्र बल मिलकर ऐसे भारत की छवि प्रस्तुत करते हैं जो शांति चाहता है, लेकिन अपने सीमाओं और नागरिकों की सुरक्षा के लिए दृढ़ता और संकल्प के साथ तैयार है।

राष्ट्रपति ने इस बात पर खुशी जाहिर की कि सेना बदलाव के दशक के अंतर्गत सुधारों के माध्यम से स्वयं को बदल रही है। वह संरचनाओं में सुधार कर रही है, सिद्धांतों को पुनर्परिभाषित कर रही है और सभी क्षेत्रों में भविष्य के लिए सक्षम बनने के लिए क्षमताओं का पुनर्निर्माण कर रही है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ये रक्षा सुधार भारत को आत्मनिर्भर बनाने में सहायक होंगे। श्रीमती मुर्मु ने कहा कि सेना युवाओं और मानव संसाधन में निवेश कर रही है। वह शिक्षा, एनसीसी विस्तार और खेलों के माध्यम से युवाओं में देशभक्ति का भाव विकसित कर रही है। उन्होंने कहा कि युवा महिला अधिकारियों और सैनिकों की भूमिका तथा सहभागिता के विस्तार से समावेशिता की भावना को बढ़ावा मिलेगा और इससे अधिक युवा महिलाएं सेना में शामिल होने और अन्य पेशों को अपनाने के लिए प्रेरित होंगी। राष्ट्रपति ने विश्वास जताया कि चाणक्य डिफेंस डायलॉग-2025 की चर्चा और निष्कर्ष राष्ट्रीय नीति के भविष्य के आयाम तय करने में नीति-निर्माताओं को मूल्यवान दृष्टि प्रदान करेंगे। उन्होंने उम्मीद जताई कि सशस्त्र बल उत्कृष्टता की ओर निरंतर प्रयासरत रहेंगे और विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को हासिल करने के लिए दृढ़ता और संकल्प के साथ आगे बढ़ते रहेंगे।

पुलिस ने प्रतिबंधित जमात-ए-इस्लामी से जुड़े कुछ सहयोगियों और संगठनों से जुड़े कई स्थानों पर समन्वित तलाशी ली

श्रीनगर, 27 नवंबर । सुरक्षा माहौल को मजबूत करने और सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के निरंतर प्रयास में श्रीनगर पुलिस ने जमात-ए-इस्लामी (जेईएल) से संबंधित कुछ सहयोगियों और संगठनों से जुड़े कई स्थानों पर समन्वित तलाशी ली।

पुलिस प्रवक्ता के अनुसार इन व्यक्तियों के घरों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर तलाशी ली गई जिनमें उमर सुल्तान गुरु पुत्र मोहम्मद फारूक गुरु निवासी अल नूर कॉलोनी चनपोरा (टूर एंड ट्रैवल 'सिंडिकेट'), मोहम्मद अब्दुल्ला वानी पुत्र स्वर्गीय मोहम्मद अकबर वानी निवासी वडवान बडगाम वर्तमान में मंदिर बाग बघाट श्रीनगर, गुलाम मोहम्मद भट पुत्र अब्दुल जब्बार भट निवासी बेमिना निवासी, हाजी मोहम्मद रमजान लोन पुत्र स्वर्गीय अली मोहम्मद लोन निवासी सौरा शेख मोलल्ला (रमज़ाना मेमोरियल एजुकेशनल इंस्टिट्यूट, सौरा), शाहिद ज़हगीर पुत्र अब्दुल सलाम निवासी हाउस नंबर 23, बुचपोरा सौरा, श्रीनगर (रमज़ाना मेमोरियल स्कूल, सौरा), मोहम्मद रमजान नाइक उर्फ फहीम पुत्र गुलाम कादिर नाइक निवासी बरहर लालबाजार, बशीर अहमद लोन पुत्र अबू समद लोन निवासी सैयदपोरा हरवान, पीर गियास उद दीन निवासी नौगाम (फलाह रिसर्च रमजान सेंटर, नौगाम) और मंजूर अहमद निवासी नौगाम चौक शामिल हैं।

एनआईए अदालत ने नकली नोट मामले में दी पाकिस्तानी नागरिक को 10 साल की सजा

नयी दिल्ली, 26 नवंबर। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की एक विशेष अदालत ने राजस्थान में 2019 के नकली नोट मामले में एक पाकिस्तानी नागरिक को 10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है।

अदालत ने आरोपी रण सिंह को सजा सुनाते हुए उस पर 94,000 रुपये मूल्य के नकली भारतीय मुद्रा नोट (एफआईसीएन) की जब्ती से संबंधित मामले में 30,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया।

आरोपी को मई 2019 में राजस्थान के मुन्नाबाओ स्थित लैंड कस्टम स्टेशन से गिरफ्तार किया गया था, जबकि उसका सह-साजिशकर्ता पाकिस्तानी नागरिक कुनपजी अभी भी फरार है।

एनआईए ने नवंबर 2019 में दोनों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया था और जयपुर की विशेष अदालत ने मंगलवार को रण सिंह को आईपीसी की धारा 489बी और 489सी तथा यूए(पी) एक्ट की धारा 16 के तहत सजा सुनाई और प्रत्येक अपराध के लिए 10,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया। एनआईए फरार कुनपजी की तलाश कर रही है।

वैष्णो देवी मेडिकल कॉलेज मुद्दे पर संघर्ष समिति का 29 नवंबर को विशाल धरना

जम्मू, 27 नवंबर। श्री माता वैष्णो देवी मेडिकल कॉलेज से जुड़े मुद्दों को लेकर श्री माता वैष्णो देवी संघर्ष समिति ने अपने शांतिपूर्ण आंदोलन को आगे बढ़ाने की रणनीति तय कर ली है। वीरवार को गीता भवन में आयोजित बैठक की अध्यक्षता समिति के संयोजक कर्नल सुखबीर सिंह मनकोटिया ने की। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आगामी शनिवार, 29 नवंबर को रघुनाथ चौक, जम्मू में समिति और उससे जुड़े विभिन्न संगठनों द्वारा एक विशाल धरना दिया जाएगा। धरने से पहले समिति के संयोजक और सहयोगी संगठनों के पदाधिकारी भगवान रघुनाथ जी का आशीर्वाद लेकर आंदोलन की औपचारिक शुरुआत करेंगे।

बैठक में आंदोलन को सुव्यवस्थित रूप से आगे बढ़ाने के लिए छह अलग-अलग टीमों का गठन किया गया। इनमें लीगल और ड्राफ्टिंग टीमों के साथ-साथ धर्माचार्यों और संतों, राजनीतिक दलों, व्यापारिक संगठनों, शैक्षणिक संस्थानों, विद्यार्थियों और महिलाओं से संपर्क साधने वाली टीमें शामिल हैं। लीगल टीम में एडवोकेट दीपक शर्मा, एडवोकेट रोहन नंदा, एडवोकेट अभिनव शर्मा, एडवोकेट प्रणव कोहली और एडवोकेट इंद्रजीत को जगह दी गई है। धर्माचार्य एवं संतों से संपर्क करने वाली टीम में अभिषेक गुप्ता, सुशांत और खेत्रपाल सदस्य बनाए गए हैं।

राजनीतिक दलों से संवाद स्थापित करने की जिम्मेदारी पुरुषोत्तम दधीचि, नीरज आनंद और कर्नल सुखबीर सिंह मनकोटिया को सौंपी गई है, जबकि व्यापारिक संगठनों से संपर्क के लिए चैंबर ऑफ़ कॉमर्स के अध्यक्ष अरुण गुप्ता और वेयरहाउस ट्रेडर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष दीपक गुप्ता को शामिल किया गया है। इसके अलावा, शैक्षणिक संस्थानों, छात्रों और महिलाओं को आंदोलन से जोड़ने के लिए गठित टीम में शिल्पी वर्मा, प्रिति चौधरी और अक्षी बलोरिया को स्थान दिया गया है। याचिका ड्राफ्टिंग की जिम्मेदारी सीएम सेठ और एडवोकेट इंद्रजीत को सौंपी गई है।

मेरी लड़ाई सिद्धांतों के लिए है, कुर्सी के लिए नहीं : आगा रूहुल्लाह मेहदी

श्रीनगर, 27 नवंबर । श्रीनगर के संसद सदस्य आगा रूहुल्लाह मेहदी ने गुरुवार को कहा कि उनका राजनीतिक रूख सिद्धांतों से चलता है, न कि पावर के पदों से। एक दिन पहले उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने उन्हें संसद में अपनी आवाज़ उठाने और सुर्खियों में आने की कोशिश बंद करने की सलाह दी थी।

मीडिया से बात करते हुए आगा रूहुल्लाह ने कहा कि जिन लोगों में राजनीति में अनुशासन, सिद्धांत, ईमानदारी और लॉयल्टी की कमी होती है, वे जवाब देने के भी लायक नहीं होते। उन्होंने कहा कि उपमुख्यमंत्री ने पीडीपी छोड़ दी और फिर भी वह मुझे सिद्धांतों और पार्टी के बारे में सलाह देते हैं।

मेरी लड़ाई सिद्धांतों के लिए है, कुर्सी के लिए नहीं। मैंने कुर्सी के लिए पार्टी और सिद्धांत नहीं बदले हैं।

उन्होंने कहा कि दो साल पहले उपमुख्यमंत्री नेशनल कॉन्फ्रेंस में नहीं थे और कभी भाजपा के साथ, कभी पीडीपी के साथ जुड़े रहते थे। रूहुल्लाह ने कहा कि उन्हें जहां भी कुर्सी और मौका मिलता है, वे वहीं चले जाते हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे लोगों के पास कोई उसूल, कोई वैल्यू और उनकी ज़िंदगी में कोई दिशा नहीं होती। उन्होंने कहा कि मेरी राजनीति और मेरी कोशिशें उसूलों और वैल्यूज़ पर आधारित हैं। इसीलिए अगर मैंने पार्टी से असहमति जताई है तो यह उसूलों पर आधारित है, कुर्सी के लिए नहीं।

ट्रेनों में हलाल प्रमाणित मांस परोसे जाने के निर्देश की खबरें निराधार : रेलवे

नयी दिल्ली 27 नवम्बर। भारतीय रेल ने ट्रेनों में हलाल प्रमाणित सामिष परोसे जाने की खबरों को निराधार बताया है और कहा है कि रेलवे ने गाड़ियों में हाल प्रमाणित मांसाहार परोसने के बारे में कभी कोई निर्देश नहीं दिया है। इस संबंध में मीडिया की कुछ खबरों पर स्पष्टीकरण देते हुए भारतीय रेल ने गुरुवार को कहा कि रेलवे तथा उसका उपक्रम भारतीय रेलवे खानपान एवं और पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) अपने सभी खाद्य पदार्थों के मामले में सिर्फ भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसआई) के दिशानिर्देशों का अनुपालन करते हैं। रेलवे ने अपने स्पष्टीकरण में मीडिया की हाल की कतिपय खबरों का हवाला दिया है जिनमें दावा किया गया है कि राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने रेलवे को नोटिस जारी कर ट्रेनों में परोसे जाने वाले मांसाहार के लिए हलाल प्रमाण पत्र की अनिवार्यता को लेकर जवाब मांगा है। रेलवे ने ऐसी खबरों को बेबुनियाद करार देते हुए कहा है, भारतीय रेलवे और आईआरसीटी अपने सभी खाद्य पदार्थों लिए एफएसएसआई के दिशानिर्देशों का पालन करते हैं। रेलवे

में हलाल-प्रमाणित खाद्य पदार्थ परोसे जाने का कोई आधिकारिक निर्देश नहीं दिया गया है। रेलवे ने स्पष्ट किया है, आईआरसीटीसी खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम 2006 में तय मानक के हिसाब से गैर शाकाहारी आहार (नॉन-वेजिटेरियन फूड) में सिर्फ चिकन परोसता है और समय-समय पर उसमें बदलाव करता रहता है। रेलवे ने कहा है कि ऐसा कोई दिशानिर्देश नहीं है जो यह ज़रूरी बनाता हो कि ट्रेनों में परोसा जाने वाला मांसाहार हलाल प्रमाणित होना चाहिए। आईआरसीटीसी इस संबंध में रेलवे द्वारा जारी सभी निर्देशों और दिशानिर्देशों का भी पालन करता है।

कांग्रेस का नड्डा पर आरोप—हिंदू समुदाय के अधिकारों की रक्षा करने में असफल

वैष्णो देवी मेडिकल एडमिशन विवाद

जम्मू तवी, 27 नवम्बर। कांग्रेस ने गुरुवार को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री के रूप में वे श्री माता वैष्णो देवी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एक्सीलेंस को मान्यता देने की प्रक्रिया के दौरान हिंदू समुदाय के धार्मिक अधिकारों और भावनाओं की रक्षा करने में विफल रहे।

जम्मू-कश्मीर प्रदेश कांग्रेस समिति के कार्याध्यक्ष रमन भल्ला ने कहा कि भाजपा को अपनी असफलताओं को छिपाने के लिए माहौल खराब करने के बजाय स्पष्टीकरण और माफी मांगनी चाहिए।

उन्होंने पत्रकारों से कहा, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, जो केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय का नेतृत्व करते हैं और SMVDSB तथा संस्थान के प्रबंधन की देखरेख करते हैं, SMVDIME को मान्यता प्रदान करते समय समुदाय के अधिकारों और भावनाओं की रक्षा करने में असफल रहे। भाजपा को धार्मिक भावनाएं भड़काने के बजाय स्पष्टीकरण देना चाहिए और माफी मांगनी चाहिए।

मुख्य प्रवक्ता रविंदर शर्मा के साथ भल्ला ने भाजपा पर सवाल उठाते हुए कहा कि मामले में उचित सावधानी नहीं बरती गई और अब स्थिति को राजनीतिक और साम्प्रदायिक रंग देने की कोशिश की जा रही है।

भल्ला ने कहा कि केंद्र सरकार और श्राइन बोर्ड प्रबंधन—जो दोनों भाजपा के अधीन हैं—को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए कि उन्होंने समय रहते समुदाय की धार्मिक संवेदनशीलताओं का सम्मान करने के लिए कदम क्यों नहीं उठाए। उन्होंने पूछा, उचित कानूनी और प्रक्रिया अनुसार कदम उठाने से इन्हें किसने रोका था? रविंदर शर्मा ने स्पष्ट किया कि कांग्रेस चयन प्रक्रिया में किसी अवैधता का आरोप नहीं लगा रही, और यह प्रक्रिया नियमों के अनुरूप प्रतीत होती है। उन्होंने कहा, फिर इसे साम्प्रदायिक मोड़ क्यों दिया जा रहा है? जिम्मेदार अधिकारी—जो सभी भाजपा प्रणाली से हैं—हिंदू समुदाय के अधिकारों और भावनाओं की रक्षा करने में विफल रहे।

पुलिस ने संदिग्ध आतंकी गतिविधियों के सिलसिले में युवक को किया गिरफ्तार

जम्मू, 27 नवंबर। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने गुरुवार को एक 19 साल के युवक को संदिग्ध आतंकी गतिविधियों के सिलसिले में गिरफ्तार किया है। उसके पास से ज़ब्त किए गए डिजिटल डिवाइस की जांच की जा रही है। पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि मूल रूप से रियासी जिले का रहने वाला युवक अभी बठिंडी इलाके में रह रहा है। उसका नाम आतंकी गतिविधियों में मुख्य संदिग्ध के तौर पर सामने आ रहा है। पुलिस स्टेशन बाहु फोर्ट में सेक्शन 113(3) बीएनएस के तहत एफआईआर नंबर 331/2025 दर्ज की गई है। पुलिस ने कहा कि शुरुआती जांच से पता चला है कि युवक को ऑनलाइन कट्टरपंथी बनाकर उसे एक आतंकी घटना को अंजाम देने की योजना में शामिल किया जा रहा था। अधिकारियों ने यह भी बताया कि वह मोबाइल फोन के ज़रिए पाकिस्तान और दूसरे देशों के कुछ नंबरों से संपर्क में था।

एक राष्ट्र, एक कर' ने देशभर में कर ढांचे को सरल और अधिक पारदर्शी बना दिया है : लोक सभा अध्यक्ष

नई दिल्ली, 27 नवंबर (। लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने आज कहा कि 'एक राष्ट्र, एक कर' तथा जीएसटी ढांचे के साथ-साथ प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष करों में सुधारों ने देश के कर ढांचे को सरल और अधिक पारदर्शी बना दिया है, जिससे भारत के विकास और समृद्धि में योगदान मिल रहा है। उन्होंने कहा कि इस पारदर्शी व्यवस्था को बनाए रखने और इसे मजबूती प्रदान करने की जिम्मेदारी राजस्व सेवा के अधिकारियों की है।

बिरला ने भारतीय राजस्व सेवा (सी एंड आईटी) के 76वें बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की, जो संसद भवन परिसर में संसदीय लोकतंत्र शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान (प्राइड) द्वारा आयोजित संसदीय पद्धतियों और प्रक्रियाओं के संबंध में आयोजित एक परिबोधन कार्यक्रम में भाग ले रहे हैं।

विभिन्न केन्द्रीय और अखिल भारतीय सेवाओं में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बिरला ने कहा कि महिला अधिकारियों की बढ़ती संख्या भारत के विकास और आकांक्षाओं को दर्शाती है।

बिरला ने आज के युवाओं के तकनीकी

कौशल और तकनीकी ज्ञान की भी प्रशंसा की, जो राष्ट्र निर्माण के लिए उन्नत प्रौद्योगिकी, अनुसंधान और नवाचार का लाभ उठाने में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि युवा प्रशिक्षु अधिकारियों का साहसिक, आत्मविश्वास से युक्त और नया दृष्टिकोण भारत को वैश्विक नेतृत्व की ओर अग्रसर करने में सहायक होगा। उन्होंने आगे कहा कि युवा प्रशिक्षु अधिकारियों का योगदान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा परिकल्पित विकसित भारत के लक्ष्य को सार्थक रूप से साकार करने में सहायक होगा।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए बिरला ने कहा कि भारत की संसद देश की लोकतांत्रिक प्रक्रिया और नीति-निर्माण का केंद्र है। उन्होंने आगे कहा कि आने वाले वर्षों में भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) के अधिकारीगण भारत की आर्थिक मज़बूती के प्रमुख स्तंभ बनेंगे। बिरला ने कहा कि आईआरएस अधिकारी न केवल कर संग्रह करते हैं, बल्कि ईमानदार करदाताओं का सम्मान करने, व्यापार को सुगम बनाने, अवैध व्यापार और धन शोधन को रोकने और वित्तीय अनुशासन बनाए रखने में भी प्रमुख भूमिका निभाते हैं। उन्होंने इस बात को दोहराया कि सरकार का लक्ष्य कर प्रणाली को सरल और सुगम बनाना है ताकि नागरिक राष्ट्र के विकास और समृद्धि से जुड़ाव महसूस करें। इस संबंध में, सरकार का बृहत्तर लक्ष्य पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना और ऐसी व्यवस्था स्थापित करना है जहां करों की वसूली पूर्णतः कानून के अनुसार हो। उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में इस दिशा में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। बिरला ने कहा कि डिजिटल कर प्रणाली, एआई-आधारित मूल्यांकन एवं डेटा विश्लेषण जैसे आधुनिक उपकरण कराधान में पारदर्शिता और निष्पक्षता को और बढ़ाते हैं।

बस बन रहे फ्लाईओवर के पिल्लर से टकराई, तेरह यात्री घायल

जम्मू, 27 नवंबर । गुरुवार को जम्मू-पठानकोट राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक बस के बन रहे फ्लाईओवर के पिलर से टकराने से कम से कम तेरह यात्री घायल हो गए।

अधिकारियों के अनुसार यह घटना बडी ब्राह्मणा इलाके के पास हुई जब जम्मू से कठुआ जा रही बस तेज़ रफ़्तार के कारण ड्राइवर के गाड़ी से नियंत्रण खोने के बाद पिलर से टकरा गई। उन्होंने बताया कि सभी घायलों को पास के अस्ताल ले जाया गया जहां उनका उपचार जारी है। अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है।

दिल्ली अदालत ने जेल में बंद शेख रशीद को संसद में हिस्सा लेने की अनुमति दी

नई दिल्ली, 27 नवम्बर। दिल्ली की एक अदालत ने बृहस्पतिवार को बारामूला के सांसद अब्दुल रशीद शेख को हिरासत में रहते हुए भी लोकसभा की 18वीं सभा के छठे सत्र में शामिल होने की अनुमति दे दी है। मिली जानकारी के अनुसार, यह अनुमति पहले लगाए गए शर्तों के अधीन होगी।एडिशनल सेशंस जज प्रशांत शर्मा ने स्पष्ट किया कि रशीद की यात्रा लागत दिल्ली हाई कोर्ट में लंबित अपील के निर्णय पर निर्भर करेगी। रशीद 2019 से तिहाड़ जेल में बंद हैं। उन्हें 2017 में दर्ज एक आतंकवादी फंडिंग मामले में गिरफ्तार किया गया था। उनके पक्ष

में अधिवक्ता विख्यात ओबेरॉय, निशिता गुप्ता, शिवम प्रकाश और रवि शर्मा सहित वकीलों की एक टीम पेश होती है।

7 नवम्बर को दिल्ली हाई कोर्ट की डिवीजन बेंच ने रशीद द्वारा संसद में उपस्थिति के दौरान सुरक्षा और यात्रा खर्च माफ करने की माँग पर विभाजित फैसला सुनाया था। बेंच में

निर्णय सांसद केवल परिवहन लागत वहन करेंगे, पुलिस एस्कॉर्ट का खर्च नहीं

न्यायमूर्ति विवेक चौधरी और न्यायमूर्ति अनूप भंभानी शामिल थे।न्यायमूर्ति चौधरी का मत था कि वैध हिरासत में होने के दौरान रशीद को संसदीय कार्यवाही में भाग लेने का कोई अधिकार प्राप्त नहीं है। इसके विपरीत, न्यायमूर्ति भंभानी ने माना कि रशीद केवल जेल से संसद तक और वापस लाने-ले जाने के खर्च—जेल वैन और एस्कॉर्ट वाहन की लागत सहित—का भुगतान करने के लिए बाध्य हैं।

श्रीनगर में पुलिस ने मदरसों और मस्जिदों में की सघन निरीक्षण कार्रवाई

श्रीनगर, 27 नवम्बर। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने गुरुवार को श्रीनगर के विभिन्न इलाकों में मदरसों और मस्जिदों में व्यापक निरीक्षण अभियान चलाया। यह कार्रवाई आतंकवादी संगठनों से जुड़े व्यक्तियों और नेटवर्क पर चल रहे अभियान का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य घाटी में आतंकी समर्थन तंत्र को ध्वस्त करना और डी-रेडिकलाइजेशन प्रयासों को मजबूत करना है। पुलिस ने घाटी में छापे तेजी से बढ़ा दिए हैं, खासकर 10 नवम्बर को दिल्ली के लाल किले के पास कार ब्लास्ट और *व्हाइट कॉलर टेरर मॉड्यूल के पर्दाफाश के बाद। इस मामले में शोपियां के मौलवी इरफान और हरियाणा के मेवात के मौलवी इश्तियाक को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। एक पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि श्रीनगर पुलिस ने सभी जोनों में मदरसों और मस्जिदों का शहर-व्यापी निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई आतंकवादी संगठनों से जुड़े व्यक्तियों और नेटवर्क के विरुद्ध जारी अभियान का हिस्सा है, ताकि आतंक समर्थन तंत्र को समाप्त किया जा सके और कट्टरपंथ को रोकने के प्रयास मजबूत हों। प्रवक्ता के अनुसार, कार्यपालक मजिस्ट्रेटों और स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी में तलाशी दलों ने कई परिसरों का निरीक्षण किया, ताकि ऐसे सबूत जुटाए जा सकें जो आतंकी या राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों से जुड़े हों और देश की सुरक्षा एवं अखंडता के खिलाफ हों।

नौगाम ब्लास्ट पीड़ितों से मिले राज्यसभा सांसद गुलाम अली खटाना, हर संभव मदद का भरोसा

जम्मू, 27 नवंबर। राज्यसभा सांसद और वरिष्ठ भाजपा नेता गुलाम अली खटाना ने नौगाम ब्लास्ट में प्रभावित लोगों से मुलाकात कर उनकी स्थिति का जायज़ा लिया। उन्होंने नटिपोरा, पुलिस कॉलोनी बेमिना, कमरवारी और ग़ज़ालियाबाद समेत कई इलाकों का दौरा कर पीड़ित परिवारों से सीधे बातचीत की। इस दौरान खटाना ने उन्हें भरोसा दिलाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और उपराज्यपाल प्रशासन उनकी पूरी सहायता के लिए प्रतिबद्ध हैं और आवश्यक राहत एवं पुनर्वास कार्य तेज़ी से सुनिश्चित किए जा रहे हैं। परिवारों से बातचीत में खटाना ने कहा कि यह दुखद घटना कई ज़िंदगियों को प्रभावित कर गई है, लेकिन कश्मीर की हिम्मत और जज़्बा हमेशा की तरह मज़बूत है। उन्होंने आश्वस्त किया कि केंद्र सरकार मेडिकल सुविधा, आवास और आजीविका से जुड़े सभी पहलुओं पर हर संभव मदद प्रदान करेगी, ताकि प्रभावित परिवार जल्दी से सामान्य जीवन में लौट सकें। सांसद ने मौके पर मौजूद

परिवारों का हालचाल जाना, उनकी ज़रूरतों को सुना और मेडिकल उपचार, घरों की मरम्मत और रोज़मर्रा की आवश्यकताओं से संबंधित सहायता का संज्ञान लिया। खटाना ने कहा कि केंद्र सरकार हालात पर नज़दीकी नज़र रखे हुए है और राहत कार्यों को तेज़ी से आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके साथ ही उन्होंने नौगाम स्थित उजाला सिग्नस कश्मीर सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल का दौरा कर घायल मरीजों और मेडिकल स्टाफ से मुलाकात की। खटाना ने अस्पताल द्वारा समय पर दी गई चिकित्सा सेवाओं की सराहना करते हुए कहा कि सरकार पीड़ितों के उपचार और पुनर्वास में निरंतर सहयोग देती रहेगी।

अवतार के रूप में क्यों आते हैं भगवान

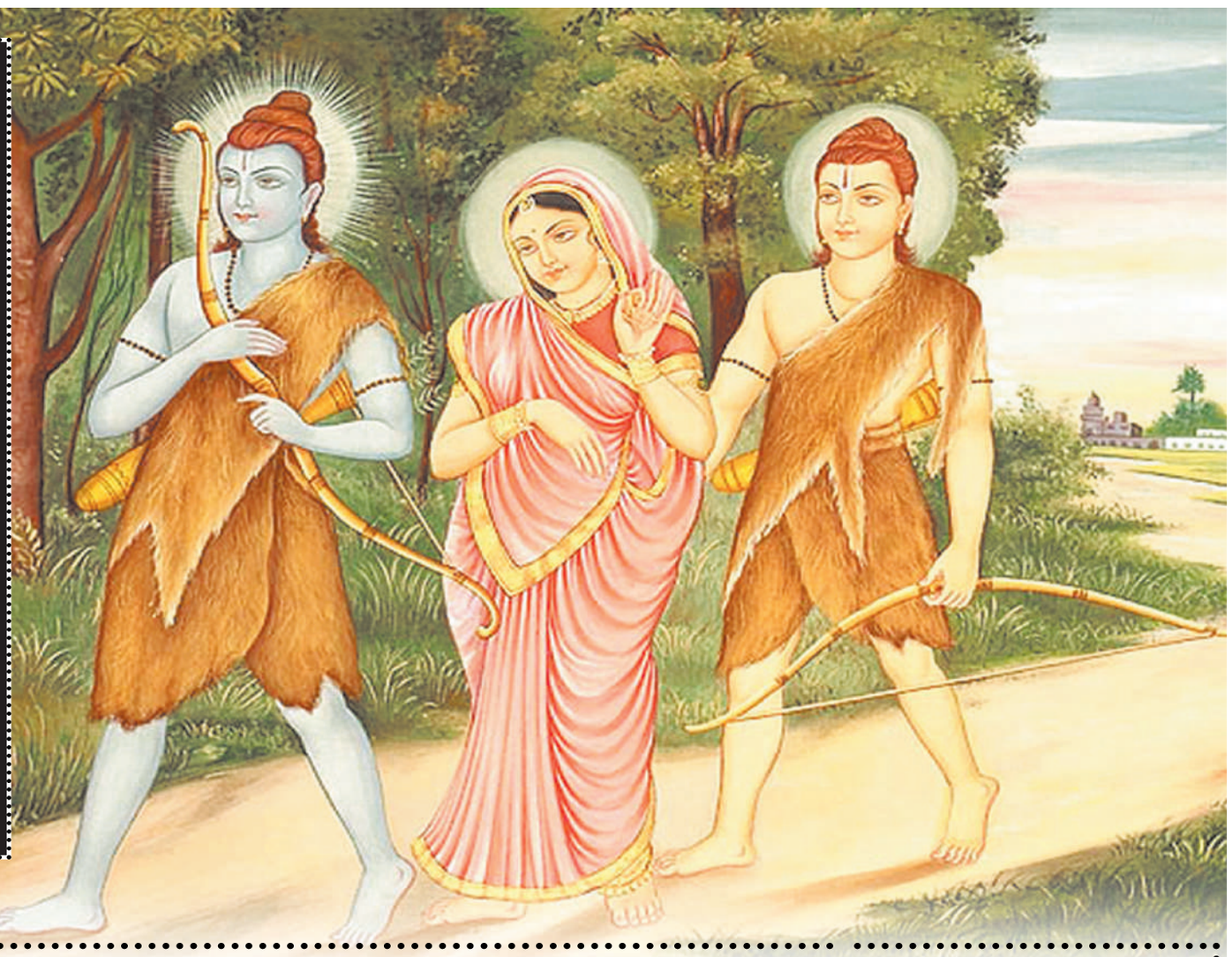

जिस प्रकार कोई सम्राट अपने साम्राज्य में सज्जनों को पुरस्कार द्वारा प्रोत्साहित करके और दुर्जनों को तिरस्कार द्वारा निरुत्साहित करके प्रजा में अभ्युदयशील सामंजस्य स्थापित करता है, उसी प्रकार श्रीभगवान भी यथासमय अवतीर्ण होकर यथायोग्य निग्रहानुग्रह प्रदर्शित करते हुए अपनी सृष्टि में धर्म की स्थापना किया करते हैं। समस्त धर्मों का पर्यवसान श्रीभगवत साक्षात्कार में ही है।

भगवान के अवतार के तीन कारण होते हैं- पहला अनुग्रह अथवा साधुपरित्राण, दूसरा निग्रह अथवा दुष्कृतकारियों का विनाश और तीसरा धर्मसंस्थापन। जिस प्रकार कोई सम्राट अपने साम्राज्य में सज्जनों को पुरस्कार द्वारा प्रोत्साहित करके और दुर्जनों को तिरस्कार द्वारा निरुत्साहित करके प्रजा में अभ्युदयशील सामंजस्य स्थापित करता है, उसी प्रकार श्रीभगवान भी यथासमय अवतीर्ण होकर यथायोग्य निग्रहानुग्रह प्रदर्शित करते हुए अपनी सृष्टि में धर्म की स्थापना किया करते हैं। समस्त धर्मों का पर्यवसान श्रीभगवत साक्षात्कार में ही है। भगवत साक्षात्कार तभी हो सकता है, जब भगवान में निष्ठा हो। निष्ठा तभी होती है जब अनुराग हो, अनुराग उसी में होता है, जिसकी ओर आकर्षण होगा। अतएव जीवजात को अपनी ओर आकृष्ट करने के लिए ही भगवान अवतार रूप में ऐसी-ऐसी मनमोहिनी क्रीड़ाएं करते हैं कि जिन्हें सुनकर श्रोताओं का मन उनमें बलात् आसक्त हो जाता है

बालक, युवक और वृद्ध, पंडित और मूर्ख, राजा और प्रजा, स्त्री और पुरुष, विषयी और विरागी, सभी का भगवल्लीला श्रवण से उधर आकर्षण होता है, जो परिणाम में प्रपंचातीत परमात्मा तक पहुंचा देता है। ज्ञान-विज्ञान विनाशन काम को गीता में आचार्य रामानुज के अनुसार बुद्धि से भी बलवत्तर बताया गया है। उसी महापाप, महावैरी, दुष्पूर काम को भक्तजन अनायास जीत सकें, इसलिए भगवान अपने अवतार चरित्रों द्वारा मदन-दमन लीलाएं करते हैं। उदाहरण के लिए कोटि-कन्दर्पदर्पहा श्रीकृष्ण की योगमाया द्वारा प्रसाधित रासलीला का दर्शन करके उस समय अनेक देवादि भी भगवन्निष्ठ होकर कृतकृत्य हो गये और अब भी उस परम उज्ज्वल लीला का श्रद्धापूर्वक अध्ययन करने वालों के मदनरूपी हृदय रोग का स्वयमेव शमन हो जाता है।

नित्यविभूति से लीलाविभूति में श्रीराम, श्रीकृष्ण आदि रूपों में श्रीभगवान का अवतार आगम ग्रंथों में विभव कहलाता है। श्रीमत्स्य, कूर्म, वराह, नृसिंह, वामन, राम (जामदग्न्य), राम (दाशरथि), कृष्ण, बुद्ध और कल्कि, ये दस अवतार प्रसिद्ध हैं। श्रीवराह, सनकादि, नारद, नर-नारायण, कपिल, दत्तात्रेय, यज्ञ, ऋषभ, पृथु, मत्स्य, कूर्म, धन्वन्तरि, मोहिनी, नृसिंह, वामन, परशुराम, वेदव्यास, राम, बलराम, कृष्ण, बुद्ध, कल्कि- ये 22 अवतार कहलाते हैं। हंस और हयग्रीव की संख्या मिलाने से यह 24 होते हैं। आगम ग्रंथों में अन्यान्य अवतारों के भी नाम उपलब्ध होते हैं।

विभव के दो भेद हैं- स्वरूपावतार और आवेशावतार। जब श्रीभगवान स्वरूप में अर्थात् स्वयं ही अवतीर्ण होते हैं, तब उनका वह रूप स्वरूपावतार कहलाता है, जैसे दाशरथि श्रीराम, किंतु जब किसी जीव विशेष में परमात्मा की शक्ति का आवेश होता है, तब उसे आवेशावतार कहते हैं, जैसे जामदग्न्य राम।

जिस रूप में परब्रम्ह परमात्मा अपने समग्र ऐश्वर्य माधुर्य को लिये हुए ही अवतीर्ण होते हैं, उसे पूर्णावतार कहते हैं। किंतु जिस रूप में आवश्यकतानुसार वे अपने प्रभाव का आंशिक प्राकट्य ही दिखलाते हैं, उसको अंशावतार कहते हैं। अंश के तुरीय भाग को कला कहते हैं। अतएव अंशावतार का अवान्तर भेद होने से कलावतार को उसी के अन्तर्भूत समझना चाहिए।

सरल उपाय अपनाएं शर्तियां वास्तुदोष भगाएं

- घर का मुख्य द्वार सदैव पूर्व या उत्तर में ही होना चाहिए किंतु यदि ऐसा न हो पा रहा हो तो घर के मुख्य द्वार पर 'स्वास्तिक' की प्राण प्रतिष्ठा करवाकर लगाने से नकारात्मक ऊर्जा का नाश और सकारात्मक ऊर्जा का विकास होने लगता है। घर की स्थिति अनुकूल होने लगती है।
- घर के मुख्य द्वार पर तुलसी का पौधा रखें। सुबह उसमें जल अर्पित करें तथा शाम को दीपक जलाएं। पूर्व या उत्तर दिशा में तुलसी का पौधा लगाने से घर के सदस्यों में आत्मविश्वास बढ़ता है। घर की छत पर तुलसी का पौधा रखने से घर पर बिजली गिरने का भय नहीं रहता। घर में किसी प्रकार के वास्तु दोष से बचने के लिए घर में पांच तुलसी के पौधे लगाएं तथा उनकी नियमित सेवा करें।
- ध्यान रहे कि घर में खिड़की दरवाजों की संख्या सम हो जैसे (2, 4, 6, 8, 10) तथा दरवाजे खिड़कियां अंदर की तरफ ही खुलें। द्वार खोलते-बंद होते समय किसी भी प्रकार की कर्कश ध्वनि नहीं आनी चाहिए। ये अशुभ सूचक होता है।
- यदि किसी भिक्षुक को भिक्षा देनी हो तो घर से बाहर आकर ही दें अन्यथा अनहोनी होने की संभावना रहती है।
- इस बात का ध्यान रहे कि घर में कभी भी फालतू सामान, टूटे-फूटे फर्नीचर, कूड़ा कबाड़ तथा बिजली का सामान इकट्ठा न होने पाए। अन्यथा घर में बेवजह का तनाव बना रहेगा।
- घर के किसी भी कोने में सीलन नहीं होनी चाहिए और न ही घर के किसी कोने में रात को अंधेरा रहना चाहिए। शाम को कम से कम 15 मिनट पूरे घर की लाइट अवश्य जलानी चाहिए। बिजली के स्विच, मोटर, मेन मीटर, टी.वी., कम्प्यूटर आदि आग्नेय कोण में ही होने चाहिए इससे आर्थिक लाभ सुगमता से होता है।
- घर में पुस्तकें रखने का स्थान उत्तर या पूर्व में ही होना चाहिए तथा पुस्तकों को बंद अलमारी में ही रखना चाहिए।
- घर में कभी भी मकड़ी के जाले नहीं लगने चाहिए नहीं तो राहु खराब होता है तथा राहु के बुरे फल भोगने पड़ते हैं।
- संध्या के समय घर में एक दीपक अवश्य जलाएं तथा ईश्वर से अपने द्वारा किए गए पापों के लिए क्षमा याचना करें।

बृहस्पति जी को देवगुरु पद किसने प्रदान किया

पुराणों के अनुसार ब्रह्मा जी के मानस पुत्र अंगिरा ऋषि का विवाह स्मृति से हुआ। जिनसे सिनीवाली, कुहू, राका, अनुमति नाम कि कन्याएं एवं उतथ्य व जीव नामक पुत्र हुए। जीव बचपन से ही शांत एवम जितेन्द्रिय प्रकृति के थे। वे समस्त शास्त्रों तथा नीति के ज्ञाता हुए। अंगिरा नंदन जीव ने प्रभास क्षेत्र में शिवलिंग कि स्थापना कि तथा शिव को प्रसन्न करने के लिए घोर तप किया।

महादेव ने उनकी आराधना एवं तपस्या से प्रसन्न हो कर उन्हें साक्षात दर्शन दिए और कहा, हे द्विज श्रेष्ठ ! तुमने बहुत तप किया है। अतः तुम बृहस्पति नाम से प्रसिद्ध हो कर देवताओं के गुरु बनों और उनका धर्म व नीति के अनुसार मार्गदर्शन करो। इस प्रकार महादेव ने बृहस्पति को देवगुरु पद और नवग्रह मंडल में स्थान प्रदान किया। तभी से जीव, बृहस्पति और गुरु के नाम से विख्यात हुए। देवगुरु कि शुभा,तारा और ममता तीन पत्नियां हैं। उनकी तीसरी पत्नी ममता से भरद्वाज एवं कच नामक दो पुत्र हुए। बृहस्पति ग्रह सब ग्रहों में सबसे अधिक वजनी और पृथ्वी से बहुत नज़दीक 37 करोड़ मील से भी कम दूरी पर हैं। इस ग्रह पर वायु नहीं है इसके धरातल पर हमेशा लावा फूटता रहता है इसलिए जो हमारे गुरुजन है उनके अन्दर जो ज्ञान रूपी लावा है वो हमारे कल्याण के लिए निरंतर बहता रहता है।

शनि देव लंगड़े एवं शनेश्चर क्यों कहलाते हैं?

सूर्यदेव की पत्नी संज्ञा उनका तेज सहन न कर पाने से अपनी प्रतिमूर्ति छाया को प्रकट कर और उन्हें अपने परिवार की जिम्मेदारी सौंप तपस्या करने चली गई। छाया संज्ञा का प्रतिरूप बन सूर्यदेव के साथ सुखी दांपत्य जीवन व्यतित करने लगी। इस दौरान छाया और सूर्यदेव के पांच पुत्र हुए। जब उसके स्वंय के बच्चे हो गए तो उसका मन उनमें ही रम गया और संज्ञा के बच्चों के प्रति उसका विमाता सा व्यवहार हो गया। एक दिन छाया अपने बच्चों को खाना परोस रही थी। शनिदेव भूख से व्याकुल होकर छाया के पास आए और उनसे भोजन परोसने को कहने लगे पर छाया ने उनकी तरफ ध्यान न दिया। अपने बच्चों को प्रेमपूर्वक भोजन कराती रही। छाया के व्यवहार से शनिदेव को बहुत क्रोध आया और उन्होंने छाया को मारने के लिए अपनी टांग उठायी। तभी छाया ने शनिदेव को श्राप देते हुए कहा कि, तेरी यह टांग अभी टूट जाए। उसी समय शनिदेव लंगड़े हो गए। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार शनि देव को क्रू ग्रह माना जाता है। मान्यता है की जिसकी कुण्डली में शनि नकारात्मक भाव में हो उसे बहुत सी मुसिबतों का सामना करना पड़ता है। वह नौ ग्रहों में सबसे धीमे ग्रह हैं क्योंकि ज्योतिष की दृष्टि से शनि लंगड़ा है और एक राशि में करीब ढाई वर्ष तक रुकता है। इसी वजह से इन्हें शनेश्चर भी कहा जाता है क्योंकि ये शनैः शनैः चलते हैं।

गणेश मंत्र करेगा सभी कामनाओं की पूर्ति

गणपति जी का बीज मंत्र गं है। इनसे युक्त मंत्र- ऊँ गं गणपतये नमः का जप करने से सभी कामनाओं की पूर्ति होती है।

- बुद्धि का विकास करना चाहते हैं तो श्री गणेश जी के मंत्र ऊँ गं गणपतये नमः का एक माला जाप करें और 11 मोदक या लड्डू का भोग लगाएं।
- बच्चे का मन पढाई में न लग रहा हो तो प्रत्येक बुधवार ऊँ गं गणपतये नमः मंत्र के साथ 11 दूर्वा 6 हरी घास 8 गणेश जी को आर्पित करें।
- व्यवसाय न चल रहा हो या घाटे पड़ रहे हो तो प्रत्येक बुधवार 11 दूर्वा ऊँ गं गणपतये नमः मंत्र के साथ चढ़ावे तथा 21 लड्डू का भोग लगा कर ग्राहकों में बांटे।
- चूहों से परेशान हैं तो एक कटोरी में जल लेकर ऊँ गं गणपतये नमः मंत्र को पढकर कटोरी को रात भर जमीन पर रख दें सुबह जल पौधों में डाल दें। चूहे भाग जाएंगे।
- अगर आपका व्यवसाय बन्द होने के कगार पर है तो 108 लड्डू 108 दूर्वा के साथ गणेश जी का अभिषेक कराएं।

इस मंत्र जाप के अतिरिक्त गणपति अथर्वशीर्ष, संकटनाशक गणेश स्त्रोत, गणेशकवच, संतान गणपति स्त्रोत, ऋणहर्ता गणपति स्त्रोत, मयूरेश स्त्रोत, गणेश चालीसा का पाठ करने से गणेश जी की कृपा शीघ्र प्राप्त होती है ।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

ईपीएफओ की 'निधि आपके निकट 2.0' पहल में सोशल सिक्योरिटी स्कीम्स पर दी गई विस्तृत जानकारी

जम्मू, 27 नवंबर (हि.स.)। एम्प्लॉइज प्रोविडेंट फंड ऑर्गनाइजेशन (ईपीएफओ) ने कठुआ के एजियस पॉलीफिल्म्स प्राइवेट लिमिटेड, लोगेट में अपनी विशेष आउटरीच पहल 'निधि आपके निकट 2.0' का आयोजन किया। रीजनल पी.एफ. कमिश्नर-1 (आरपीएफसी-1) सुमीत सिंह की अगुवाई में हुए इस कार्यक्रम का उद्देश्य कर्मचारियों, नियोक्ताओं और विभिन्न स्टेकहोल्डर्स को ईपीएफओ की सेवाओं, योजनाओं और हालिया पहलों के बारे में जागरूक करना था। इस अवसर पर एनफोर्समेंट ऑफिसर (ईओ) देविंदर सिंह, जिला नोडल अधिकारी के रूप में टीम के साथ मौजूद रहे। कार्यक्रम में प्रतिभागियों को बताया गया कि सरकार ने देशभर में सोशल सिक्योरिटी को मजबूत करने और श्रमिकों को व्यापक सुरक्षा देने के लिए 'एम्प्लॉइज एनरोलमेंट कैंपेन 2025 (ईईसी-2025)' की शुरुआत की है। यह अभियान 1 नवंबर 2025 से 30 अप्रैल 2026 तक चलेगा, जिसके तहत संस्थानों को पात्र कर्मचारियों का पंजीकरण कराने और पुराने रिकॉर्ड को नियमित करने का अवसर मिलेगा। इसके साथ ही सरकार द्वारा लागू किए जा रहे चार लेबर कोड्स के उद्देश्यों और अपेक्षित लाभों पर भी प्रकाश डाला गया, जिनसे वेतन संरचना, कार्यस्थल सुरक्षा, सामाजिक सुरक्षा और श्रमिक कल्याण में व्यापक सुधार की उम्मीद है। इवेंट में ईपीएफओ ने अपनी 'प्रयास' पहल का भी उल्लेख किया, जो सेवानिवृत्ति के समय कर्मचारियों को समय पर पीएफ और पेंशन लाभ देने की दिशा में एक अहम कदम है।

डॉ. अंद्राबी ने दरगाह हजरतबल में एक स्टेट-ऑफ-द-आर्ट शीश खाना का किया उद्घाटन

श्रीनगर, 27 नवंबर (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर वक्फ बोर्ड की चेयरपर्सन, डॉ. सैयद दरख्शां अंद्राबी ने गुरुवार को श्रीनगर में दरगाह हजरतबल में एक स्टेट-ऑफ-द-आर्ट शीश खाना का उद्घाटन किया।

वक्फ चेयरपर्सन के साथ बोर्ड मेंबर डॉ. गुलाम नबी हलीम, बोर्ड के एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट इश्तियाक मोहिउद्दीन, हजरतबल के इमाम मौलवी रियाजुल हक, दरगाह गुलाम मोहिउद्दीन बंदे के सज्जादा निशीन, एडमिनिस्ट्रेटर खुर्शीद वानी, इमाम खतीब मौलाना सैयद मुश्ताक खोसपुरी, सिविल सोसाइटी के रिप्रेजेंटेटिव शकील अहमद खान, मोहम्मद शफी कुरैशी, अब्दुल हामिद नईमी और दूसरे लोग मौजूद थे।

डॉ. अंद्राबी ने दरगाह पर भी माथा टेका और मजलिस-ए-दुआ में हिस्सा लिया और सभी के लिए शांति और खुशहाली की दुआ की। बाद में वक्फ चेयरपर्सन ने कैंपस में एक शानदार सभा को संबोधित किया जहाँ उन्होंने बोर्ड की विकास कहानी को बिना रुके जारी रखने का अपना वादा दोहराया।

उन्होंने कहा कि वक्फ बोर्ड विकास और बदलाव का पर्याय है। हम खोखले बयानों में विश्वास नहीं करते। हम काम में विश्वास करते हैं। हम बिना ब्रेक, बिना छुट्टियों के काम करते हैं और इसीलिए हम हर जगह बड़ा बदलाव देखते हैं।

उन्होंने कहा कि हम काम कर सके क्योंकि हमने कभी अपने काम और अपनी पूजा की जगहों का राजनीतिकरण नहीं किया। प्रधानमंत्री ने हम पर भरोसा किया और हमें सेंट्रल एक्ट के अनुसार बने जम्मू-कश्मीर के पहले वक्फ बोर्ड में सेवा करने का मौका दिया।

मुख्यमंत्री योगी ने नोएडा में 550 बेड के नए सुपर स्पेशियलिटी मेदांता अस्पताल का किया उद्घाटन

गौतमबुद्धनगर। उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने आज गुरुवार को नोएडा सेक्टर-50 स्थित मेदांता अस्पताल पहुँचकर अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित 550 बेड के इस नए सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल का विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने अस्पताल में उपलब्ध नवीनतम चिकित्सा तकनीकों और उपचार प्रणालियों का भी अवलोकन किया। इस अवसर पर मा0 मुख्यमंत्री जी ने डॉ. नरेश त्रेहन एवं मेदांता परिवार को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि यह सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल न केवल विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करेगा, बल्कि क्षेत्र में बड़े पैमाने पर रोजगार एवं निवेश का मार्ग भी प्रशस्त करेगा।

मेदांता लखनऊ ने अपनी बेहतरीन सेवा से आज वहां पर एक अपनी पहचान बनाई है। कोविड कालखंड के दौरान मेदांता हॉस्पिटल उत्तर प्रदेश वासियों के लिए बहुत उपयोगी साबित हुआ और आज भी अपनी सेवाएं वहां पर प्रदान कर रहा है और अब एनसीआर में हम सबके लिए एक नया हॉस्पिटल खासतौर पर हमारा जो वेस्टर्न यूपी था जहां पर बहुत दिनों से मांग होती थी कि और भी अच्छे हॉस्पिटल्स आने चाहिए और उस अभियान के क्रम में आज यहां पर हम लोग नोएडा के अंदर मेदांता हॉस्पिटल का शुभारंभ कर रहे हैं। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश में बीते आठ वर्षों में स्वास्थ्य सेवाओं में व्यापक परिवर्तन आया है।

पहले उत्तर प्रदेश की पहचान वन डिस्ट्रिक्ट, वन माफिया से होती थी, आज हर जनपद वन डिस्ट्रिक्ट, वन मेडिकल कॉलेज से जुड़ रहा है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में नीति सुधारों द्वारा अस्पताल निर्माण को सरल बनाया गया है, जिसके परिणाम स्वरूप बड़े हेल्थ संस्थान प्रदेश में निवेश कर रहे हैं। पिछले छः-सात वर्षों में आपने देखा होगा प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत आज देश के अंदर 50 करोड़ लोगों को 05 लाख रूपये प्रतिवर्ष फ्री स्वास्थ्य सेवा अकेले प्रधानमंत्री मोदी जी के माध्यम से देश के हर गरीब को उपलब्ध करवाने का कार्य किया जा रहा है।

इंचार्ज पुलिस पोस्ट जीएमसी जम्मू ने स्नैचिंग का मामला सुलझाया

जम्मू, 27 नवंबर (हि.स.)। दो आरोपियों से 35,000 बरामद कर बख्शी नगर पुलिस ने स्नैचिंग के एक मामले को सफलतापूर्वक सुलझाते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर 35,000 बरामद किए हैं। दुकानदार रमेश कुमार की लिखित शिकायत पर कार्रवाई करते हुए आईसीपीपी जीएमसी जम्मू पीएसआई तनविंदर सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने एसएचओ बख्शी नगर इंस्पेक्टर अरुण शर्मा के मार्गदर्शन में मामले को सुलझाने के लिए मानव और तकनीकी बुद्धि का इस्तेमाल किया। आरोपियों को बिश्नाह जम्मू से अंकुश कुमार और अनंतनाग से सिबघाट उल्लाह को हिरासत में ले लिया गया है और बरामद राशि महत्वपूर्ण सबूत के रूप में काम करती है।

बख्शी नगर पुलिस की त्वरित कार्रवाई आगे की जांच जारी रखते हुए एक सुरक्षित जम्मू सुनिश्चित करने की उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

पुलिस स्टेशन जानीपुर में थाना दिवस किया आयोजित

जम्मू, 27 नवंबर (हि.स.)। शिकायतकर्ताओं का मौके पर ही समाधान करने की एक सफल पहल में जानीपुर पुलिस स्टेशन ने आज थाना दिवस का सफलतापूर्वक आयोजन किया जिससे शिकायतकर्ताओं को अपनी शिकायतें पेश करने और उनकी समस्याओं का मौके पर ही समाधान करने के लिए एक मंच प्रदान किया गया। एसपी सिटी जम्मू विवेक शेखर ने व्यक्तिगत रूप से उठाए गए मुद्दों को सुना और त्वरित समाधान के लिए निर्देश जारी किए। एस.डी.पी.ओ पश्चिम सतीश भारद्वाज भी कार्यक्रम में शामिल हुए और उन्होंने शिकायत निपटान प्रक्रिया की निगरानी की और वाहन पार्किंग तथा किरायेदार सत्यापन पर जागरूकता बढ़ाई। इस कार्यक्रम में सक्रिय जनभागीदारी देखी गई और यह शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। शिकायतकर्ताओं ने अधिकारियों के संवेदनशील दृष्टिकोण के लिए आभार व्यक्त किया और सार्वजनिक मुद्दों की सीधी पहुंच और समय पर समाधान के लिए नियमित रूप से ऐसे कार्यक्रमों का अनुरोध किया। जानीपुर पुलिस की पहल सामुदायिक भागीदारी और सार्वजनिक चिंताओं को संबोधित करने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

विश्वविद्यालयों में पर्याप्त वित्त, बुनियादी ढांचा और शैक्षणिक स्वतंत्रता की आवश्यकता

जम्मू, 27 नवंबर (हि.स.)। सीपीआई(एम) के वरिष्ठ नेता और कुलगाम विधायक मोहम्मद यूसुफ तारिगामी ने आज श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय से जुड़े उठ रहे मुद्दों पर चिंता व्यक्त की और जम्मू-कश्मीर में उच्च शिक्षा क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए सतत सरकारी ध्यान देने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय वर्षों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और शोध के लिए मान्यता प्राप्त कर चुका है और छात्रों, फैकल्टी या स्टाफ द्वारा उठाए गए किसी भी मुद्दे को गंभीरता और पारदर्शिता के साथ हल किया जाना चाहिए। तारिगामी ने यह भी कहा कि सरकार को सुनिश्चित करना चाहिए कि श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय जैसी संस्थाओं को पर्याप्त वित्तपोषण, बुनियादी ढांचा, फैकल्टी स्टाफ और शैक्षणिक स्वतंत्रता मिले ताकि वे उत्कृष्टता केंद्र के रूप में सेवा जारी रख सकें। उन्होंने कहा कि छात्रों को स्थिर और प्रगतिशील शिक्षण वातावरण मिलना चाहिए और छात्रावास, शैक्षणिक संसाधन या प्रशासनिक देरी से जुड़े मुद्दों का समय पर समाधान किया जाना चाहिए। तारिगामी ने उच्च शिक्षा विभाग और विश्वविद्यालय प्रशासन से सभी हितधारकों के साथ संवाद करने और स्थिति की व्यापक समीक्षा करने का आह्वान किया।

स्वर्गीय श्री गिरधारी लाल डोगरा की 38वीं पुण्यतिथि पर किया याद

कठुआ, 27 नवंबर (हि.स.)। सरकारी जीएलडीएम डिग्री कॉलेज हीरानगर ने एक सम्मानित राजनेता, दूरदर्शी नेता और जम्मू-कश्मीर के पूर्व वित्त मंत्री स्वर्गीय श्री गिरधारी लाल डोगरा जी की 38वीं पुण्यतिथि समारोहपूर्वक मनाई।

यह कार्यक्रम प्राचार्य, संकाय सदस्यों, गैर-शिक्षण कर्मचारियों और कॉलेज के छात्रों की उपस्थिति में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत स्वर्गीय श्री डोगरा जी को पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ हुई, जिसमें जनसेवा, वित्तीय सुधारों और क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास में उनके योगदान को स्वीकार किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए प्राचार्य डॉ. प्रज्ञा खन्ना ने डोगरा जी के अनुकरणीय समर्पण, सादगी और आम जनता के कल्याण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। उन्होंने छात्रों को डोगरा जी के जीवन से प्रेरणा लेने और ईमानदारी, अनुशासन और जनसेवा के मूल्यों को बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया। संकाय सदस्यों ने भी उनकी विरासत पर अपने विचार साझा किए और उन्हें एक जनता के नेता के रूप में याद किया, जिनकी दूरदर्शिता पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और भाषणों और विचारों के माध्यम से उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। स्मारक कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसमें इस आयोजन को सार्थक और चिंतनशील बनाने के लिए सभी गणमान्य व्यक्तियों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया गया।

जिला साइबर पुलिस स्टेशन कठुआ ने ऑनलाइन धोखाधड़ी के 10 लाख रुपये बरामद किए

कठुआ, 27 नवंबर (हि.स.)। एसएसपी कठुआ मोहिता शर्मा के नेतृत्व में जिला साइबर पुलिस स्टेशन कठुआ ने एक बार फिर दस लाख की ऑनलाइन धोखाधड़ी की राशि बरामद करके साइबर अपराध से निपटने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का परिचय दिया है।जनकारी के अनुसार बीते 18 नवंबर 2025 को एनसीसीआर पोर्टल के माध्यम से साइबर पुलिस स्टेशन कठुआ को एक ऑनलाइन शिकायत प्राप्त हुई थी जिसमें शिकायतकर्ता हरप्रीत कौर निवासी कृष्णा कॉलोनी जिला कठुआ ने दस लाख की ऑनलाइन धोखाधड़ी की सूचना दी थी। जिसमें बताया कि उसने इंस्टाग्राम पर एक कार का विज्ञापन देखा और विक्रेता से संपर्क किया। धोखेबाज ने कार बेचने की जल्दी में होने का दावा करते हुए, परिवहन शुल्क या डाउन पेमेंट के लिए अग्रिम भुगतान माँगा। इस पर पीड़ित ने घोटालेबाज को पैसे भेज दिए। बाद में घोटालेबाज से संपर्क नहीं हो पाया और पीड़ित को पता चला कि उसके साथ धोखाधड़ी हुई है। जब शिकायतकर्ता को पता चला कि उसके साथ धोखाधड़ी हुई है, तो उसने एनसीसीआर पोर्टल के माध्यम से साइबर पुलिस स्टेशन कठुआ में शिकायत दर्ज कराई। जाँच के दौरान साइबर पुलिस स्टेशन कठुआ की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए धोखाधड़ी करने वाले के खाते को तुरंत फ्रीज कर दिया, जिसमें धोखाधड़ी की गई राशि ट्रांसफर की गई थी। जिसके बाद धोखाधड़ी की गई राशि बरामद कर ली गई है और पीड़ित के खाते में वापस जमा कर दी गई है, जबकि आगे की जाँच जारी है। गौरतलब है कि स्थापना तिथि से अब तक साइबर पुलिस स्टेशन कठुआ ने एक करोड़ अट्ठाईस लाख अस्सी हजार आठ सौ पचास रुपये की धोखाधड़ी की गई राशि सफलतापूर्वक वसूल की है। वहीं जिला पुलिस कठुआ एक बार फिर आम जनता से अपील करती है कि वे अतिरिक्त सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध कॉल या ऑनलाइन ठगी की सूचना मिलने पर तुरंत साइबर पुलिस स्टेशन कठुआ या राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर 1930 पर रिपोर्ट करें।

किसानों के लिए 15 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न, मिशन युवा जागरूकता सत्र आयोजित

कठुआ, 27 नवंबर (हि.स.)। स्कुअस्ट जम्मू के प्रशासनिक नियंत्रण में कृषि विज्ञान केंद्र कठुआ ने आज अपने परिसर में किसान खिदमत घरों के कृषि उद्यमियों और लाइसेंस प्राप्त इनपुट डीलरों के लिए एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन पर 15 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन किया।

डीसी कठुआ राजेश शर्मा ने समापन समारोह में भाग लिया और जमीनी स्तर पर वैज्ञानिक और टिकाऊ कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से क्षमता निर्माण पहलों के आयोजन के लिए केवीके कठुआ की सराहना की। अपने संबोधन में उपायुक्त ने कहा कि कृषि धीरे-धीरे एक उद्यम-संचालित क्षेत्र में परिवर्तित हो रही है जहाँ वैज्ञानिक निर्णय लेना, लागत अनुकूलन और बाजार जागरूकता किसानों की आय बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने उर्वरक व्यय को कम करने और मृदा उत्पादकता में सुधार करने में एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने केकेजी सदस्यों से आग्रह किया कि वे एचएडीपी के अंतर्गत प्रभावी ग्राम-स्तरीय विस्तार केंद्र के रूप में कार्य करें और किसानों को समय पर और जिम्मेदार सलाहकार सेवाएँ प्रदान करना सुनिश्चित करें। उपायुक्त के निर्देश पर प्रशिक्षण के दौरान एक मिशन युवा जागरूकता सत्र भी आयोजित किया गया। इससे पहले मुख्य वैज्ञानिक एवं प्रमुख केवीके कठुआ डॉ. विशाल महाजन ने कार्यक्रम का अवलोकन प्रस्तुत किया और बताया कि प्रशिक्षुओं को विशेषज्ञ व्याख्यान, प्रयोगशाला सत्र, प्रक्षेत्र प्रदर्शन और संतुलित पोषक तत्व अनुप्रयोग, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन और एकीकृत पोषक तत्व प्रथाओं को अपनाने पर केंद्रित व्यावहारिक अभ्यासों से अवगत कराया गया। प्रशिक्षण में मृदा नमूनाकरण और मृदा स्वास्थ्य कार्ड व्याख्या, जैविक और जैव-उर्वरक, हरी खाद, सूक्ष्म पोषक तत्व प्रबंधन, हाइड्रोपोनिक्स, जलवायु-अनुकूल पोषक तत्व नियोजन और लागत प्रभावी पोषक तत्व प्रबंधन रणनीतियों पर प्रदर्शन शामिल थे।

Azadi Ka Amrit Mahotsav

G20 भारत 2023 INDIA

UNION TERRITORY OF JAMMU & KASHMIR
OFFICE THE EXECUTIVE ENGINEER PWD (R&B) DIVISION R.S.PURA

SHORT NOTICE INVITING TENDER

Short e-NIT No. DRSP/81of 2025-26 Dated22-11-2025

For and on behalf of theLieutenant Governor, Union Territory of Jammu and Kashmire-tenders are invited on percentage basis from approved and eligible Contractors registered with Union Territory of J&K, CPWD, Railways, MES and other State/Central Governments for each of the following works :-

S. No	Name of Work	Name of Division	Advertised Cost (Rs. in lacs)	Cost of document (in Rs.)	Earnest Money (in Rs.)	Time Allowed for completeon	Time and date of opening of tender	Class of Contractor
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	Repair and Renovation of existing 05 classroom in Govt. Boys higher secondary school R.S.Pura (Under CDF for the year 2025-26).	PWD (R&B) Division R.S. Pura	12.50	600	2% of the Advertised Cost	03 Months	(1300 Hrs) on or after 02-12-2025	"A", "B" , "C" &"D" Class

Position of AAA :- Accorded by the District Development Commissioner, Jammu's Order No: 292-DDCJof 2025 Dated: 29/10/2025.
Position of TS :- Accorded by the Executive Engineer PWD(R&B) Division, R.S.Pura's Order No: 51 of November 2025 Dated: 18 of November 2025.
Project Authority :- District Development Commissioner, Jammu
Major Head of Account:- UnderCDF for the year 2025-26

The Bidding documents Consisting of qualifying information, eligibility criteria, specifications, Drawings, bill of quantities (B.O.Q), Set of terms and conditions of contract and other details can be seen/downloaded from the departmental website http://jktenders.gov.inas per below schedule

1	Date of Issue of Tender Notice	22-11-2025
2	Period of downloading of bidding documents	From 22-11-2025 to 01-12-2025
3	Date,Time and place of pre-bid meeting	24-11-2025 at 1300 Hrs. in the Office of Executive Engineer PWD (R&B) Division R.S. Pura
4	Bid submission Start Date	22-11-2025
5	Bid Submission End Date	01-12-2025upto 1600 Hrs
6	Date & time of opening of Technical Bids (Online)	02-12-2025 on or after 1300 Hrs in the Office of Executive Engineer PWD (R&B) Division R.S. Pura
7	Date & time of opening of Financial Bids(Online)	To be notified after technical bid evaluation is completed

1. Bids must be accompanied with cost of Tender document in shape of Treasury Receipt/e-challan in favour of Executive Engineer PWD(R&B) Division R S Pura through Treasury, indicating Treasury Voucher No. & date, e-NIT No. and name of work duly crediting to 0059 (Revenue) and Earnest money/Bid security in shape of CDR/FDR/BG pledged to Office of Executive Engineer PWD (R&B) Division R.S. Pura. The CDR/FDR/BG shall be valid for 45 Days beyond the bid validity period. The original instruments in respect of cost of documents, EMD and relevant documents of L1 be submitted to the Office of Executive Engineer PWD (R&B) Division R.S. Pura at the time of allotment.
2. The date of Treasury Challan, Earnest Money/Bid Security must be between the date of start of bid and Bid Submission End Date. However, if the tender for the same work has been re-invited after 1st or More calls, the bidders who have already bidded for that work can re-use the same Treasury Challan/Earnest Money/Bid Security in the successive calls for the said work.
3.Theelectronicbiddingsystemwouldnotallowanylatesubmissionofbidsafter due date and time as per servertime.Bidders may modify their bids by uploading their request for modification before the deadline for submission of bids. For this, the biddersneeds not tomake any additional payment towards the cost of tender documents. For bid modification and consequential re-submission, the bidder is not required to withdraw his bid submitted earlier. The last modified bid submitted by the bidder within the bid submission time shall be considered as the bid. For this purpose, modification/withdrawal by other means will not be accepted. In online system of bid submission, the modification and consequential- submission of bids is allowed any number of times. The bidders may withdraw his bid by uploading their request before the deadline for submission of bids; however, if the bid is withdrawn, the re-submission of the bid is not allowed.No bid shall be modified or withdrawn after the deadline of submission of bids.
4. The date and time of opening of Financial-Bids shall be notified on Web Site www.jktenders.gov.inand conveyed to the bidders automatically through an e-mail message on their e-mail address. The Financial-bids of responsive bidders shall be opened online in the Office of Executive Engineer PWD (R&B) Division R.S. Pura. The date for same shall be intimated separately.
5. The bids for the work shall remain valid for a period of 120 days from the date of opening of Technical bids.

No :- Dated :-

:DIP/J-8385/25
Dtd:27-11-2025

Sd/-
Executive Engineer
PWD (R&B) Division
R.S. Pura

आबकारी रेंज कठुआ का अवैध शराब के विरुद्ध अभियान जारी, 1100 किलोग्राम लाहन नष्ट की

कठुआ, 27 नवंबर (हि.स.)। अवैध शराब के विरुद्ध अभियान को जारी रखते हुए आबकारी रेंज कठुआ ने डीसी कठुआ राजेश शर्मा के निर्देशानुसार ईटीओ कठुआ मुदस्सिर नजीर की देखरेख में अधिकारियों ने कुल्लिया-बडाला क्षेत्र में छापेमारी कर लगभग 1100 किलोग्राम लाहन को नष्ट किया।

जानकारी के अनुसार आबकारी रेंज कठुआ ने कुल्लिया-बडाला के आसपास के इलाकों में छापेमारी की और लगभग 1100 किलोग्राम लाहन को मौके पर ही नष्ट कर दिया। अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के निरंतर प्रयासों के तहत, दूसरे दिन भी उन्हीं स्थानों पर छापे मारे गए और पर्चे बांटकर जागरूकता अभियान चलाया गया। हॉटस्पॉट्स पर अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी वाले बैनर और पोस्टर लगाए गए। उपस्थित स्थानीय लोगों को अवैध शराब के निर्माण और कब्जे के दंडात्मक और स्वास्थ्य संबंधी परिणामों के बारे में सलाह और चेतावनी दी गई। जिसमें आबकारी अधिनियम के तहत आगे की कानूनी कार्रवाई, जिसमें जुर्माना और 7 साल तक की कैद हो सकती है, की चेतावनी दी गई। इसके अलावा आबकारी विभाग जम्मू-कश्मीर अवैध शराब पर अंकुश लगाने के अलावा, जागरूकता रैलियों, खेल आयोजनों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और साप्ताहिक पर्चे वितरण जैसे जन संपर्क कार्यक्रमों के माध्यम से अवैध शराब और नशीले पदार्थों के खिलाफ जागरूकता अभियान भी सक्रिय रूप से चलाता है।

संपादकीय

स्मार्ट मीटर, कोई बहाना नहीं

संबंधित अधिकारियों ने कथित तौर पर कन्फर्म किया है कि रिवैम्प्ड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम के तहत स्मार्ट बिजली मीटर लगाने में 40 परसेंट प्रोग्रेस हो गई है, और पूरे केंद्र शासित प्रदेश में 3.81 लाख से ज़्यादा डिवाइस लगाए गए हैं। सरकार, जो पहले J&K में बिना शेड्यूल के बिजली कटौती और लोड शेडिंग के लिए बिल न भरने और बिजली चोरी को दोषी ठहराती थी, उसके पास अब इस इलाके में बिजली कटौती की स्थिति को छिपाने का कोई बहाना नहीं बचा है। सरकार में बैठे लोग, खासकर वे जो पहले कहते थे कि मीटर वाले इलाकों में बिजली कटौती नहीं होगी, उन्हें अब कमर कसनी होगी क्योंकि J&K के कई इलाकों में अब न केवल मीटर लगे हैं, बल्कि बिजली के खर्च को मापने के लिए लगाए गए डिवाइस भी स्मार्ट हैं, जिससे बिजली चोरी या बिजली के इस्तेमाल के मामले में किसी भी तरह की धोखाधड़ी की कोई गुंजाइश नहीं बचती।

यह बताना ज़रूरी है कि प्रोजेक्ट का पहला फेज़ नवंबर 2020 में शुरू हुआ था, जिसका शुरुआती टारगेट जम्मू और श्रीनगर शहरों के चुने हुए इलाकों में 20,000 मीटर लगाना था, और यह आखिरकार 2022 में 1.5 लाख स्मार्ट मीटर लगाकर पूरा हुआ। दूसरा और तीसरा फेज़ जो 2024 में शुरू हुआ था, जिसका कुल टारगेट 2026 तक 9.50 लाख से ज़्यादा स्मार्ट मीटर लगाना है, अभी लागू हो रहा है।

जैसा कि बताया गया है कि एग्रीगेट टेक्निकल और कमर्शियल लॉस पहले ही 2022 में 58 परसेंट से घटकर लगभग 32 परसेंट हो गया है, और इसे 2028 तक 12 परसेंट तक लाने का टारगेट है, लोगों को बिजली देने के लिए ज़िम्मेदार संबंधित विभागों के पास बड़े पैमाने पर बिजली कटौती का कोई बहाना नहीं बचा है, वह भी लोगों को पहले से बताए बिना।

इसके अलावा, टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल से J&K का पावर लैंडस्केप लगातार बदल रहा है, इसलिए एडमिनिस्ट्रेशन को अब अपना फोकस ग्रिड कैपेसिटी को मजबूत करने, मेंटेनेंस प्लानिंग में सुधार करने और आउटेज मैनेजमेंट में ट्रांसपेरेंसी बढ़ाने पर करना चाहिए। नागरिक, सही मीटरिंग और समय पर पेमेंट करके अपनी ज़िम्मेदारी पूरी करने के बाद, एक मॉडर्न, भरोसेमंद और प्रोफेशनली मैनेज्ड पावर सप्लाई सिस्टम के हकदार हैं।

इसलिए यह ज़रूरी है कि पावर सेक्टर से जुड़े लोग यह पक्का करें कि जिस किसी के घर या बिज़नेस की जगह पर स्मार्ट मीटर लगा हो, उसे बिना प्लान के लोड शेडिंग की दिक्कत का सामना न करना पड़े। JPDCL और KPDCL को मुंबई का उदाहरण लेना चाहिए, जिसने दशकों पहले बिना रुकावट पावर सप्लाई का टारगेट हासिल कर लिया था।

स्मार्ट मीटर के आने से, बिल न भरने का बहाना पूरी तरह खत्म हो गया है क्योंकि बिल न भरने वाले कनेक्शन अपने आप कट जाते हैं, जिससे रेवेन्यू लॉस की कोई गुंजाइश नहीं बचती। अब आसान तरीका अपनाना होगा यानी बिजली खरीदें और लोगों को बिना किसी रुकावट के दें क्योंकि रेवेन्यू कलेक्शन अब कोई समस्या नहीं है, खासकर J&K में प्री-पेड सिस्टम शुरू होने के बाद।

भारत-कनाडा के रिश्तों में नई गर्माहट बड़े बदलाव का संकेत

नरेंद्र मोदी और मार्क कार्नी की जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान हुई मुलाकात इस बदलाव का एक महत्वपूर्ण पड़ाव साबित हुई। यह मुलाकात भले ही मुख्य सत्रों के इतर हुई, लेकिन उसका संदेश अत्यंत गहरा और दूरगामी था। यहां दोनों नेताओं ने व्यापार, निवेश और टेक्नोलॉजी इनोवेशन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की।

भारत और कनाडा के रिश्तों पर पड़ी बर्फ धीरे-धीरे पिघल रही है और दोनों देशों के बीच एक नए विश्वास, सहयोग और साझेदारी का वातावरण आकार ले रहा है। वैश्विक राजनीति के बदलते स्वरूप, व्यापारिक हितों और तकनीकी साझेदारियों की बढ़ती जरूरतों ने दोनों देशों को पुनः संवाद और सहयोग की राह पर लौटने के लिए प्रेरित किया है। जून से शुरू हुआ यह सकारात्मक बदलाव अब व्यापक रूप में दिखाई देने लगा है, जिसका संकेत हाल ही में की गई द्विपक्षीय बैठकों, उच्चस्तरीय संपर्कों और आर्थिक सहयोग की घोषणाओं में स्पष्ट रूप से परिलक्षित होता है। भारत के केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल द्वारा 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 50 अरब डॉलर तक ले जाने के लक्ष्य एवं कनाड़ा द्वारा अब नागरिकता के बंद दरवाजे खोलने की घोषणा इस परिवर्तन की गहराई और व्यापकता को रेखांकित करती है। यह लक्ष्य केवल व्यापार बढ़ाने का संकल्प मात्र नहीं है बल्कि यह उस नये दौर की प्रतीकात्मक दस्तक है जिसकी ओर दोनों देश बढ़ रहे हैं और इससे दोनों देशों को फायदा होगा।पिछले कुछ समय में भारत और कनाडा के रिश्तों में जिस तरह तनाव और अविश्वास ने जगह बनाई थी, वह दोनों देशों के लंबे ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और जन-आधारित संबंधों के विपरीत था। खालिस्तान मुद्दे पर कनाडा में बढ़ती गतिविधियों, राजनीतिक आरोपों-प्रत्यारोपों और न्यायिक प्रक्रियाओं ने दोनों देशों के रिश्तों में गहरी खटास पैदा की थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पूर्व कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के बीच दूरी सार्वजनिक रूप से दिखाई देती थी और कूटनीतिक संवाद लगभग ठहर-सा गया था। जस्टिन ट्रूडो ने राजनीतिक दबाव एवं स्वार्थ के चलते भारत से ऐतिहासिक संबंधों को धुंधलाया, जिसका खामियाजा उन्होंने भुगता भी है। लेकिन अब नई सरकार के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने नये जोश, आत्मीयता एवं संवेदनाओं के साथ भारत से दोस्ती का हाथ बढ़ाया है। बदलती वैश्विक परिस्थितियों, व्यापारिक अवसरों के विस्तार और नई आर्थिक-रणनीतिक जरूरतों ने दोनों पक्षों को यह अहसास कराया कि रिश्तों का ठहराव किसी भी तरह से फायदेमंद नहीं है। इसी समझ ने दोनों देशों को संवाद के नये पुल बनाने और पुराने अवरोधों को पीछे छोड़ने की दिशा में आगे बढ़ाया।

नरेंद्र मोदी और मार्क कार्नी की जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान हुई मुलाकात इस बदलाव का एक महत्वपूर्ण पड़ाव साबित हुई। यह मुलाकात भले ही मुख्य सत्रों के इतर हुई, लेकिन उसका संदेश अत्यंत गहरा और दूरगामी था। यहां दोनों नेताओं ने व्यापार, निवेश और टेक्नोलॉजी इनोवेशन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की। भारत और कनाड़ा के पास डिफेंस, स्पेस, क्रिटिकल मिनरल्स, एनर्जी और एजुकेशन समस्त कई क्षेत्रों में सहयोग एवं सहमति बढ़ाने के मौके हैं। यह सहमति केवल औपचारिकता नहीं बल्कि रिश्तों को एक नए मोड़ पर लाने का संकेत थी। कनाडा एक उभरती हुई टेक्नोलॉजी शक्ति है और भारत विश्व की सबसे बड़ी तकनीकी प्रतिभा का केंद्र बन चुका है। ऐसे में दोनों देशों के बीच टेक्नोलॉजी, इनोवेशन, स्टार्टअप्स, ऊर्जा और शिक्षा के क्षेत्र में अपार संभावनाएँ हैं जिनकी दिशा अब खोली जा रही है। वैसे भी भारत के स्टूडेंट्स के लिये अब भी कनाड़ा सबसे पसंदीदा जगहों में एक हैं। कनाडा अपने नागरिकता कानून में भी बदलाव करने जा रहा है, उससे भी भारतीयों को फायदा होने की व्यापक संभावनाएं है।पीयूष गोयल के वक्तव्य में दिखती आर्थिक साझेदारी की दृष्टि इस बात का परिचायक है कि भारत और कनाडा अब केवल राजनीतिक संवाद से आगे बढ़कर व्यावहारिक सहयोग के नए आधार बना रहे हैं। 50 अरब डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार का लक्ष्य बेहद महत्वाकांक्षी है, लेकिन यह उन आर्थिक संभावनाओं का वास्तविक अनुमान भी है जो दोनों देशों की नीतियों, संसाधनों और क्षमताओं में मौजूद है। भारत कनाडा के लिए एक विशाल बाजार है और कनाडा भारत के लिए एक महत्वपूर्ण ऊर्जा, खनिज, कृषि और तकनीकी साझेदार। इसी परस्पर निर्भरता और जरूरत ने दोनों देशों को फिर से एक-दूसरे की ओर कदम बढ़ाने के लिए प्रेरित किया है। अब जरूरी है कि विभिन्न स्तरों पर बातचीत जारी रखते हुए जल्द समझौते तक पहुंचा जाये।ाल के वर्षों में दुनिया बहुध्रूवीय स्वरूप की ओर बढ़ रही है। अमेरिका, यूरोप, चीन, रूस और पश्चिम एशिया जैसे शक्ति केंद्रों के बीच उभर रही नई अनिश्चितताओं ने मध्यम और उभरती शक्तियों को नए साझेदार तलाशने के लिए विवश किया है। भारत और कनाडा इस वैश्विक संरचना में ऐसे दो देश हैं जिनके पास जनसांख्यिकीय शक्ति, आर्थिक संसाधन, शिक्षा-तकनीक की क्षमता और लोकतांत्रिक मूल्यों का साझा आधार मौजूद है। ऐसे में इन दोनों का साथ आना न केवल द्विपक्षीय संबंधों के लिए आवश्यक है बल्कि एक नई वैश्विक संरचना के निर्माण में भी उपयोगी हो सकता है। यह संरचना सहयोग, नवाचार, जलवायु न्याय, हरित तकनीकों और स्थायी विकास पर आधारित हो सकती है। कनाडा में भारतीय मूल की बड़ी आबादी दोनों देशों के रिश्तों को मानवीय और सामाजिक आधार भी देती है। जब भी रिश्तों में तनाव आया, प्रवासी भारतीय समुदाय उसके बीच पुल की तरह खड़ा दिखाई दिया है। यही समुदाय आर्थिक, शैक्षिक, सांस्कृतिक एवं व्यावसायिक रिश्तों को नई दिशा देने में निर्णायक भूमिका निभा सकता है। यह समुदाय न केवल कनाडा के आर्थिक विकास का हिस्सा है बल्कि भारत-कनाडा संबंधों की गहरी कड़ी भी है। यही कारण है कि दोनों सरकारों ने इस सामाजिक संबंध को और मजबूत करने का प्रयास शुरू किया है जिससे गलतफहमियाँ कम हों, लोगों के बीच भरोसा बढ़े और राजनीतिक विवादों का असर द्विपक्षीय रिश्तों पर सीमित रहे।

वर्तमान दौर में भारत की वैश्विक छवि एक निर्णायक, प्रभावशाली और विश्व-हितैषी शक्ति के रूप में उभर रही है। प्रधानमंत्री मोदी की कूटनीतिक शैली, वैश्विक मंचों पर सक्रियता और विकास-शांति आधारित विदेश नीति ने भारत की स्थिति को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। दूसरी ओर कनाडा भी एक स्थिर लोकतंत्र और बहुसांस्कृतिक देश के रूप में वैश्विक स्तर पर अपनी भूमिका को नए सिरे से परिभाषित कर रहा है। दोनों देशों की यह समान सोच और नई वैश्विक चुनौतियों के प्रति साझा दृष्टिकोण अब आपसी सहयोग के लिए अधिक अनुकूल अवसर पैदा कर रहा है। समीक्षा के इस चरण में यह स्पष्ट है कि भारत-कनाडा संबंधों में आया यह सकारात्मक मोड़ केवल कूटनीतिक औपचारिकता नहीं बल्कि गहरे आर्थिक, सामाजिक और रणनीतिक हितों पर आधारित है। मार्क कार्नी सरकार को भी यह समझ आ रही है कि भारत जैसे मजबूत साझेदार से दूरी कनाडा की आर्थिक और वैश्विक भूमिका के लिए सही नहीं। वहीं भारत भी उन देशों के साथ संबंधों का विस्तार चाहता है जो तकनीक, शिक्षा, कृषि, ऊर्जा और नवाचार के क्षेत्रों में मूल्यवान साझेदारी दे सकते हैं। यही वजह है कि दोनों देश अब नयी समझ विकसित करते हुए एक ऐसे दौर की ओर बढ़ रहे हैं जिसमें संवाद, सहयोग और परस्पर सम्मान केंद्रीय भूमिका निभाएंगे।अंततः यह कहा जा सकता है कि भारत और कनाडा के रिश्तों में शुरू हुई यह नई गर्माहट एक बड़े बदलाव का संकेत है। यह बदलाव न केवल आर्थिक समृद्धि को बढ़ावा देगा बल्कि वैश्विक शांति, नई तकनीक, हरित विकास और सामाजिक सौहार्द की दिशा में भी नई संभावनाएँ खोलेगा। दोनों देश यदि इसी सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ते रहे तो यह केवल द्विपक्षीय संबंधों को नई मजबूती नहीं देगा, बल्कि एक नई विश्व संरचना के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

देश में श्रमिकों की पूजा, मेहनत का फल दूजा

डॉ. मनसुख मांडविया

कई दशकों तक भारत कमजोर आर्थिक विकास, गहरे भ्रष्टाचार और रोजगार सृजन व श्रमिक कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता के अभाव से जूझता रहा। राजनीतिक उद्देश्यों से होने वाले घेराव और बंदी ने बार-बार औद्योगिक गतिविधियों को बाधित किया, निवेश को रोका और व्यवस्था में विश्वास को कम किया। यह दुख की बात है कि पिछली सरकारों ने श्रमिक कल्याण को केवल नारों तक सीमित कर दिया और श्रमिकों के वास्तविक मुद्दों को गंभीरता से लेने में विफल रहीं। इस जड़ता को तोड़ने के लिए देश के नेतृत्व में एक बड़ा बदलाव जरूरी था। लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'श्रमेव जयते' का आह्वान किया और कहा कि भारत की विकास यात्रा के केंद्र में श्रम की गरिमा यानी मजदूरों का सम्मान होना चाहिए। यह केवल एक नारा नहीं था, बल्कि एक नई राष्ट्रीय सोच की शुरुआत थी, जिसमें नीतियां बनाते समय श्रमिकों को केंद्र में रखा गया। ऐसे बदलाव की जरूरत बहुत समय से महसूस की जा रही थी। भारत के ज्यादातर श्रम कानून 1920 से 1950 के बीच बने थे और उनमें औपनिवेशिक सोच की झलक रहती थी। दूसरी ओर, दुनिया में काम करने का तरीका पूरी तरह बदल चुका था। गिग और प्लेटफार्म में अर्थव्यवस्था का बढ़ना, डिजिटल कामकाज, लचीली कार्य संरचनाएं और नए प्रकार के उद्यम तेजी से उभर रहे थे। लेकिन भारत के पुराने श्रम कानून समय के साथ नहीं बदले, और आधुनिक कार्यबल या प्रतिस्पर्धी अर्थव्यवस्था की जरूरतों को पूरा नहीं कर पा रहे थे। एक बार फिर प्रधानमंत्री मोदी ने अपने पंच प्रण के माध्यम से यह संदेश दिया कि हमें औपनिवेशिक मानसिकता छोड़कर भविष्य की जरूरतों के अनुसार आगे बढ़ना चाहिए। पुराने कानून इसलिए नहीं बने रहे क्योंकि वे अच्छे थे, बल्कि इसलिए क्योंकि पिछली सरकारों में उन्हें बदलने का राजनीतिक साहस, इच्छा शक्ति और दूरदृष्टि की कमी थी। बदलती परिस्थितियों और देश की जरूरतों के अनुसार उन्हें आधुनिक बनाने की हिम्मत किसी ने नहीं दिखाई। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत का वैश्विक कद अभूतपूर्व ऊंचाइयों पर पहुंच गया है। दुनिया मानती है कि भारत अब भविष्य को आकार देने में केवल भाग नहीं ले रहा है, बल्कि उसे परिभाषित करने में भी मदद कर रहा है। लेकिन इस ऐतिहासिक क्षण का सही अर्थों में लाभ उठाने और संभावनाओं को दीर्घकालिक समृद्धि में बदलने के लिए, भारत औपनिवेशिक काल के उस श्रम ढांचे से बंधा नहीं रह सकता जो सशक्तिकरण के बजाय नियंत्रण के लिए बनाया गया था। इसलिए, बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन, औपचारिकता का विस्तार और सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक व्यापक बदलाव आवश्यक था। इस राष्ट्रीय आवश्यकता को समझते हुए मोदी सरकार ने स्वतंत्र भारत के सबसे महत्वपूर्ण सुधारों में से एक को लागू किया। पहले के 29 बिखरे हुए श्रम कानूनों को मिलाकर चार सरल और स्पष्ट श्रम संहिताएं बनाई गईं- वेतन संहिता, औद्योगिक संबंध संहिता, सामाजिक सुरक्षा संहिता और व व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्यदशा संहिता। 21 नवंबर 2025 को ये श्रम संहिताएं लागू हो गईं। ये संहिताएं मिलकर एक आधुनिक श्रम ढांचा स्थापित करती हैं जो श्रमिक-समर्थक और विकास-समर्थक दोनों है, और यह दिखाता है कि भारत अब तेजी से बदलती वैश्विक अर्थव्यवस्था की मांगों को पूरा करने के लिए तैयार है। संसद द्वारा 2019 और 2020 में श्रम संहिताओं को पारित किया गया था। कई राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों, श्रमिक संघों और उद्योग निकायों ने उनके प्रगतिशील इरादे का स्वागत किया है। उनकी खूबियों को पहचानते हुए सभी राजनीतिक दलों के राज्यों ने संहिताओं के अनुसार से अपने श्रम कानूनों में बदलाव किए। उदाहरण के लिए, जिन राज्यों ने महिलाओं को उनकी सहमति और पर्याप्त सुरक्षा उपायों के साथ रात में काम करने की अनुमति दी है, वहां कुल महिला रोजगार में 13 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। सभी क्षेत्रों के स्टेकहोल्डर्स ने एक पुरानी हो चुकी श्रम प्रणाली से आगे बढ़ने की आवश्यकता को पहचाना है। उनके योगदान ने एक संतुलित ढांचा तैयार करने में मदद की है जो श्रमिकों की सुरक्षा करता है और साथ ही अर्थव्यवस्था को विकसित होने में भी सक्षम बनाता है। श्रमिकों और इंडस्ट्री लीडर्स के साथ मेरी बातचीत में जो बात हमेशा सामने आई है वह कार्यस्थल पर स्पष्टता, निष्पक्षता और सम्मान की आवश्यकता पर बल देती है। इसी मार्गदर्शक सिद्धांत ने हमारे सुधारों को आकार दिया है, जिसने एक जटिल और बिखरे हुए सिस्टम को एक ऐसे सिस्टम से बदल दिया है जो सरल, पारदर्शी और हर श्रमिक की सुरक्षा करने वाला है। श्रम संहिताएं अपने मूलभाव और अक्षरशः रूप में नियोक्ताओं की अपेक्षाओं को संतुलित करते हुए श्रमिकों के हितों को प्राथमिकता देती हैं। वे निवारक स्वास्थ्य देखभाल को बढ़ावा देती हैं और सामाजिक सुरक्षा का विस्तार करती हैं। ये संहिताएं ऑडियो-विजुअल श्रमिकों और गिग तथा प्लेटफॉर्म श्रमिकों को औपचारिक मान्यता प्रदान करती हैं। ये अखिल भारतीय ईएसआईसी कवरेज को सक्षम बनाती हैं, 40 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी श्रमिकों के लिए वार्षिक स्वास्थ्य जांच अनिवार्य करती हैं, जिनमें पहले बाहर रखे गए बागान श्रमिक भी शामिल हैं। साथ ही ये राज्यों में असमानताओं को कम करने के लिए सभी श्रमिकों के लिए वैधानिक न्यूनतम वेतन की गारंटी देती हैं। अनिवार्य नियुक्ति पत्र, पक्की पे स्लिप और सवेतन वार्षिक अवकाश जैसे प्रावधान हर श्रमिक को अधिक स्थिरता, सम्मान और सुरक्षा प्रदान करते हैं।

(लेखक, केंद्र सरकार में मंत्री हैं। यह आलेख पीआईबी के ब्लाग से लिया गया है।)

भक्ति-मार्ग के 272 पथिकों की प्रतिमाओं का अनावरण

संसदीय समितियों में विचार और परीक्षण के लिए भेजे जाने वाले विधेयकों की सुस्थापित परंपरा पिछले लगभग एक दशक में शनैः शनैः खत्म कर दी गई है। दिसंबर, 2023 में संसद के दोनों सदनों के 125 से ज्यादा विपक्षी सदस्यों को निलंबित मुख्य चुनाव आयुक्त को कानूनी कार्रवाई से मुक्त करने वाला घोर अनैतिक और असंवैधानिक विधेयक पारित कराया गया तब भी इन 272 में से किसी एक ने नहीं कहा कि लोकतंत्र खतरे में है।ह तो नहीं कहा जा सकता कि भारत का चुनाव आयोग पहले पूरी तरह दूध का धुला हुआ था। उसकी कार्यशैली पर सवाल पहले भी उठते रहे हैं। उनमें कभी किसी सवाल का समाधान हुआ, तो कभी नहीं भी हुआ। लेकिन पिछले सात-आठ वर्षों से तो चुनाव आयोग पूरी तरह केंद्र में सत्तारूढ़ पार्टी का रसोईघर बना हुआ है, जहां वही पकता है जो केंद्र सरकार का शीर्ष नेतृत्व और उसकी पार्टी चाहती है। हाल ही में हुए बिहार विधानसभा के चुनाव में तो चुनाव आयोग ने जिस तरह का रवैया अपनाया उससे स्पष्ट हो गया है कि अब देश में चुनाव प्रक्रिया सिर्फ खानापूर्ति के लिए यानी दुनिया को यह बताने के लिए ही होगी कि भारत में लोकतंत्र है।बिहार के चुनाव में निर्वाचन आयोग ने बेखौफ होकर वह सब कुछ किया जो उसे कतई नहीं करना चाहिए था और वह सब कुछ होने दिया जो होने से उसे हर हालत में रोकना चाहिए था। चुनाव आयोग के इस कदर बेखौफ होने की वजह यह है कि उसे सरकार का और एक तरह से न्यायपालिका का भी संरक्षण प्राप्त है। चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति का अधिकार तो सरकार ने कानून बनाकर पहले ही अपने हाथ में ले लिया है; और बाद में कानून बनाकर ही उसने चुनाव आयोग को भी पूरी तरह बेलगाम कर दिया है। यानी चुनाव आयोग के किसी फैसले को न्यायपालिका में चुनौती नहीं दी जा सकती।यही नहीं, यह कानून भी बना दिया गया है कि किसी मुख्य चुनाव आयुक्त या आयुक्त के खिलाफ उसकी सेवानिवृत्ति के बाद भी उस पर कोई मुकदमा नहीं चलाया जा सकता। यही वजह है कि चुनाव आयोग से उसके किसी भी फैसले को लेकर सवाल किया जाता है तो अव्वल तो वह जवाब नहीं देता; और देता भी है तो बिल्कुल सत्तारूढ़ दल के मुंहजोर प्रवक्ता के अंदाज में। चुनाव आयोग और सत्तारूढ़ दल की सांठ-गांठ इस बात से भी जाहिर होती है कि जब भी चुनाव आयोग पर कोई सवाल उठता है तो सत्ताधारी पार्टी के नेता उसके प्रवक्ता बनकर उसका बचाव करने मैदान में उतर जाते हैं। यही काम खुद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी करने में कोई संकोच नहीं करते हैं।इस बार बिहार विधानसभा के चुनावी नतीजे आने के बाद निर्वाचन आयोग के विवादास्पद और संदेहास्पद कामों को जायज ठहराने के लिए सरकार की ओर से सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के पूर्व जजों, पूर्व नौकरशाहों, पूर्व राजदूतों और पूर्व सैन्य अधिकारियों को बुद्धिजीवियों के रूप में पेश कर मैदान में उतारा गया है। देश के इन सरकार-प्रेरित बुद्धिजीवियों को अचानक अहसास हुआ कि देश का लोकतंत्र खतरे में हैं। इस सिलसिले में उन्होंने देश की संसद, न्यायपालिका, कार्यपालिका, सेना और खासकर चुनाव आयोग की निष्पक्षता व विश्वसनीयता में अपना भरोसा जताते हुए एक खुला खत लिखकर लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी और अन्य विपक्षी नेताओं पर लोकतंत्र को कमजोर करने का आरोप लगाया है। इन महानुभावों ने अपने खत में कहा है कि विपक्ष के नेता चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था पर जहरीली भाषा में निराधार आरोप लगाकर उसे बदनाम कर रहे हैं, संसद की संविधान सम्मत कार्यवाही पर उंगली उठा रहे हैं, न्यायपालिका की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े कर रहे हैं और सेना के शौर्य तथा उपलब्धियों पर संदेहों को हवा देकर अपनी राजनीति चमकाने की कोशिश कर रहे हैं।सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्टों के 16 पूर्व जजों, भारतीय प्रशासनिक व पुलिस सेवा और विदेश सेवा से जुड़े रहे 123 नौकरशाहों और सैन्यबलों के 133 पूर्व अफसरों यानी कुल 272 लोगों के हस्ताक्षरों से जारी इस खुले पत्र में कहा गया है कि विपक्षी नेताओं का यह गैर जिम्मेदाराना रवैया चुनावों में उन्हें लगातार मिल रही शिकस्त से उपजी हताशा-निराशा का नतीजा है। इसलिए समूचे नागरिक समाज का कर्तव्य है कि वह पूरी दृढ़ता के साथ निर्वाचन आयोग के साथ खड़ा रहे। इस पत्र में चुनाव आयोग से कहा गया है कि वह जिस राह पर चल रहा है, उसमें कुछ भी गलत नहीं है, इसलिए वह उस राह पर अबाध गति से आगे बढ़ता रहे।इस बारे में आगे बात करने से पहले यह बताना जरूरी है कि इन 272 महानुभावों में कुछेक को छोड़कर लगभग सभी किसी न किसी स्तर औपचारिक रूप से भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े हैं। इनमें से किसका अतीत कितना साफ-सुथरा रहा है, किसने अपने पद पर रहते हुए कितनी ईमानदारी से अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया है, यह अभी तक बहुत कम लोगों को मालूम था, लेकिन विपक्षी नेताओं के नाम इनका खुला पत्र जारी होने के बाद इन सभी की प्रामाणिक और दिलचस्प जन्मकुंडलियां सार्वजनिक हो चुकी हैं, जिनसे

जाहिर होता है कि ये लोग अपने रिटायरमेंट के बाद भाजपा और आरएसएस से क्यों जुड़े हैं। सोशल मीडिया में सप्रमाण तैर रही इनकी जन्मकुंडलियां बता रही हैं कि इनमें से ज्यादातर के खिलाफ भ्रष्टाचार के गंभीर मामले हैं, जिनकी जांच ठंडे बस्ते में दबा दी गई हैं और कई लोग सेवानिवृत्ति के बाद किसी न किसी रूप में सरकार की कृ पादृष्टि के लाभार्थी बने हुए हैं।फिर भी देश को सरकार और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का आभारी होना चाहिए कि उनकी वजह से एक साथ इतनी %प्रतिमाओं% का अनावरण हुआ, लोग उनके चेहरे देख सके और औपचारिक रूप से यह जान सके कि हमारी न्यायपालिका, प्रशासन, पुलिस और सैन्यबलों में कैसे-कैसे दुर्दांत भ्रष्ट लोग बैठे हुए थे। इन लोगों के सत्तारूढ़ दल की वॉशिंग मशीन में प्रवेश करने की वजह भी देश अब समझ रहा है।

चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त के गंदे कामों की पैरवी करने मैदान में उतरे इन लोगों की प्रबुद्धता और देश के प्रति जिम्मेदारी के एहसास का अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि पिछले एक दशक में इन लोगों की रातों की नींद उस किसान आंदोलन के वक्त हराम नहीं हुई थी, जिसमें 500 से ज्यादा किसान मारे गए थे। नोटबंदी के समय बैंकों की कतार मे खड़े-खड़े भूखे-प्यासे मर गए लोगों को देखकर भी इन मगरूर महानुभावों की संवेदना नहीं जागी थी। कोरोना महामारी के दौर में अपने मां-बाप या छोटे बच्चों को पीठ पर लादे पैदल चलकर हज़ारों मील दूर अपने गांव पहुंचे बेबस लोगों के काफ़िले भी इन मगरूर महानुभावों को द्रवित नहीं कर पाए थे। दो साल पहले मणिपुर में हिंसा की लपटों के बीच महिलाओं को सड़कों पर नंगा करके घुमाया जाना और पुलवामा व पहलगाम जैसे कांड भी मानवता के इन पुजारियों को विचलित नहीं कर सके थे।संसदीय समितियों में विचार और परीक्षण के लिए भेजे जाने वाले विधेयकों की सुस्थापित परंपरा पिछले लगभग एक दशक में शनैः शनैः खत्म कर दी गई है। दिसंबर, 2023 में संसद के दोनों सदनों के 125 से ज्यादा विपक्षी सदस्यों को निलंबित मुख्य चुनाव आयुक्त को कानूनी कार्रवाई से मुक्त करने वाला घोर अनैतिक और असंवैधानिक विधेयक पारित कराया गया तब भी इन 272 में से किसी एक ने नहीं कहा कि लोकतंत्र खतरे में है। सरकार अपनी मनमानी करने को कानूनी जामा पहनाने वाले कई विवादास्पद विधेयकों को राज्यसभा में पारित कराने से बचने के लिए उन्हें धन-विधेयक का दर्जा दे देती है, मगर रातों-रात पैदा हुए लोकतंत्र के इन पहरुओं के माथे पर कभी शिकन नहीं आती। 17वीं लोकसभा के उपाध्यक्ष का चुनाव नहीं कराया गया था और अभी 18वीं लोकसभा में भी वही हाल है, लेकिन इनमें से किसी की आवाज नहीं उठी। इलेक्टोरल बांड्स जैसे सरकार के अनैतिक हथकंडे पर भी नैतिकता की यह रंग-बिरंगी मंडली खामोश बनी रही।

दरअसल अपने खुले खत के जरिये विपक्षी नेताओं को हड़काने और नसीहत देने वाली यह मंडली जिस सत्ता के भक्ति-रस में डूबी हुई है, उसके बारे में शायद उसे मुगालता है कि यह सत्ता अक्षुण्ण है और अब इसे कोई हटा नहीं सकता। इस मंडली को याद रखना चाहिए कि हर अति का अंत होता है और अभी जो अति हो रही है, इसका भी अंत होकर रहेगा।

वर्ल्ड पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप : कोलंबो में तिरंगा फहराएंगे आगरा के सर्वोदय विद्यालय के खिलाड़ी

एजेंसी

आगरा। समाज कल्याण विभाग के संचालित जयप्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय, इटौरा (आगरा) के छात्र और शिक्षक रमन कुमार और हरीश चंद्र वर्ल्ड पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप-2025 में भारत का प्रतिनिधित्व करने को कोलंबो (श्रीलंका) रवाना हो गए। यह चैंपियनशिप 28 से 30 नवंबर तक आयोजित होगी, जिसमें 40 से अधिक देशों के खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। वर्ल्ड पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में कक्षा 11 के छात्र रमन कुमार सब-जूनियर 56 किलो भार वर्ग में और व्यायाम शिक्षक हरीश चंद्र सीनियर 77 किलोभार वर्ग में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। दोनों का चयन हाल ही में गुजरात के मैसाना और सूरत में आयोजित राष्ट्रीय पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर हुआ। रमन कुमार ने सब-जूनियर में गोल्ड मेडल जीता, जबकि हरीश चंद्र ने डेड लिफ्ट में गोल्ड मेडल के साथ राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया। समाज कल्याण विभाग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर चयन गर्व की बात है और खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं देकर और मजबूत किया जा रहा है।

विश्व कप उठाना एक ऐसा एहसास है, जिसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता : रितु नेगी

नई दिल्ली। बांग्लादेश के ढाका में महिला कबड्डी विश्व कप 2025 जीतने के बाद स्वदेश लौटी भारतीय महिला कबड्डी टीम की कप्तान रितु नेगी ने टीम की जमकर तारीफ की है। उन्होंने कहा कि हम हर चुनौती में एक साथ खड़े रहे। हमने आखिरी सीटी बजने तक एक-दूसरे पर भरोसा किया। उन्होंने कहा कि भारत के लिए विश्व कप उठाना एक ऐसा एहसास है, जिसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। भारतीय महिला कबड्डी टीम विश्व कप जीतने के बाद मंगलवार को धूमधाम से देश लौटी। भारतीय टीम ने फाइनल में चीनी ताइपे को 35-28 से हराकर लगातार दूसरा कबड्डी विश्व कप खिताब जीता था। भारतीय टीम ने प्रतियोगिता में शुरू से आखिर तक अपना दबदबा बनाए रखा। ग्रुप स्टेज के अपने सभी मैच जीते और फिर सेमीफाइनल में ईरान को हराकर खिताबी मुकाबले के लिए अपनी जगह पक्की की। फिर फाइनल में चीनी ताइपे को मात देकर विश्व चैंपियन का ताज अपने नाम किया। स्वदेश लौटने के बाद रितु नेगी ने एक बयान में कहा कि कप्तान के तौर पर मुझे पता है कि मैं उतनी ही मजबूत हूं, जितनी मेरे पीछे की टीम और लड़कियों का यह ग्रुप हर चुनौती में एक साथ खड़ा रहा। उन्होंने कहा कि महिला कबड्डी बहुत आगे बढ़ गई है। मुकाबला पहले से कहीं ज्यादा मुश्किल हैं, लेकिन हमने आखिर तक एक-दूसरे पर भरोसा किया। उन्होंने कहा कि यह जीत हर उस लड़की की है जो एक दिन भारत का प्रतिनिधित्व करने का सपना देखती है।

भोपाल में 8वीं इंटर स्टेट चैलेंजर्स और 45वीं जूनियर नेशनल रोइंग चैंपियनशिप का शुभारंभ

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के बड़े तालाब स्थित बोट क्लब पर 8वीं इंटर स्टेट चैलेंजर्स और 45वीं जूनियर नेशनल रोइंग चैंपियनशिप का भव्य आगाज हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने चैंपियनशिप के शुभारंभ की घोषणा की। प्रतियोगिता में 23 राज्यों के 500 से अधिक खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। इन खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर देशभक्ति गीतों की धुनों पर आकर्षक मार्च पास्ट किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का आयोजन स्थल पहुंचने पर कैप लगाकर स्वागत किया गया। उन्होंने प्रतियोगिता का शुभारंभ कर चैंपियनशिप में शामिल 23 राज्यों के 500 खिलाड़ियों द्वारा देशभक्ति गीतों की धुनों पर प्रस्तुत मार्च पास्ट का अवलोकन किया। इस अवसर पर खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग, भोपाल महापौर मालती राय सहित अधिकारी एवं खेल प्रेमी विशेष रूप से उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने चैंपियनशिप के शुभारंभ अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार युवाओं के चहुंमुखी विकास के लिए प्रतिबद्ध है। खेल विभाग प्रदेश में खेल संस्कृति को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न गतिविधियां संचालित कर रहा है।

खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2025: युवा वेटलिफ्टर गोलोम टिंकू ने जीता स्वर्ण पदक

बीकानेर। राजस्थान में खेले जा रहे खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2025 में पुरुषों के 60 किग्रा भारवर्ग में युवा वेटलिफ्टिंग स्टार गोलोम टिंकू ने स्वर्ण पदक जीता है। अरुणाचल प्रदेश के 19 वर्षीय गोलोम ने पहली बार पुणे में हुए खेलो इंडिया यूथ गेम्स के दूसरे संस्करण में अपनी छाप छोड़ी थी और तब से लगातार प्रगति की है। गोलोम ने खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2025 में स्वर्ण पदक जीतकर अपने करियर में एक और उपलब्धि जोड़ दी। लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी का प्रतिनिधित्व करते हुए गोलोम ने कुल 256 किग्रा (स्नैच 112 किग्रा; क्लीन एंड जर्क 144 किग्रा) वजन उठाकर स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने अपने नजदीकी प्रतिद्वंद्वी चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के खुम्भेस्वर मलिक (223 किग्रा) से 33 किग्रा अधिक वजन उठाया, जबकि सीटी यूनिवर्सिटी के सचिन कुल 214 किग्रा वजन के साथ कांस्य पदक हासिल कर सके। खेलो इंडिया यूथ गेम्स तक पहचाने जाने की गोलोम की राह बिल्कुल आसान नहीं रही। 2016 में अरुणाचल प्रदेश के कामले जिले के अपने गोडक गांव में एक हादसे में उनके पिता का निधन हो गया था।

चैंपियंस लीग: एमबाप्पे के चार गोल की बदौलत ग्रीस में पहली बार जीता रियल मैड्रिड

एजेंसी

एथेंस। रियल मैड्रिड के स्टार स्ट्राइकर किलियन एमबाप्पे ने चार गोल दागकर अपनी टीम को चैंपियंस लीग में ओलिम्पियाकोस के खिलाफ (भारतीय समयानुसार 4-3 की रोमांचक जीत दिलाई। इस जीत के साथ रियल ने ग्रीस में ओलिम्पियाकोस को उसके घर पर पहली बार हराने का इतिहास भी रचा। एमबाप्पे ने पहले हाफ में मात्र 6 मिनट 42 सेकंड के अंदर चैंपियंस लीग इतिहास की दूसरी सबसे तेज हैट्रिक पूरी की। हालांकि मैच रियल के लिए आसान नहीं था, लेकिन इस जीत से टीम ने सभी प्रतियोगिताओं में तीन मैचों से जारी जीत का सूखा तोड़ दिया। रियल मैड्रिड अब 12 अंकों के साथ स्टैंडिंग में पांचवें स्थान पर पहुंच गया है, जबकि शीर्ष आठ टीमें नॉकआउट चरण में स्वतः क्वालीफाई करेंगी।

ओलिम्पियाकोस दो अंकों के साथ 33वें स्थान पर खिसक गया।कोच ज़ाबी अलोंसो ने जीत को टीम के आत्मविश्वास के लिए महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा, 'सबसे जरूरी था जीतना, इस चक्र को तोड़ना। हमने धैर्य के साथ खेला और मैच को पलट दिया। ग्रीस में पहली बार जीतना खास है।' एमबाप्पे की तारीफ करते हुए अलोंसो ने कहा, 'वह बहुत महत्वपूर्ण हैं। सिर्फ गोल नहीं, उनकी व्यक्तित्व, टीमवर्क– सबकुछ शानदार है।' मैच में ओलिम्पियाकोस ने आठवें मिनट में चीक्विन्हो के गोल से बढ़त बनाई। 22वें मिनट में विनीसियस जूनियर के पास पर एमबाप्पे ने गोल कर अपनी टीम को बराबरी कराई। दो मिनट बाद अरदा गुलर के क्रॉस पर हेडर लगाकर एमबाप्पे ने बढ़त दिलाई। कुछ सेकंड बाद ही एक और क्लिनिकल फिनिश से एमबाप्पे हैट्रिक पूरी कर चुके थे। पहले हाफ में रियल का दबदबा रहा और टचुआमेनी का शॉट पोस्ट से टकराया। दूसरे हाफ में 52वें मिनट में मेहदी तरेमी ने हेडर से गोल कर स्कोर 3-2 किया 60वें मिनट में एमबाप्पे ने विनीसियस के एक और पास पर चौथा गोल दागा, लेकिन ओलिम्पियाकोस ने लड़ाई जारी रखी। 81वें मिनट में अयूब एल काबी ने गोल कर मैच को फिर रोमांचक बना दिया। आखिरी मिनटों में ओलिम्पियाकोस ने भारी दबाव बनाया, लेकिन बराबरी का गोल नहीं कर सका। रियल मैड्रिड ने आखिरकार 4-3 से रोमांचक जीत दर्ज करते हुए इतिहास रच दिया।

डब्ल्यूपीएल 2026 ऑक्शन — जेस जोनासन ने वुमेंस प्रीमियर लीग नीलामी से नाम वापस लिया

एजेंसी

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज ऑलराउंडर जेस जोनासन ने चोट के कारण वुमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 ऑक्शन से अपना नाम वापस ले लिया है। खिलाड़ी की अनुपलब्धता का खुलासा गुरुवार को हुए प्री-ऑक्शन ब्रीफिंग में किया गया। बाएं हाथ की इस स्पिनर को डब्ल्यूपीएल 2023 ऑक्शन में दिल्ली कैपिटल्स ने उनके बेस प्राइस 50 लाख रुपये में खरीदा था। तब से अब तक वह टीम के लिए 24 मैच खेल चुकी हैं, जिनमें उन्होंने 295 रन बनाए और 33 विकेट अपने नाम किए। जोनासन दिल्ली कैपिटल्स टीम की प्रमुख सदस्य रही हैं और फ्रेंचाइज़ी को पिछले तीनों सीज़न में डब्ल्यूपीएल फाइनल तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई है। पांच बार की टी20 वर्ल्ड कप विजेता जेस जोनासन अब तक ऑस्ट्रेलिया के लिए सभी फ़ॉर्मेट मिलाकर 200 से अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुकी हैं।

अहमदाबाद को मिला 2030 कॉमनवेल्थ सेंचुरी गेम्स की मेजबानी का अधिकार

एजेंसी

ग्लासगो/अहमदाबाद। भारत के लिए गर्व का क्षण आया है। अहमदाबाद को 2030 कॉमनवेल्थ सेंचुरी गेम्स की मेजबानी औपचारिक रूप से सौंप दी गई है। स्कॉटलैंड के ग्लासगो में आयोजित कॉमनवेल्थ स्पोर्ट जनरल असेंबली में 74 सदस्य देशों के प्रतिनिधियों ने भारत के 2030 के मेजबानी प्रस्ताव को सर्वसम्मति से मंजूरी दे दी। इस ऐतिहासिक निर्णय के साथ, भारत पहली बार कॉमनवेल्थ गेम्स के शताब्दी वर्ष का आयोजन करेगा। गुजरात की संस्कृति, रंगों और उत्सव को दर्शाते 20 गरबा डांसर्स और 30 भारतीय ड्रमर्स ने ग्लासगो में हुए समारोह को विशेष बना दिया, जिसने मेजबानी की घोषणा को एक सांस्कृतिक उत्सव का रूप दे दिया।

कॉमनवेल्थ स्पोर्ट ने यह भी बताया कि 2030 गेम्स में शामिल होने वाले कई खेलों की सूची पर काम जारी है और आने वाले समय में इसका अंतिम रूप घोषित किया जाएगा। कॉमनवेल्थ स्पोर्ट के अध्यक्ष डॉ डेमियन डेमार्को ने कहा कि अहमदाबाद में आयोजित होने वाला यह आयोजन एक नए अध्याय की शुरुआत होगा। उन्होंने इसे 'भारत

की जीवंतता, विविधता और बदलते वैश्विक खेल परिदृश्य का प्रतीक' बताया। उन्होंने कहा, 'भारत की मेजबानी कॉमनवेल्थ गेम्स के भविष्य के लिए आशा और नवाचार का संकेत है। अहमदाबाद का आयोजन हमें 2034 और 2038 गेम्स की तैयारियों के नए चरण में प्रवेश कराएगा।' उल्लेखनीय है कि अहमदाबाद के लिए तैयार की जा रही मेजबानी योजना ग्लासगो 2026 गेम्स की बुनियाद पर आधारित होगी। आयोजकों का कहना है कि यह खेल महोत्सव खेलों के साथ-साथ संस्कृति, नवाचार और नई वैश्विक भागीदारी का केंद्र बनेगा। इस ऐतिहासिक फैसले के साथ भारत ने कॉमनवेल्थ गेम्स को एक नई दिशा देने की ओर कदम बढ़ा दिया है और 2030 के सेंचुरी गेम्स अब अहमदाबाद में नई ऊंचाइयों को छूने के लिए तैयार हैं।

क्रिकेट टूर्नामेंट में केजीएन ने 25 रनों से दी शिकस्त

एजेंसी

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले के मौदहा कस्बे में चल रहे मौलाना सलीम मेमोरियल अखिल भारतीय खेल महोत्सव 2025 के टेनिस क्रिकेट टूर्नामेंट में चौथे दिन का पहला लीग मुकाबला छिमौली किंग्स और केजीएन के बीच 15-15 ओवरों का खेला गया। बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे इरशाद सौदागर ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर मुकाबला शुरू कराया। जिसमे छिमौली ने पहले टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। बल्लेबाजी करने उतरी केजीएन ने निर्धारित 15 ओवर में 5 विकेट खोकर कुल 161 रनों का विशाल लक्ष्य खड़ा किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी छिमौली किंग्स 136 रनों पर आल आउट हो गई। इसी तरह केजीएन ने 25 रनों से मुकाबला जीत लिया। केजीएन की ओर से मनोज ने 36 गेंदों पर 58 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेली जबकि अखिल ने 22 गेंदों में 37 रन बनाए। केजीएन की ओर से मनोज को मुख्य अतिथि द्वारा मैन ऑफ दी मैच देकर सम्मानित किया। दूसरा मुकाबला सहारा मौदहा और फाजिल इलेवन के

बीच खेला गया। जिसमे ने सहारा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 15 ओवरों में कुल 142 रनों का लक्ष्य रखा। जिसमे साहिल ने 82 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेली। 143 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी फाजिल इलेवन शुरुआत से ही धीमा खेलने की वजह से मात्र 122 रन ही बना सकी इसी तरह फाजिल इलेवन को 20 रनों मुकाबला हारना पड़ा और सहारा मौदहा ने रोमांचक मुकाबला अपने नाम दर्ज कर लिया। इस मुकाबले के मैन ऑफ दी मैच रहे साहिल सिद्दीकी को मुख्य अतिथि अनीस व फहीम द्वारा पुरस्कार देकर सम्मानित किया। मैच में रैफरी की भूमिका अन्नी माहतौ, इशियाक जुग्गी व राजा बाबू ने निभाई। इस दौरान कमेटी अध्यक्ष बीतू बादशाह, चौधरी आसिफ़, कारी सनाउल्लाह, शहजादा माहतौ, रेहान मुन्ना सहित समस्त कमेटी सदस्य उपस्थित रहे।

खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में नीरू ढांडा ने चौथा लगातार गोल्ड जीता, जैन यूनिवर्सिटी मेडल टैली में बरकरार शीर्ष पर

एजेंसी

जयपुर। खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स (केआईयूजी) राजस्थान 2025 के पांचवें दिन गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी (जीएनडीयू) और जैन यूनिवर्सिटी के खिलाड़ियों का दबदबा देखने को मिला। जगतपुर शूटिंग रेंज में ट्रैप शूटर नीरू ढांडा और आदित्य भारद्वाज ने चारों शॉटगन स्वर्ण जीतकर जीएनडीयू को बड़ी सफलता दिलाई, जबकि साइक्लिंग में भी यूनिवर्सिटी के खिलाड़ियों ने दोनों रोड रेस गोल्ड अपने नाम किए।

सात शहरों में चल रहे इस प्रतिष्ठित आयोजन में 222 विश्वविद्यालयों के 4448 खिलाड़ी 23 खेलों में पदकों की होड़ में हैं। इन खेलों का आयोजन भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) और राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद के सहयोग से किया जा रहा है तथा मेजबानी पूनमिया यूनिवर्सिटी कर रही है।

नीरू ढांडा की चौथी लगातार केआईयूजी गोल्ड जीत

एशियाई शूटिंग चैंपियनशिप की स्वर्ण विजेता नीरू ढांडा ने 47 अंकों के साथ अपना चौथा लगातार खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स स्वर्ण जीता। डीएनडीयू की ही मनिषा कीर (39) ने रजत और नंदिका सिंह (30) ने कांस्य जीता।

तीनों शूटरों ने मिलकर 344 अंकों के साथ टीम स्वर्ण भी अपने नाम किया। नीरू ने कहा, 'यह मेरा आखिरी केआईयूजी था, इसलिए गोल्ड जीतना खास था। पिछले तीनों संस्करण में स्वर्ण जीतने के बाद मैं इसे भी गोल्ड के साथ खत्म करना चाहती थी। 'पुरुष वर्ग में जीएनडीजू के आदित्य भारद्वाज ने 45 अंकों के साथ स्वर्ण जीता, जबकि पंजाब यूनिवर्सिटी के जंगशेर सिंह विर्क ने रजत और मनव रचना यूनिवर्सिटी के भक्तियार मलिक ने कांस्य हासिल किया।

जीएनडीयू ने दोनों रोड रेस साइक्लिंग गोल्ड भी जीते

महिलाओं की रोड रेस में गुरुनानक देव यूनिवर्सिटी की मीनाक्षी रोहिल्ला ने अपनी टाइम ट्रायल जीत के बाद दूसरा स्वर्ण भी जीता। पुरुष वर्ग में उनके साथी अक्षर त्यागी ने स्वर्ण अपने नाम किया। इसके साथ जीएनडीयू का स्वर्ण तालिका दो अंकों में पहुंच गया।

जैन यूनिवर्सिटी बरकरार शीर्ष पर - तैराकी में 4 और स्वर्ण

पिछले संस्करण की विजेता जैन यूनिवर्सिटी कुल तालिका में पहले स्थान पर बनी हुई है। टीम ने मंगलवार के आठ स्वर्ण में चार और जोड़ दिए। इनमें 4×100 मीटर फ्रीस्टाइल रिले के साथ नीना वेंकटेश (50मी बटरफ्लाई) और भावना सचदेवा (400मी) के व्यक्तिगत स्वर्ण शामिल हैं।

हर्ष सारोहा ने श्रीहरि नटराज को हराया

चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के हर्ष सारोहा ने पुरुषों की 50 मीटर बटरफ्लाई में 24.90 सेकंड का समय निकालकर ओलंपियन श्रीहरि नटराज को पीछे छोड़ दिया। उन्होंने 200 मीटर बटरफ्लाई में भी स्वर्ण जीता। उनके साथी ईशान राठी ने 200 मीटर बैकस्ट्रोक में बाजी मारी।

अन्य प्रमुख परिणाम:

बैडमिंटन (क्वार्टर फाइनल्स)

पुरुष: महात्मा गांधी यूनिवर्सिटी, चितकारा, पंजाब यूनिवर्सिटी और मुंबई यूनिवर्सिटी ने अपने-अपने मुकाबले जीते।

राजा रामकुमार भार्गव स्मृति राज्य स्तरीय बिलियर्ड्स और स्नूकर चैम्पियनशिप

एजेंसी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश बिलियर्ड्स और स्नूकर एसोसिएशन (यूपीबीएसए) के तत्वावधान में आयोजित राजा राम कुमार भार्गव स्मृति राज्य स्तरीय बिलियर्ड्स और स्नूकर चैम्पियनशिप में प्रयागराज के अली जहेब, लखनऊ के सादिक कुरैशी और गौतम सिंह, वाराणसी के स्नेहिल गुप्ता एवं अलीगढ़ के बिलाल जैदी ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर अगले दौर में जगह बना ली है।बिशप जॉर्ज स्कूल और कॉलेज में खेले गये मुकाबले में प्रयागराज के अली जहेब ने लखनऊ के दानिश अंसारी को 3-0 से हराया। अली जहेब को पहले फ्रेम में कांटे की टक्कर मिली। अली ने पहला फ्रेम 71-70 से जीता। अगले दोनों फ्रेम 55-43 और 51-9 से जीत लिया।लखनऊ के सादिक कुरैशी ने प्रयागराज के एसएम सहदाब को 3-0 से हराया। सादिक ने तीनों फ्रेम एक तरफा मुकाबले में अपने नाम किया। इन तीनों में उन्होंने 63-23, 61-21 और 57-12 से जीत दर्ज की।वाराणसी की स्नेहिल गुप्ता ने प्रयागराज की शाह फैसल को 3-0 से पराजित किया। स्नेहिल ने मुकाबले में अपने प्रतिद्वंद्वी को कोई मौका न देते हुए तीनों फ्रेम 53-9, 53-19 और 61-2 के बड़े अंतर से जीता। सबसे रोमांचक मैच लखनऊ के गौतम सिंह और प्रयागराज के दिग्विजय त्रिपाठी के बीच खेला गया। दोनों क्यू प्लेयर्स ने एक-दूसरे के मूव्स को काउंटर करके अपने प्रतिद्वंद्वी को नियंत्रण में रखा। मैच में कुछ ऐसे पल आए जब खिलाड़ियों ने अपने विरोधी खिलाड़ियों को गलत शॉट खेलने के लिए मजबूर किया और वहीं से बढ़त बना ली। पहले दो फ्रेम बहुत रोमांचक थे। दिग्विजय ने पहला फ्रेम 57-51 से जीता और दूसरा फ्रेम गौतम ने 69-65 से जीता।

पर्थ की पिच को 'बहुत अच्छी' रेटिंग, दो दिन में खत्म हुए टेस्ट पर भी आईसीसी ने जताई संतुष्टि

एजेंसी

नई दिल्ली। पहले एशेज टेस्ट के केवल दो दिनों में समाप्त होने के बावजूद इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने पर्थ की पिच को 'बहुत अच्छी' रेटिंग दी है। यह रेटिंग मैच रेफरी रंजन मदुगले ने जारी की। आईसीसी की चार-स्तरीय पिच रेटिंग प्रणाली में 'बहुत अच्छी' सबसे उच्च श्रेणी होती है, जो पिच में अच्छी उछाल, सीम मूवमेंट की सीमित भूमिका और पूरे मैच में समान गति दर्शाती है। दो दिन चले इस मुकाबले में पहले दिन ही 19 विकेट 305 रन पर गिर गए थे। दूसरे दिन ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड द्वारा दिए गए 205 रन के लक्ष्य को एक ही सत्र में आसानी से हासिल कर लिया। मुकाबले को देखने के लिए दो दिनों में

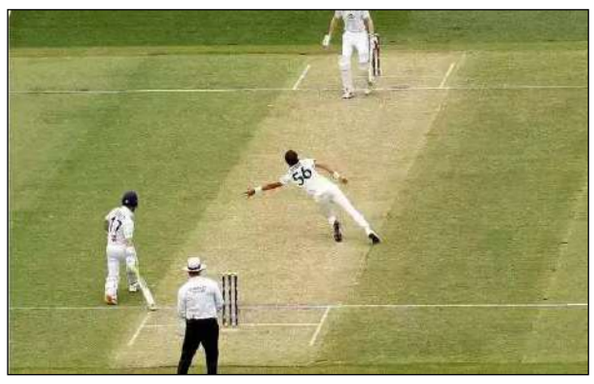

1,01,514 दर्शक स्टेडियम पहुंचे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के चीफ ऑफ क्रिकेट जेम्स ऑलसोप ने कहा कि मैच सिर्फ दो दिन में खत्म होना उन दर्शकों के लिए निराशाजनक था जिनके पास तीसरे और चौथे दिन का टिकट था, लेकिन पर्थ स्टेडियम की पिच ने बल्ले और गेंद के बीच शानदार संतुलन बनाया। उन्होंने कहा, 'मैच रेफरी की 'बहुत अच्छी' रेटिंग यह साबित करती है कि पर्थ स्टेडियम की पिच ने बल्लेबाज और गेंदबाज दोनों को बराबर मौका दिया। दोनों टीमों के तेज गेंदबाजों का शानदार प्रदर्शन और मुकाबले की तीव्रता ही टेस्ट जल्दी खत्म होने का कारण बना। हालाँकि दर्शकों के लिए यह निराशाजनक था, लेकिन जिस तरह का रोमांचक क्रिकेट देखने को मिला, उसने बड़ी संख्या में दर्शकों को आकर्षित किया और इस गर्मी में और भी बच्चों को क्रिकेट खेलने के लिए प्रेरित करेगा।'

आईएलटी20: सीजन-4 में दुबई कैपिटल्स की कप्तानी करेंगे श्रीलंकाई स्टार दासुन शनाका

एजेंसी

दुबई। दुबई कैपिटल्स फ्रेंचाइजी ने इंटरनेशनल लीग टी20 (आईएलटी20) के चौथे सीजन के लिए श्रीलंका के अनुभवी ऑलराउंडर दासुन शनाका को नया कप्तान नियुक्त किया है। बीते सीजन की चैम्पियन टीम ने उनकी अंतरराष्ट्रीय कप्तानी और टी20 कौशल को देखते हुए यह जिम्मेदारी सौंपी है। 117 टी20 मैचों में 1,659 रन और 41 विकेट झटक चुके शनाका पिछले सीजन टीम के मुख्य समूह का हिस्सा थे, जिसने सीजन 3 का खिताब जीता था। अब टीम उन्हें नए नेतृत्व के साथ खिताब बचाने की चुनौती सौंप रही है। अपनी नियुक्ति पर प्रतिक्रिया देते हुए शनाका ने कहा कि 'दुबई कैपिटल्स की कप्तानी करना मेरे लिए बड़ा सम्मान है। फ्रेंचाइजी ने मुझ पर जो भरोसा दिखाया है, वह प्रेरणादायक है। हमारी

टीम संतुलित और उत्साही है, और मुझे विश्वास है कि हम इस सीजन में निडर क्रिकेट खेलेंगे और अपने फैंस को गर्व महसूस कराएंगे।'

टीम के हेड कोच हेमांग बदानी ने कहा, 'दासुन मैदान पर शांत, समझदार और उद्देश्यपूर्ण कप्तान हैं। खिलाड़ी उनके नेतृत्व में सहज महसूस करते हैं। जिस तरह का संतुलित स्क्वाड हमने तैयार किया है, उसके साथ हम मजबूत आईएलटी20 अभियान की उम्मीद कर रहे हैं।' आईएलटी20 के चौथे सीजन की शुरुआत दिसंबर में यूएई में होगी। दुबई कैपिटल्स 02 दिसंबर, मंगलवार को डेजर्ट वाइपर्स के खिलाफ अपना पहला मुकाबला खेलेगी। दुबई कैपिटल्स नए कप्तान के नेतृत्व में अपने खिताब को बचाने और एक बार फिर मजबूत प्रदर्शन करने के इरादे से मैदान में उतरने को तैयार है।

ऋषभ पंत ने फैंस से मांगी माफी, साउथ अफ्रीका से 0-2 की हार के बाद साझा किया संदेश

नई दिल्ली। साउथ अफ्रीका के खिलाफ भारत की 0-2 से टेस्ट सीरीज हार ने टीम इंडिया और उसके फैंस को बड़ा झटका दिया है। गुवाहाटी टेस्ट में 408 रन से करारी हार झेलने के बाद फैन्स का गुस्सा खासकर स्टैंड-इन कप्तान ऋषभ पंत की ओर था, जिन्हें शुभमन गिल की अनुपस्थिति में कप्तानी सौंपी गई थी। पंत का बल्ला भी चार इनिंग में केवल 49 रन ही दे सका। आलोचनाओं के बीच पंत ने सोशल मीडिया पर एक दिल छू लेने वाला मैसेज लिखा, जिसमें उन्होंने फैंस से माफी मांगी और भरोसा दिलाया कि टीम और वे खुद इस नाकामी से सीख लेकर और मजबूत होकर लौटेंगे। गुवाहाटी टेस्ट मैच भारत के लिए कई सवाल छोड़ गया, खासकर नेतृत्व और बल्लेबाजी पर। 408 रन की हार भारत की टेस्ट इतिहास में रनों के हिसाब से सबसे बड़ी हार बन गई, जिसने टीम इंडिया के प्रदर्शन को लेकर चर्चा तेज कर दी। स्टैंड-इन कप्तान ऋषभ पंत पर मैदान के अंदर फैसलों से लेकर उनके शॉट सेलेक्शन तक कई सवाल उठे। चार पारियों में सिर्फ 49 रन बनाना भी आलोचना का मुख्य कारण रहा। पंत ने लिखा, 'इस बात से कोई इनकार नहीं कर सकता कि हमने पिछले दो हफ्तों में अच्छा क्रिकेट नहीं खेला। एक टीम और एक व्यक्ति के तौर पर हम हमेशा सबसे ऊंचे लेवल पर परफॉर्म करना चाहते हैं।

डब्ल्यूपीएल ऑक्शन: ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों की होगी मांग, महिला क्रिकेट की दिग्गज खिलाड़ी जाएंगी बड़े दांव पर

एजेंसी

नई दिल्ली। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के मेगा ऑक्शन में इस बार ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों की जबरदस्त मांग देखने को मिलेगी। मौजूदा और पूर्व राष्ट्रीय कप्तान एलिसा हीली और मेग लैनिंग सहित 23 ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी गुरुवार को होने वाले इस बड़े ऑक्शन में शामिल होंगी। यह 2023 के उद्घाटन सत्र के बाद लीग का पहला मेगा ऑक्शन है। इस बार मेगन शुट्ट, सोफी मोलिनेयू और टाहलिया मैकग्रा जैसी दिग्गज खिलाड़ी अनुपस्थित रहेंगी, जबकि तेज गेंदबाज डार्सी ब्राउन पहली बार नीलामी सूची में शामिल हुई हैं।

ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों का रिजर्व प्राइस

50 लाख रुपए: एलिसा हीली, मेग लैनिंग, फीबी लिचफील्ड, किम गार्थ, जॉर्जिया वेयरहम, हीदर ग्राहम।

40 लाख रुपए: जॉर्जिया वोल, अलाना किंग।

30 लाख रुपए: ग्रेस हैरिस, जेस जोनासन, डार्सी ब्राउन, लॉरेन चीटल, अमांडा-जेड वेलिंगटन, निकोला कैरी।

10 लाख रुपए: मिली इलिंगवर्थ, लॉरा हैरिस, निकोल फाल्टम, जॉर्जिया रेडमेन, कोर्टनी वेब, सामंथा बेट्स, सोफी डे, लूसी हैमिल्टन, चार्ली नॉट।

ऑक्शन दिल्ली में शाम 3.30 बजे आयोजित होगा।

टीमें बदलेंगी अपना नया रूप

डब्ल्यूपीएल की पाँचों टीमें इस बार बड़े बदलाव से गुजरेंगी क्योंकि वे अधिकतम पाँच खिलाड़ियों को ही रिटेन कर पाई हैं। केवल दो विदेशी खिलाड़ियों को रिटेन करने की अनुमति और एक अनकैप्ड भारतीय को रखना अनिवार्य होने से टीमों के लिए अपना कोर बनाए रखना मुश्किल हुआ है।

हाल ही में घोषित रिटेन लिस्ट में चार ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी शामिल थे—

एशले गार्डनर और बेथ मूनी (गुजरात जायंट्स)

एलिस पेरी (आरसीबी)

एनेबल सदरलैंड (दिल्ली कैपिटल्स)

इस बार कुल 277 खिलाड़ी नीलामी में उतरेंगे, जिनमें 194 भारतीय और 83 विदेशी हैं। कुल 73 स्लॉट खाली हैं, जिनमें से अधिकतम 23 विदेशी खिलाड़ियों के लिए हो सकते हैं।

आरटीएम कार्ड का पहली बार उपयोग

इस सीजन टीमें पहली बार राइट टू मैच (आरटीएम) कार्ड का उपयोग कर सकेंगी, जिसके जरिए वे अपने पूर्व खिलाड़ियों को बोली मिलान कर वापस ले सकती हैं।

डब्ल्यूबीबीएल के प्रदर्शन से बढ़ेगी बोली

नीलामी डब्ल्यूबीबीएल के बीच में हो रही है इसलिए हालिया प्रदर्शन खिलाड़ियों के मूल्य पर बड़ा असर डालेगा।

मेग लैनिंग - सबसे हॉट पिक

डब्ल्यूबीबीएल 11 में 327 रन और 135 रन की विस्फोटक पारी के बाद लैनिंग की मांग सबसे ज्यादा होगी। हालांकि वे सबसे पहले बिड में आएँगी, जिससे टीमें शुरुआत में बड़ी रकम खर्च करने से हिचक सकती हैं।

एलिसा हीली - चोटों के कारण अनिश्चितता

हीली इस सीजन फॉर्म में नहीं हैं और चोटों से उबर रही हैं। यूपी वारियर्स की पूर्व कप्तान होने के बावजूद शुरुआती सेट में आने से उनके लिए बड़ी बोली की संभावना कम हो सकती है।

फीबी लिचफील्ड - युवा सनसनी

22 वर्षीय लिचफील्ड अपने आक्रामक और अनोखे शॉट्स के लिए जानी जाती हैं। उनकी फॉर्म और नेतृत्व क्षमता उन्हें किसी भी टीम के लिए आकर्षक विकल्प बनाती हैं। बैट और बॉल दोनों से बेहतरीन प्रदर्शन कर रही वेयरहम की बोली बाद में लगेगी, लेकिन मजबूत प्रदर्शन उन्हें बड़े दांव पर ले जा सकता है।

स्थिर बंद हुआ रुपया

एजेंसी

मुंबई। अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 89.2275 रुपये प्रति डॉलर पर स्थिर बंद हुआ। भारतीय मुद्रा 6.75 पैसे टूटकर कारोबार की समाप्ति पर 89.2275 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। रुपया आज 1.25 पैसे की गिरावट में 89.24 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और सीमित दायरे में रहा। बीच कारोबार में यह ऊपर 89.18 रुपये और नीचे 89.28 रुपये प्रति डॉलर तक गया। अंत में गत दिवस के स्तर पर ही बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजारों में रही एक प्रतिशत से अधिक की तेजी से रुपये को समर्थन मिला। वहीं, दुनिया की अन्य प्रमुख मुद्राओं के बास्केट में डॉलर सूचकांक में रही तेजी ने रुपये पर दबाव बनाया।

सफरान ने 2030 तक भारत से राजस्व तीन गुना करने का लक्ष्य रखा, स्थानीय खरीद पांच गुना करेगी

हैदराबाद। विमान इंजन बनाने वाली फ्रांस की कंपनी सफरान ने साल 2030 तक भारत से अपना राजस्व तीन गुना करने का लक्ष्य रखा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा यहां सफरान के एमआरओ (मेंटेनेंस, रिपेयर, ओवरहॉल) सेंटर के उद्घाटन के मौके पर कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ओलिवियर एंड्रीस ने यह बात कही। सीएमएफ इंटरनेशनल लीप इंजन के लिए यह सफरान का सबसे बड़ा एमआरओ केंद्र है। श्री एंड्रीस ने कहा, ' हैदराबाद में लीप और एम88 इंजन के लिए बने दो नए एमआरओ केंद्र - और बीईएल के साथ हमारा नया संयुक्त उपक्रम - हमारे ग्रुप के लिए भारत की अहमियत को दिखाते हैं। हमें भारत के नागरिक और रक्षा विमानन बाजार की तेज वृद्धि को समर्थन देने और देश की मेक इन इंडिया नीति और रणनीतिक स्वावलंबन में सक्रिय योगदान देने पर गर्व है। सफरान 2030 तक भारत में अपना राजस्व तीन गुना बढ़ाकर तीन अरब यूरो से ज्यादा कर देगा, जिसमें से आधा भारत में हमारे केंद्रों से आयेगा। इसके साथ ही हम देश में अपनी खरीद को पांच गुना बढ़ा देंगे। ' नए लीप इंजन एमआरओ केंद्र में कुल 20 करोड़ यूरो का निवेश किया गया है और यह 2026 में चालू हो जायेगा। कुल 45,000 वर्ग मीटर में बने इस केंद्र में साल में 300 लीप इंजन की मरम्मत हो सकेगी। इसमें नेक्स्ट-जेनरेशन टेस्ट बेंच भी होगा। एयरबस ए320निओ और बोइंग 737 मैक्स सहित ज्यादातर लेटेस्ट-जेनरेशन नैरोबॉडी एयरक्राफ्ट में सीएमएफ के लीप इंजन हैं।

चावल, गेहूं में टिकाव; चीनी, दालें मजबूत; खाद्य तेलों में घट-बढ़

नई दिल्ली। दिल्ली थोक जिंस बाजारों में चावल के भाव स्थिर रहे। चावल के साथ गेहूं में भी टिकाव रहा। आवक कम रहने से चीनी और दालों के दाम चढ़ गये जबकि खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव देखा गया। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 3,854.72 रुपये प्रति क्विंटल पर लगभग स्थिर रही। गेहूं भी 2,857.42 रुपये पर कमोबेश गत दिवस के स्तर पर ही रहा। आटे की कीमत भी लगभग स्थिर रही। दालों में मजबूती रही। मूंग दाल भी 25 रुपये और मसूर दाल 14 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई। तुअर दाल का भाव चार रुपये और चना दाल का 16 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गया। उड़द दाल की कीमत गत दिवस के स्तर पर ही टिकी रही। विदेशों में बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का फरवरी वायदा 32 रिंगिट चढ़कर 4,022 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। अमेरिकी सोया तेल का जनवरी वायदा भी 0.41 प्रतिशत की मजबूती के साथ 50.86 डॉलर बोला गया।

भारती एयरटेल की प्रवर्तक इकाई आईसीआईएल ने 0.56 प्रतिशत हिस्सेदारी 7,195 करोड़ रुपये में बेची

नई दिल्ली।दूरसंचार उद्योग के दिग्गज सुनील भारती मित्तल के पारिवारिक कार्यालय से जुड़ी प्रवर्तक इकाई इंडियन कॉन्टिनेंट इन्वेस्टमेंट लिमिटेड (आईसीआईएल) ने भारती एयरटेल में अपनी 0.56 प्रतिशत हिस्सेदारी करीब 7,195 करोड़ रुपये में बेच दी। थोक सौदे के रूप में हुई इस बिक्री में भारती एयरटेल के 3.43 करोड़ शेयरों को 2,097.81 प्रति शेयर के आधार मूल्य पर बेचा गया, जिससे इस सौदे का कुल मूल्य करीब 7,195.49 करोड़ रुपये रहा। लेनदेन के बाद एयरटेल में आईसीआईएल की हिस्सेदारी 1.48 प्रतिशत से घटकर 0.92 प्रतिशत रह गई है। भारती एयरटेल में प्रवर्तक समूह की कुल हिस्सेदारी 50.27 प्रतिशत है। प्रवर्तक समूह में भारती टेलीकॉम के साथ सिंगटेल की सहयोगी पेस्टल लिमिटेड भी है। यह हिस्सेदारी बिक्री ऐसे समय हुई है जब हाल के महीनों में एयरटेल के प्रवर्तक समूह द्वारा हिस्सेदारी घटाने के लिए कई बड़े कदम उठाए गए हैं। इस महीने की शुरुआत में ही सिंगटेल ने एयरटेल में अपनी 0.8 प्रतिशत हिस्सेदारी 10,353 करोड़ रुपये में बेची थी। आईसीआईएल ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उसने भारती एयरटेल में अपनी 0.56 प्रतिशत हिस्सेदारी बाजार लेन-देन के माध्यम से बेच दी है।

केंद्र सरकार ने 2,781 करोड़ रुपए के मल्टीट्रैकिंग रेलवे प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी

एजेंसी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की कैबिनेट कमेटी ने 2,781 करोड़ रुपए के मल्टीट्रैकिंग रेलवे प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी। इन रेलवे प्रोजेक्ट्स की लंबाई 224 किलोमीटर होगी और यह महाराष्ट्र एवं गुजरात के चार जिलों में फैले होंगे। कैबिनेट कमेटी ने कहा कि इन दो प्रोजेक्ट्स में देवभूमि द्वारका (ओखा)-कनालूस लाइन के 141 किलोमीटर लंबे हिस्से का दोहरीकरण और बदलापुर-कर्जत तीसरी और चौथी लाइन के 32 किलोमीटर लंबे हिस्से का दोहरीकरण शामिल है। कनालुस से ओखा (देवभूमि द्वारका) तक मंजूर दोहरीकरण से द्वारकाधीश मंदिर तक बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी, जिससे मुख्य तीर्थस्थल तक पहुंच आसान होगी और सौराष्ट्र इलाके के विकास

में मदद मिलेगी। वहीं, बदलापुर-कर्जत सेक्शन मुंबई सबअर्बन कॉरिडोर का हिस्सा है, इसलिए तीसरी और चौथी लाइन का प्रोजेक्ट मुंबई सबअर्बन इलाके में कनेक्टिविटी को बेहतर बनाएगा और यात्रियों की भीड़ को कम करने में मदद करेगा, साथ ही दक्षिणी भारत से भी कनेक्टिविटी देगा। यह मार्ग कोयला, नमक, कंटेनर, सीमेंट, पीओएल जैसी आवश्यक वस्तुओं के परिवहन के लिए एक महत्वपूर्ण रूट है। क्षमता बढ़ाने के इन कार्यों से रेलवे पर अतिरिक्त 18 एमटीपीए (मिलियन टन प्रति वर्ष) की माल ढुलाई होगी। मंजूर मल्टीट्रैकिंग प्रोजेक्ट से लगभग 585 गांवों तक कनेक्टिविटी बेहतर होगी, जिनकी आबादी लगभग 32 लाख है। रेलवे परिवहन का एक पर्यावरण-अनुकूल और ऊर्जा-कुशल साधन होने के कारण, देश के जलवायु लक्ष्यों को प्राप्त करने और लॉजिस्टिक्स लागत को कम करने, दोनों में मदद करेगा। इन प्रोजेक्ट्स से प्रति वर्ष तेल आयात (3 करोड़ लीटर) में कमी आएगी, कार्बन डाइऑक्साइड (16 करोड़ किलोग्राम) उत्सर्जन कम होगा। उत्सर्जन में यह कमी 64 लाख (चौसठ लाख) पेड़ों के रोपण के बराबर है। सरकार की ओर से जारी बयान में कहा गया कि बढ़ी हुई लाइन क्षमता भारतीय रेलवे के लिए मोबिलिटी को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाएगी, जिसके परिणामस्वरूप परिचालन दक्षता और सेवा विश्वसनीयता में सुधार होगा। ये मल्टी-ट्रैकिंग प्रस्ताव रेल संचालन को सुव्यवस्थित करने और भीड़भाड़ को कम करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। ये प्रोजेक्ट्स प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के 'नए भारत' के दृष्टिकोण के अनुरूप हैं।

बीओबीकार्ड ने पेश किया कैशबैक क्रेडिट कार्ड

एजेंसी

नई दिल्ली। बैंक ऑफ बड़ौदा के पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी बीओबीकार्ड ने अपने नये कैशबैक क्रेडिट कार्ड के लॉन्च की घोषणा की। कंपनी ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि यह क्रेडिट कार्ड 49 रुपये मासिक या 499 रुपये वार्षिक शुल्क पर उपलब्ध होगा। उसने बताया कि इस कार्ड का कैशबैक स्ट्रक्चर काफी सीधा और स्पष्ट है। ऑनलाइन तथा ऑनलाइन दोनों प्लेटफॉर्मों पर इस्तेमाल में ग्राहक को कैशबैक का लाभ मिलता है। यह कार्ड ऐसे समय में पेश किया गया है जब ग्राहक किराना, यूटिलिटी, परिवहन, ऑनलाइन शॉपिंग और लाइफस्टाइल खर्चों के लिए डिजिटल भुगतान पर तेजी से निर्भर हो रहे हैं। कैशबैक की अर्हता को पूरा करने वाले हर ऑनलाइन

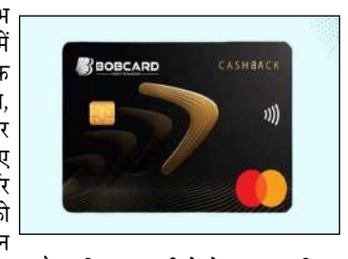

लेनदेन पर पांच प्रतिशत कैशबैक मिलता है जबकि अन्य सभी लेनदेन पर एक प्रतिशत फ्लैट कैशबैक मिलेगा। ईंधन के लिए खर्चों पर एक प्रतिशत सरचार्ज वेवर और छह से 48 महीने तक की स्मार्ट ईएमआई की सुविधा उपलब्ध है, जिससे दैनिक खरीदारों को किफायती भुगतान विकल्प मिलते हैं। बीओबीकार्ड लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवींद्र राय ने कहा कि कैशबैक क्रेडिट कार्ड ऐसे नवोन्मेषी क्रेडिट समाधान प्रदान करता है जो आज के ग्राहकों की बदलती जरूरतों को पूरा करें। ग्राहक इस क्रेडिट कार्ड के लिए बीओबी कार्ड के डीआईवाई (डू-इट-योरसेल्फ) प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। पूरी आवेदन प्रक्रिया डिजिटल होती है, जिससे आवेदकों को एक सुविधाजनक और निर्बाध अनुभव मिलता है।

इंद्रजाल ने पेश किया देश का पहला एंटी ड्रोन पेट्रोल व्हीकल, सीमा पर सुरक्षा में होगा कारगर

एजेंसी

हैदराबाद। काउंटर-ड्रोन एवं एयर डिफेंस प्रौद्योगिकी कंपनी इंद्रजाल ड्रोन डिफेंस ने देश का पहला एंटी ड्रोन पेट्रोल व्हीकल (एडीपीवी) लॉन्च किया जो सीमा पार से आने वाले ड्रोनों को मार गिराने में सक्षम होगा। यह पूरी तरह से मोबाइल एआई से लैस काउंटर ड्रोन सिस्टम है जो ड्रोन हमलों से बचाव के देश के तौर-तरीकों को बदलने की क्षमता रखता है। आज दुनिया में युद्ध के दौरान बढ़ते ड्रोन के इस्तेमाल को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है। सीमा पार से आतंकवादी संगठन भी ड्रोन का इस्तेमाल हथियारों और ड्रग्स की तस्करी के लिए करते हैं।

कंपनी ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि मौजूदा समय में एंटी-ड्रोन उपकरण वाहनों पर अलग से लगाये जाते हैं जो तभी काम करते हैं जब वाहन अपनी जगह पर स्थिर हो। वहीं, इंद्रजाल का एडीपीवी चलते हुए भी ड्रोन का पता लगा सकता है, एआई की मदद से खतरे का आंकलन कर सकता है और तुरंत उसे मारकर गिरा सकता है। इसका

इस्तेमाल सीमा पर सड़कों, नहरों, खेतों, महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचों और शहरी क्षेत्रों में भी किया जा सकता है। एडीपीवी की लॉन्चिंग के मौके पर सम्मानित अतिथि के रूप में मौजूद लेफ्टिनेंट जनरल देवेंद्र प्रताप पांडेय (से.नि.) ने कहा कि एक सुरक्षित राष्ट्र, जो अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक नेटवर्क के साये से मुक्त हो, देश के युवाओं का अधिकार है। एंटी-ड्रोन पेट्रोल व्हीकल जैसी प्रौद्योगिकियां सिर्फ एक मशीन नहीं हैं, ये हमारे बच्चों, किसानों और भविष्य की रक्षा के लिए बने ढाल हैं। इंद्रजाल के संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी किरण राजू ने कहा कि हर मार गिराया गया ड्रोन बचायी गयी जिंदगियों और देश की आंतरिक सुरक्षा की मजबूती का प्रतीक है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 13वें बजट-पूर्व परामर्श बैठक की अध्यक्षता की

एजेंसी

नई दिल्ली।। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने नई दिल्ली में 13वें बजट पूर्व परामर्श बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने केंद्रीय बजट 2026-27 से पहले आयोजित इस बैठक में शिक्षा, स्वास्थ्य, मानव विकास और महिला सशक्तिकरण सेक्टर के एक्सपर्ट्स के साथ बातचीत की। वित्त मंत्रालय ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में बताया कि केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज आने वाले केंद्रीय बजट 2026-27 के संबंध में शिक्षा, स्वास्थ्य, मानव विकास एवं महिला सशक्तिकरण क्षेत्र के विशेषज्ञ और स्टेकहोल्डर्स के साथ 13वीं प्री-बजट कंसल्टेशन की अध्यक्षता की। मंत्रालय के मुताबिक इस बैठक में पॉलिसी को मजबूत करने, सेक्टर के नतीजों को बेहतर बनाने और इनक्लूसिव ग्रोथ को बढ़ावा देने पर फोकस किया गया, जिसमें खास तौर पर महिला एम्पावरमेंट और ह्यूमन

डेवलपमेंट की कोशिशों पर ज़ोर दिया गया। इस बैठक में केंद्रीय वित्त राज?य मंत्री पंकज चौधरी, आर्थिक मामलों के विभाग (डीईए) के सचिव, शिक्षा मंत्रालय, स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग एवं अन?य संबंधित मंत्रालय के सीनियर अधिकारी और देश के मुख?य आर्थिक सलाहकार डॉ. वी. अनंथा नागेश्वरन शामिल हुए। उल्लेखनीय है कि पिछले हफ्ते केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों के मंत्री निर्मला सीतारमण ने अर्थशास्त्री, कृषि क्षेत्र के जानकारों और एमएसएमई रिप्रेजेंटेटिव्स के साथ बजट पूर्व परामर्श बैठक किया, जबकि 21 नवंबर को कैपिटल मार्केट और स्टार्ट-अप्स के रिप्रेजेंटेटिव्स के साथ चर्चा हुआ था।

दिल्ली में मोबाइल नेटवर्क टेस्ट में एयरटेल और जियो सबसे तेज, एमटीएनएल सबसे कमजोर

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) के अक्टूबर महीने में दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में किए गए मोबाइल नेटवर्क की गुणवत्ता के मूल्यांकन के लिए स्वतंत्र ड्राइव टेस्ट में एयरटेल और रिलायंस जियो सबसे अच्छी सेवा देने वाली कंपनी साबित हुए हैं। वोडाफोन-आइडिया मध्यम स्तर पर रही और महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड (एमटीएनएल) सबसे निचले पायदान पर रही। ट्राई के अनुसार, परीक्षण में राजधानी के 402 किलोमीटर मार्ग, 14 हॉटस्पॉट, 6.1 किलोमीटर पैदल ट्रैक और एक इंटर-ऑपरेटर कॉलिंग स्थान शामिल थे। परीक्षण में 2जी, 3जी, 4जी और 5जी नेटवर्क पर कॉल सेटअप, ड्रॉप कॉल, ध्वनि गुणवत्ता, डाउनलोड और अपलोड स्पीड, लेटेंसी सहित सभी प्रमुख पैमानों का आंकलन किया गया। वॉयस सेवा में कॉल सेटअप सफलता दर एयरटेल 99.50 प्रतिशत, जियो 99.30 प्रतिशत, वीआई 98.59 प्रतिशत और एमटीएनएल 86.53 प्रतिशत रही। कॉल ड्रॉप दर में एयरटेल और जियो

शून्य, वीआई 0.20 प्रतिशत और एमटीएनएल 7.46 प्रतिशत दर्ज किया गया। कॉल साइलेंस रेट में एयरटेल 0.76 प्रतिशत, जियो 2.53 प्रतिशत और वीआई 0.88 प्रतिशत रही। ट्राई के मुताबिक, ध्वनि गुणवत्ता (एमओएस स्कोर) में वीआई ने 4.38 अंक के साथ सर्वाधिक स्कोर हासिल किया, इसके बाद एयरटेल 4.00, जियो 3.80 और एमटीएनएल 2.73 अंक रहा। डेटा सेवा में औसत डाउनलोड स्पीड एयरटेल 234 एमबीपीएस, जियो 249.02 एमबीपीएस, वीआई 23.82 एमबीपीएस और एमटीएनएल 5.04 एमबीपीएस रही। अपलोड स्पीड में एयरटेल 31.83 एमबीपीएस, जियो 25.98 एमबीपीएस, वीआई 11.38 एमबीपीएस और एमटीएनएल 1.68 एमबीपीएस रही। 50वें परसेंटाइल लेटेंसी एयरटेल 11.69 मिलीसेकंड, जियो 15.18 मिलीसेकंड, वीआई 35.03 मिलीसेकंड और एमटीएनएल 21.32 मिलीसेकंड रही। 5जी हॉटस्पॉट क्षेत्रों में जियो की डाउनलोड स्पीड 291.96 एमबीपीएस रही, एयरटेल 235.46 एमबीपीएस और वीआई 30.40 एमबीपीएस रही। एमटीएनएल के नेटवर्क में 4जी और 5जी सेवा उपलब्ध नहीं होने के कारण उसका मूल्यांकन केवल 3जी तक सीमित रहा। परीक्षण क्षेत्र में शालीमार बाग, पश्चिम विहार, विकासपुरी, जनकपुरी, द्वारका, नजफगढ़, उद्योग विहार, सरहोल, सिकंदरपुर तथा गुरुग्राम के विभिन्न सेक्टर शामिल थे। पैदल परीक्षण पश्चिम विहार के ज्वाला हेरी मार्केट और गुरुग्राम के साइबर हब में भी किया गया।

लगातार दूसरे दिन सोने में उछाल, शादी के सीजन से बढ़ी मांग

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत में गोल्ड प्राइस लगातार दूसरे दिन बढ़े। शादी के सीजन और वैश्विक बाजार की तेजी से 24 कैरेट सोना दिल्ली में 128070 रुपये प्रति 10 ग्राम पहुंचा। चांदी भी महंगी देश में सोने की कीमतों में लगातार दूसरे दिन बढ़ोतरी देखी जा रही है।शादी-विवाह का सीजन शुरू होने से डिमांड तेजी से बढ़ी है।घरेलू बाजार के साथ ग्लोबल मार्केट का प्रभाव भी दिख रहा है।दिल्ली, मुंबई सहित कई शहरों में रेट नया ऊंचा स्तर छू रहे हैं।

देश में सोने की कीमतों में तेजी जारी

सोने और चांदी की कीमतों में सोमवार 27 नवंबर को भी बढ़ोतरी देखी गई। शादी के सीजन में खरीदारी बढ़ने, ग्लोबल मार्केट में तेजी और फेडरल रिजर्व के ब्याज दर संबंधी संकेतों ने गोल्ड रेट को ऊपर धकेला है। इन फैक्टर्स से सोने की चमक लगातार बढ़ रही है और निवेशकों की रुचि भी तेज देखी जा रही है।

कोयला मंत्रालय ने 13वें दौर में तीन कोयला ब्लॉक नीलाम किये, 4,620.69 करोड़ रुपये आएगा राजस्व

एजेंसी

नई दिल्ली। कोयला मंत्रालय ने वाणिज्यिक नीलामी के 13वें दौर में तीन कोयला ब्लॉकों की नीलामी की है, जिनमें दो झारखंड में (पिरपेंती बाराहाट और धुलिया नॉर्थिस) और एक ओडिशा में (मंदाकिनी-बी) है। इन कोल ब्लॉकों से लगभग 4,620.69 करोड़ रुपये का वार्षिक राजस्व प्राप्त होगा और करीब 7,350 करोड़ रुपये का पूंजी निवेश आकर्षित होगा तथा करीब 66,248 रोजगार के अवसर सृजित होने की उम्मीद है।

कोयला मंत्रालय के अनुसार सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) वाणिज्यिक खानों की नीलामी के 13वें दौर में तीन कोयला खानों के लिए सबसे ऊंची बोली लगाने वाली कंपनी के

तौर पर उभरी है। डीवीसी झारखंड में दो नॉन-कोकिंग कोयला खानों और ओडिशा में एक नॉन-कोकिंग कोयला खदान के लिए सबसे ऊंची बोली लगाने वाली कंपनी के रूप में उभरी।

मंत्रालय ने 21 अगस्त को वाणिज्यिक कोयला ब्लॉक नीलामी का 13 वां दौर शुरू किया था। इसके बाद, 20 नवंबर से 25 नवंबर तक अग्रिम नीलामी आयोजित की गई, जिसके दौरान तीन पूर्ण रूप से अन्वेषित कोयला ब्लॉकों की सफलतापूर्वक नीलामी की गई। इन ब्लॉकों में कुल मिलाकर लगभग 3,306.58 मिलियन टन का भूगर्भीय भंडार है, जिसकी पीक रेटेड क्षमता-(पीआरसी) 49 एमटीपीए है। मंत्रालय के मुताबिक ये तीनों खदानें प्रतिवर्ष 4,620.69 करोड़ रुपये का राजस्व उत्पन्न करने, 7,350 करोड़ रुपये के पूंजी निवेश को आकर्षित करने और 66,248 रोजगार सृजन करने की क्षमता रखती हैं।

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड का बाजार पूंजीकरण 21 लाख करोड़ रुपये के पार

एजेंसी

नई दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) का बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) 21 लाख करोड़ रुपये हो गया है। कंपनी के मार्केट कैप में यह इजाफा शेयर में दो फीसदी की तेजी आने के वजह से आई है। शेयर बाजार में मजबूत हिस्सेदारी रखने वाली कंपनी का शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) में 1.99 फीसदी की तेजी के साथ 1,569.75 रुपये पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 3.27 फीसदी की तेजी के साथ 3,161.45 रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया था। इसके साथ ही बीएसई की 30 कंपनियों में यह सबसे ज्यादा लाभ वाली कंपनी रही। नेशनल स्टॉक एक्सेंचज (एनएसई) में कंपनी का शेयर 2.19 फीसदी चढ़कर 3,128.25 रुपये पर बंद

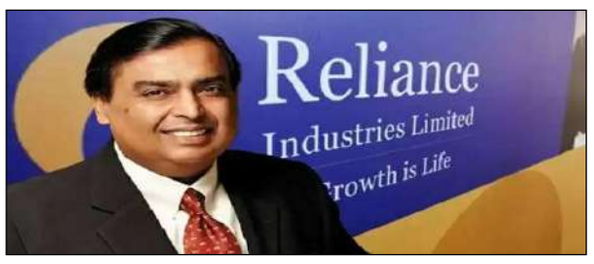

हुआ। इस तरह कंपनी का बाजार मूल्यांकन (एमकैप) 47,777.57 करोड़ रुपये बढ़कर 21,18,951.20 करोड़ रुपये हो गया है। इसी तरह बाजार पूंजीकरण यानी मार्केट कैप के हिसाब से रिलायंस इंडस्ट्रीज देश की सबसे मूल्यवान कंपनी है।

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) इस वर्ष 13 फरवरी को ही 20 लाख करोड़ रुपये का बाजार पूंजीकरण हासिल करने वाली पहली भारतीय कंपनी बन गई थी। रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर बीएसई में इस साल 21.16 फीसदी चढ़ चुका है।

दुर्लभ खनिज चुंबक के विनिर्माण प्रोत्साहन के लिए 7,280 करोड़ रुपये की योजना को मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने दुर्लभ खनिज स्थायी चुंबकों के घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए 7,280 करोड़ रुपये की योजना को मंजूरी दी। इस कदम से देश की चीन पर निर्भरता को कम करने में मदद मिलेगी। यह खनिज इलेक्ट्रिक वाहन, नवीकरणीय ऊर्जा, इलेक्ट्रॉनिक्स, वैमानिकी और रक्षा जैसे कई क्षेत्रों के लिए काफी महत्वपूर्ण हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की बैठक में 'ठोस दुर्लभ खनिज स्थायी चुंबकों के विनिर्माण की प्रोत्साहन योजना' को स्वीकृति प्रदान की गई। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''यह योजना दुर्लभ खनिज स्थायी चुंबक के विनिर्माण को बढ़ावा देगी। इसका उद्देश्य 6,000 टन प्रति सालाना क्षमता सृजित करना है।'' यह योजना एकीकृत विनिर्माण सुविधाओं के निर्माण में सहायता करेगी। इसमें दुर्लभ खनिज ऑक्साइड को धातुओं में, धातुओं को मिश्र धातुओं में और मिश्र धातुओं को तैयार चुम्बकों में परिवर्तित करना शामिल है। इस प्रोत्साहन योजना के तहत कुल उत्पादन क्षमता को वैश्विक प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया के माध्यम से पांच लाभार्थियों को आवंटित किया जाएगा। प्रत्येक लाभार्थी को अधिकतम 1,200 टन प्रति वर्ष की क्षमता मिलेगी।

तूफानी तेजी के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, ऑल टाइम हाई के करीब सेंसेक्स और निफ्टी

एजेंसी

नई दिल्ली। लगातार तीन कारोबारी दिन तक गिरावट का सामना करने के बाद घरेलू शेयर बाजार ने आज धमाकेदार वापसी की। हालांकि आज के कारोबार की शुरुआत कमजोरी के साथ हुई थी, लेकिन बाजार खुलने के तुरंत बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया। इस लिवाली के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में तेजी आ गई। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 1.21 प्रतिशत और निफ्टी 1.24 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। माना जा रहा है कि अमेरिका के केन्द्रीय बैंक अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती करने की उम्मीद, घरेलू शेयर बाजार में विदेशी निवेशकों की खरीदारी, हेवीवेट शेयरों के प्रदर्शन में आए जबर्दस्त सुधार और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में आई गिरावट ने घरेलू शेयर बाजार को आज जबरदस्त सपोर्ट दिया। इन चार प्रमुख वजहों से शेयर बाजार में आज पूरे दिन उत्साह का माहौल बना रहा, जिसके कारण शेयर बाजार तूफानी तेजी के साथ बंद होने में सफल रहा। इस तेजी की वजह से शेयर बाजार के निवेशकों को एक दिन में ही 5 लाख करोड़ रुपये से भी अधिक का मुनाफा हो गया। आज दिनभर के कारोबार के दौरान स्टॉक मार्केट के सभी सेक्टोरल इंडेक्स मजबूती के साथ कारोबार करते रहे। सबसे अधिक तेजी मेटल सेक्टर के शेयरों में रही, जिसकी वजह से मेटल इंडेक्स 2 प्रतिशत से भी अधिक उछल गया। इसी तरह बैंकिंग, ऑयल एंड गैस, आईटी, कंज्यूमर ड्यूरेबल, कैपिटल गुड्स, ऑटोमोबाइल, फार्मास्यूटिकल, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, रियल्टी और एफएमसीजी इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 1.32 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.23 प्रतिशत की तेजी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब साढ़े पांच लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 474.87 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी मंगलवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 469.41 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 5.46 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,325 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,812 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,359 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 154 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,842 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 2,130 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 712 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 28 शेयर बढ़त के साथ और 2 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 45 शेयर हरे निशान में और 5 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 83.57 अंक की कमजोरी के साथ 84,503.44 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के कुछ देर बाद ही खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिसके कारण इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। लगातार हो रही खरीदारी के कारण आज का कारोबार खत्म होने की थोड़ी देर पहले ये सूचकांक निचले स्तर से 1,165 अंक से अधिक उछल कर 1,057.18 अंक की तेजी के साथ 85,644.19 अंक के स्तर तक पहुंच गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 1,022.50 अंक की बढ़त के साथ 85,609.51 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह एनएसई के निफ्टी ने भी आज 41.85 अंक टूट कर 25,842.95 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के कुछ देर बाद ही चौतरफा खरीदारी शुरू हो गई, जिसके कारण इस सूचकांक ने कुलांचे भरना शुरू कर दिया। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से आज का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले ये सूचकांक निचले स्तर से 370 अंक से ज्यादा की छलांग लगा कर 330.35 अंक की बढ़त के साथ 26,215.15 अंक तक पहुंच गया। हालांकि आखिरी वक्त में इंट्रा-डे सेटलमेंट की वजह से हुई ।

ईयू प्रमुख का वादा — 'यूक्रेन के साथ हर कदम तक खड़े रहेंगे जब तक न आए स्थायी शांति

एजेंसी

स्ट्रासबर्ग (फ्रांस)। यूरोपीय संघ (ईयू) की प्रमुख उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने घोषणा की है कि यूरोप यूक्रेन को 'हर कदम पर' समर्थन देगा और रूस पर दबाव बनाए रखेगा, जब तक कि एक 'न्यायपूर्ण और स्थायी शांति' स्थापित नहीं हो जाती। उन्होंने अमेरिका की ओर से पेश किए गए संशोधित शांति प्रस्ताव को युद्ध समाप्ति की दिशा में 'एक शुरुआती बिंदु' बताया। ईयू संसद को संबोधित करते हुए वॉन डेर लेयेन ने कहा, 'मैं शुरुआत से स्पष्ट करना चाहती हूं–यूरोप यूक्रेन के साथ खड़ा रहेगा और पूरी तरह समर्थन करेगा।' अमेरिका द्वारा रूस की शर्तों के अधिक नजदीक माने जा रहे एक प्रस्ताव पेश किए जाने के बाद यूरोप यूक्रेन को मज़बूत समर्थन देने और कूटनीतिक प्रभाव बनाए रखने में जुटा है। ईयू प्रमुख ने बताया कि अमेरिका के प्रस्ताव में सुधार के लिए चल रही बातचीत संभावित समझौते की दिशा में आधार तैयार कर रही है, लेकिन यह भी चेतावनी दी कि रूस अभी भी युद्ध खत्म करने की वास्तविक इच्छा नहीं दिखा रहा। उन्होंने कहा, 'हाँ, स्थिति अस्थिर है। हां, हालात खतरनाक हैं। लेकिन मुझे लगता है कि यहां महत्वपूर्ण प्रगति की संभावना भी मौजूद है।

यूक्रेन युद्ध पर नए अमेरिकी प्रस्ताव के कुछ बिंदुओं का रूस ने किया स्वागत, कई मुद्दों पर 'गंभीर चर्चा' की मांग

मॉस्को। रूस ने यूक्रेन युद्ध-विराम प्रस्ताव के नए अमेरिकी मसौदे की समीक्षा करके इसके कुछ बिंदुओं को सकारात्मक बताया है। हालांकि, क्रेमलिन का कहना है कि मसौदे के कई हिस्सों पर विशेषज्ञ स्तर की गहन चर्चा आवश्यक होगी। क्रेमलिन के शीर्ष सलाहकार यूरी उशाकोव ने एक रूसी राज्य टीवी से बात करते हुए कहा कि यह मसौदा 'वास्तव में गहन विश्लेषण' की मांग करता है और रूस ने अभी तक इस पर किसी भी पक्ष के साथ औपचारिक चर्चा नहीं की है। प्रस्ताव सार्वजनिक नहीं किया गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा था कि यह मसौदा पहले तैयार किए गए 28 सूत्रीय प्रस्ताव का संशोधित संस्करण है, जिसे पहले कीव और यूरोपीय देशों ने अस्वीकार कर दिया था। ट्रंप ने यह भी बताया था कि वे अपने अधिकारियों को दोनों पक्षों से चर्चा के लिए भेज रहे हैं ताकि प्रस्ताव को अंतिम रूप दिया जा सके।

'कुछ सकारात्मक, कई विवादित बिंदु'

उशाकोव ने कहा, 'मसौदे के कुछ पहलुओं को सकारात्मक रूप से देखा जा सकता है, लेकिन कई बिंदुओं पर विशेषज्ञों के बीच विशेष चर्चा की आवश्यकता है।' पहला अमेरिकी प्रस्ताव यूरोप में व्यापक आलोचना का कारण बना था, क्योंकि उसमें यूक्रेन के पूर्वी डोनेट्स्क क्षेत्र से पीछे हटने और अमेरिका द्वारा डोनेट्स्क, क्राइमिया और लुहांस्क को अप्रत्यक्ष रूप से रूसी क्षेत्र के रूप में मान्यता देने जैसी शर्तें शामिल थीं - जिन्हें पश्चिमी देशों ने अस्वीकार्य बताया था।

नेपाल की अध्यक्षता में सार्क प्रोग्रामिंग समिति का 61वां अधिवेशन शुरू

काठमांडू। सार्क प्रोग्रामिंग समिति का 61वां अधिवेशन वर्चुअल माध्यम से प्रारंभ हुआ। इस बैठक में सार्क के सभी सदस्य देशों के वरिष्ठ अधिकारी, विभिन्न विशिष्टीकृत निकायों एवं क्षेत्रीय केंद्रों के प्रमुख, तथा सार्क सचिवालय के अधिकारी शामिल हुए हैं। इस वर्ष के अधिवेशन की अध्यक्षता नेपाल कर रहा है। बैठक में बांग्लादेश, भूटान, भारत, मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान और श्रीलंका के संयुक्त सचिव एवं महानिदेशक स्तर के अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

अधिवेशन के दौरान समिति वर्ष 2026 के लिए सार्क के विशिष्टीकृत निकायों एवं क्षेत्रीय केंद्रों के बजट तथा गतिविधियों के कैलेंडर की समीक्षा कर उसे अंतिम रूप देगी। बैठक का औपचारिक उद्घाटन नेपाल के विदेश मंत्रालय के संयुक्त सचिव तथा प्रोग्रामिंग समिति के अध्यक्ष किरण शाक्य ने किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि सार्क दक्षिण एशिया में क्षेत्रीय संवाद, सहयोग और सामूहिक प्रयास का एक महत्वपूर्ण मंच है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि सार्क को समयानुकूल विकसित करते हुए इसकी संस्थागत क्षमता को सुदृढ़ करना आवश्यक है। साथ ही दक्षिण एशिया की जनता को प्रत्यक्ष लाभ पहुँचाने वाले कार्यों को आगे बढ़ाना अनिवार्य है।

भारत-नेपाल सेनाओं का संयुक्त सैन्य अभ्यास 'सूर्य किरण' पिथौरागढ़ में शुरू

काठमांडू। भारत-नेपाल सेनाओं का संयुक्त सैन्य अभ्यास 'सूर्य किरण' भारत के पिथौरागढ़ में आरंभ हुआ। यह अभ्यास 8 दिसंबर 2025 तक चलेगा। इस अभ्यास का उद्देश्य दोनों देशों की सेनाओं के बीच द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करना तथा विशेष रूप से आतंकवाद-रोधी अभियानों और प्राकृतिक आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में क्षमता विकसित करना है। नेपाली सेना की तरफ से बताया गया है कि अभ्यास के दौरान दोनों पक्षों की सेनाएं एक-दूसरे की सैन्य परंपराओं, सिद्धांतों, अभ्यासों, कार्यविधियों और सर्वोत्तम प्रथाओं के संबंध में आपसी समझ को बढ़ाने पर केंद्रित रहेंगी। 'सूर्य किरण' अभ्यास को भारत और नेपाल के बीच लंबे समय से स्थापित मैत्रीपूर्ण, विश्वासपूर्ण और ऐतिहासिक सैन्य संबंधों का प्रतीक माना जाता है। यह संयुक्त सैन्य अभ्यास हर वर्ष आयोजित किया जाता है, जो एक वर्ष भारत में और एक वर्ष नेपाल में होता आ रहा है।

हांगकांग की आठ आवासीय इमारतों में लगी आग में अब तक 44 की मौत

एजेंसी

हांगकांग। दुनिया में अपनी निराली चमक और दमक के लिए विख्यात हांगकांग अपने इतिहास की भयावह आग से जूझ रहा है। कल आठ बहुमंजिला आवासीय इमारतों (टॉवर्स) में लगी आग में आज सुबह तक 44 लोगों की जान चली गई। इनमें से चार की आग बुझाई जा चुकी है। तीन इमारतों में दमकल विभाग के कर्मचारी अभी भी कड़ी मशक्कत कर रहे हैं। एक टॉवर को सुरक्षित बताया जा रहा है। आग की लपटों से घिरे यह सभी टॉवर 'ताई पो के वांग फुक कोर्ट' क्षेत्र में हैं। हांगकांग के सबसे ज्यादा पढ़े-जाने वाले अंग्रेजी दैनिक द स्टैंडर्ड ने इस त्रासदी के हर पहलू पर अपनी वेबसाइट के सुबह स्थानीय समयानुसार 06:50 बजे के डिस्पैच में लिखा कि 'ताई पो के वांग फुक कोर्ट' में आग से मरने वालों की

संख्या 44 हुई। यह घोषणा स्थानीय पुलिस और दमकल विभाग ने की। सनद रहे भारत और हांगकांग के समय में ढाई घंटे का अंतर है। इसे इस तरह समझें जब भारत में सुबह के छह बजते हैं तो वहां की घड़ी साढ़े आठ बजा रही होती है।

द स्टैंडर्ड की रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस और दमकल विभाग के अधिकारियों ने पूरा ब्यौरा देते हुए आज सुबह कहा कि इस संबंध में भवन निर्माण कंपनी के तीन अधिकारियों को गिरफ्तार किया गया है। दमकल विभाग के उप निदेशक चान हिंग-युंग ने पत्रकारों को बताया कि बचाव अभियान जारी है। आठ प्रभावित इमारतों में से एक को अभी भी कोई नुकसान नहीं हुआ है। चार की आग बुझाई जा चुकी है। तीन पर अभी भी काम चल रहा है। उन्होंने कहा कि दमकल कर्मचारियों के आज दोपहर से शाम के बीच छत पर पहुंचने की उम्मीद है। दमकल विभाग ने पुष्टि की है कि बचाव टीमों ने रातभर 13वीं और तीसरी मंजिल के बीच काम किया। सबसे ज्यादा प्रभावित मंजिलों में 5वीं से 18वीं हैं। एंबुलेंस सेवा (न्यू टेरिटरीज़ ईस्ट) के अधिकारी चाउ विंग-यिन ने कहा कि लगभग 100 लोगों को किसी तरह बचाकर नीचे लाया गया। इनमें से 40 की मौके पर ही मौत हो गई और चार अन्य ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। दमकल विभाग के सात जवान भी आग बुझाते समय झुलस गए।

अदियाला जेल ने अफवाहों को खारिज किया : इमरान खान बिल्कुल सुरक्षित, कहीं नहीं ले जाया गया

एजेंसी

रावलपिंडी/दुबई। अदियाला जेल प्रशासन ने पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के संस्थापक इमरान खान के कथित 'ट्रांसफर' को लेकर फैल रही अफवाहों पर विराम लगा दिया है। जेल अधिकारियों ने साफ किया है कि इमरान खान जेल के अंदर ही मौजूद हैं और उनकी सेहत पूरी तरह सामान्य है। जियो न्यूज़ के मुताबिक, जारी बयान में जेल प्रशासन ने कहा– 'अदियाला जेल से उनके ट्रांसफर की खबरों में कोई सच्चाई नहीं है। वह पूरी तरह स्वस्थ हैं और उन्हें पूरा चिकित्सकीय उपचार मिल रहा है।' अधिकारियों ने यह भी स्पष्ट किया कि उनकी सेहत को लेकर लगाए जा रहे कयास 'बेबुनियाद' हैं और खान की मेडिकल जरूरतों का पूरा ध्यान रखा जा रहा है। उधर, पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने एक बयान में कहा कि PTI संस्थापक को जेल में ऐसी सुविधाएं दी जा रही हैं जो किसी आम कैदी को प्राप्त नहीं होतीं।आसिफ के अनुसार, 'अदियाला जेल में इमरान खान को फाइव-स्टार गुणवत्ता का भोजन और कई विशेष सुविधाएं दी जा रही हैं। सलाखों के पीछे उन्हें जितनी कठिनाई पहले उठानी पड़ती थी, उसकी तुलना में अब वह काफ़ी आराम में हैं।' इमरान खान अगस्त 2023 से अदियाला जेल में बंद हैं। अप्रैल 2022 में अविश्वास प्रस्ताव के माध्यम से सत्ता से बेदखल किए जाने के बाद से उन पर भ्रष्टाचार से लेकर आतंकवाद तक कई मामलों में मुकदमे दर्ज हैं। जेल प्रशासन और सरकार, दोनों के दावों का लब्बोलुआब यही है–इमरान खान जेल में सुरक्षित हैं।

फांसी के बाद जमीन घोटाले मामले में शेख हसीना को मिली 21 साल कैद की सजा, बेटे और बेटी को भी हुई जेल

एजेंसी

नई दिल्ली। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को 21 साल की जेल की सजा सुनाई गई। अदालत ने यह फैसला ढाका के पुर्बाचल प्लॉट घोटाले में दर्ज तीन मामलों में सुनाया है। साथ ही तीन में से एक मामले में शेख हसीना के बेटे सजीब वाजेद और बेटी साइमा वाजेद को पांच-पांच साल की जेल हुई। बांग्लादेशी मीडिया के अनुसार, इस मामले में बाकी 20 आरोपियों में से 19 को अलग-अलग सजा सुनाई गई। इसके अलावा, एक शख्स को तीनों मामलों में बरी कर दिया गया। ढाका की स्पेशल जज कोर्ट-5 के जज मोहम्मद अब्दुल्ला अल मामून ने कोर्ट रूम में शेख हसीना की गैरमौजूदगी में यह फैसला सुनाया है। बता दें कि इससे पहले बांग्लादेश क्राइम ट्रिब्यूनल ने उन्हें पांच में से तीन मामलों में दोषी करार दिया और एक मामले में मौत की सजा तो वहीं दूसरे मामले में उम्रकैद की सजा सुनाई है। आईसीटी ने पिछले साल जुलाई में हुए विद्रोह के दौरान मानवता के खिलाफ अपराधों के लिए 17 नवंबर को यह निर्णय दिया था। एंटी-करप्शन बॉडी ने 12 से 14 जनवरी के बीच अपने ढाका इंटीग्रेटेड डिस्ट्रिक्ट ऑफिस-1 में पुर्बाचल न्यू टाउन प्रोजेक्ट के तहत प्लॉट के बंटवारे में कथित भ्रष्टाचार को लेकर छह अलग-अलग मामले दर्ज किए। एसीसी ने पूर्व पीएम पर आरोप लगाया कि शेख हसीना ने वरिष्ठ 'राजुक' अधिकारियों के साथ मिलकर पुर्बाचल न्यू टाउन प्रोजेक्ट के सेक्टर 27 के डिप्लोमैटिक जोन में अपने लिए, अपने बेटे सजीब वाजेद, बेटी साइमा वाजेद, बहन शेख रेहाना और उनके बेटे रादवान मुजीब सिद्दीक बॉबी, और बेटी अजमीना सिद्दीक के लिए गैर-

कानूनी तरीके से छह प्लॉट हासिल किए। हर प्लॉट 10 कट्ठा का है। बांग्लादेशी मीडिया के अनुसार, 25 मार्च को एसीसी ने ढाका में मेट्रोपॉलिटन सीनियर स्पेशल जज की कोर्ट में छह चार्जशीट फाइल कीं। चार्जशीट में हसीना का नाम सभी छह मामलों में कॉमन आरोपी के तौर पर शामिल था। 31 जुलाई को हसीना, रेहाना, सजीब वाजेद, पुतुल, बॉबी, ट्यूलिप और अजमीना समेत 29 लोगों के खिलाफ आरोप तय किए गए थे।

शांति योजना में संशोधन में एंकोरेज शिखर सम्मेलन की भावना प्रतिबिंबित होने चाहिए: लावरोव

एजेंसी

मास्को। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने अमेरिका की 28 सूत्री शांति योजना में संभावित संशोधनों पर टिप्पणी करते हुए बुधवार को कहा कि मास्को रियायत देने के लिए तैयार है लेकिन केवल तब तक जब तक वे रूस की 'रेड-लाइन' और मुख्य मांगों का उल्लंघन नहीं करते।

उन्होंने यह भी कहा कि क्रेमलिन विशिष्ट शब्दों पर चर्चा करने के लिए तैयार है, सभी संशोधनों को 15 अगस्त को अलास्का शिखर सम्मेलन में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और डोनाल्ड ट्रम्प के बीच हुई द्विपक्षीय सहमति की 'भावना एवं शब्द' को प्रतिबिंबित करना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि इस भावना के साथ किसी भी विश्वासघात से पूरी तरह से अलग बल्कि अप्रिय घटनाओं की श्रृंखला जारी हो सकती है।

उन्होंने कहा, 'अगर एंकोरेज की भावना और शब्द को मिटा दिया जाता है, तो यह मूलतः एक भिन्न स्थिति होगी,' जिसे अस्पष्ट रूप से अशुभ खतरे के रूप में देखा जा रहा है।पिछले कुछ महीनों में यूक्रेन के संबंध में अमेरिका की नीति में बड़ा बदलाव आया है, विशेष रूप से पुतिन के साथ बातचीत करने की ट्रम्प की इच्छा के कारण, तथा 15 अगस्त को अलास्का में ट्रम्प-पुतिन शिखर सम्मेलन में किसी भी अंतिम समझौते पर पहुंचने में विफलता के कारण, कीव और ब्रुसेल्स में लंबे समय से व्याप्त यह आशंका और बढ़ गई है कि वाशिंगटन रूस की प्रमुख मांगों को स्वीकार कर सकता है। ये चिंताएं पिछले हफ़्ते फिर उभर आईं जब 28-सूत्रीय योजना लीक

हो गई और कई आलोचकों ने इसे खुलेआम मास्को समर्थक बताया। अमेरिका में सांसदों के एक वर्ग ने इसे एक वास्तविक समझौते के बजाय 'रूसी मांगों की एक सूची जैसा' करार दिया।

टोक्यो को पीछे छोड़ जकार्ता कैसे बना दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला शहर

एजेंसी

जकार्ता । जकार्ता दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला शहर कैसे बना, इसकी कहानी किसी एक कारण से नहीं बल्कि कई दशकों में जमा हुए सामाजिक-आर्थिक बदलावों से मिलकर बनी है। संयुक्त राष्ट्र की नई शहरी आकलन रिपोर्ट (वर्ल्ड अर्बनाइजेशन प्रॉस्पेक्ट्स 2025) के बाद यह साफ हो गया कि जकार्ता केवल इंडोनेशिया की राजधानी भर नहीं रहा, बल्कि एक ऐसा विशाल महानगरीय इलाका बन चुका है जिसने आबादी के मामले में टोक्यो को भी पीछे छोड़ दिया है। आज जकार्ता और उसका विस्तृत महानगर क्षेत्र (जिसे जबोदेताबेक कहा जाता है) 4 करोड़ से अधिक लोगों को अपने भीतर समेटे हुए है, और यह संख्या लगातार बढ़ रही है।

जकार्ता की आबादी बढ़ने का सबसे बड़ा कारण देश के अंदर से हुआ भारी पैमाने का प्रवास है। इंडोनेशिया के ग्रामीण इलाकों, छोटे शहरों और दूर-दराज द्वीपों से लाखों लोग शिक्षा, रोजगार और बेहतर जीवन की तलाश में लगातार यहां आते रहे।1970 के दशक तक यह शहर कुछ ही मिलियन की आबादी वाला था, लेकिन आर्थिक उदारीकरण, उद्योगों के विस्तार और सेवा क्षेत्र के तेज विकास ने जकार्ता को पूरे देश के युवाओं के लिए एक चुंबक की तरह आकर्षक बना दिया। यहां आने वाला अधिकांश प्रवासी युवा होता है, जिससे प्राकृतिक जनसंख्या वृद्धि भी तेज रहती है और हर दशक में महानगर की कुल जनसंख्या में बड़ा इज़ाफा दर्ज होता है। आर्थिक दृष्टि से जकार्ता इंडोनेशिया की धड़कन है। सरकार, कॉरपोरेट, बैंकिंग, स्टार्ट-अप, व्यापार, बंदरगाह और अंतरराष्ट्रीय निवेश–सबका केंद्र यही है। यही कारण है कि देश की आंतरिक माइग्रेशन स्ट्रीम का सबसे बड़ा हिस्सा यहीं ठहरता है। शहर के आसपास बन रहे उपनगर जैसे बोगोर, तंगेरांग और बेकासी–ने जनसंख्या घनत्व को कई गुना बढ़ा दिया है। लोग भले ही काम के घंटे जकार्ता में बिताते हों, लेकिन रात में वे इन उपनगरों में लौट जाते हैं। इस तरह पूरा क्षेत्र एक विशाल शहरी जाल में बदल गया है, जो संयुक्त रूप से दुनिया का सबसे बड़ा 'शहरी समुच्चय' बनाता है।

इतनी बड़ी आबादी के साथ चुनौतियां भी उतनी ही बड़ी हैं। ट्रैफिक जाम, अव्यवस्थित निर्माण, जल-भराव, प्रदूषण, भू-धंसान, कचरा-प्रबंधन और भीड़-भाड़ ने जकार्ता को रहने की दृष्टि से मुश्किल शहरों में शामिल कर दिया है। सरकार ने राजधानी को बोर्नियो स्थित नए शहर नुसंतारा में स्थानांतरित करने का फैसला भी इसी अत्यधिक बोझ को देखते हुए किया। लेकिन इसके बावजूद जकार्ता की जनसंख्या घटती नहीं, बल्कि लगातार बढ़ती जा रही है, क्योंकि लोगों का मानना है कि अवसरों का असली केंद्र अभी भी यही है। इस प्रकार जकार्ता का दुनिया की सबसे ज्यादा आबादी वाला शहर बनना किसी अचानक हुए बदलाव का परिणाम नहीं, बल्कि दशकों से जमा होते आए माइग्रेशन, आर्थिक महत्व, युवाओं की प्राकृतिक वृद्धि, और महानगर क्षेत्र के अनियंत्रित विस्तार की संयुक्त कहानी है।

गाजा संघर्ष विराम समझौते के दूसरे चरण पर मिस्र, कतर और तुर्की ने त्रि-पक्षीय बातचीत की

एजेंसी

काहिरा। तुर्की के खुफिया प्रमुख ने काहिरा में अपने मिस्र समकक्ष और कतर के प्रधानमंत्री-सह-विदेश मंत्री से गाजा संघर्ष विराम समझौते के दूसरे चरण पर चर्चा की। बातचीत का मुख्य ध्यान संघर्ष विराम को बनाए रखने तथा इसके आगे उल्लंघन को रोकने के लिए आने वाली बाधाओं को दूर करने पर रहा।

मिस्र के अल-काहिरा न्यूज़ चैनल के अनुसार, अधिकारियों ने इजराइल के सिविल-मिलिट्री कोऑर्डिनेशन सेंटर (जो संघर्ष विराम की निगरानी करता है) के साथ समन्वय बढ़ाने पर सहमति जताई तथा उल्लंघनों को रोकने और अनुपालन को मजबूत करने के उपायों पर विचार किया।

बैठक में मिस्र के खुफिया प्रमुख हसन रशद, कतर के प्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान अल-थानी और तुर्की नेशनल इंटेलिजेंस ऑर्गेनाइजेशन के निदेशक इब्राहिम कालिन शामिल हुए। चर्चा का मुख्य उद्देश्य संघर्ष विराम समझौते के दूसरे चरण को सफल बनाना था। यह त्रि-पक्षीय बैठक रविवार को काहिरा में हमास प्रतिनिधिमंडल के साथ मिस्र के खुफिया प्रमुख के साथ बातचीत के एक दिन बाद हुई। उस बैठक में हमास ने पहले चरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई थी, लेकिन इजराइली 'उल्लंघनों' पर नजर रखने और उन्हें रोकने के लिए मध्यस्थों द्वारा निगरानी तंत्र की मांग की थी। अमेरिका, मिस्र, कतर और तुर्की की मध्यस्थता से इजराइल और हमास के बीच युद्धविराम 10 अक्टूबर 2025 को लागू हुआ था। इसके बाद इज़राइली हमलों में तेजी से कमी आई है, लेकिन वे पूरी तरह थमे नहीं हैं। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, 11 अक्टूबर से अब तक इजराइली हमलों में कम से कम 345 फिलिस्तीनी मारे गये हैं।

जेन जी प्रदर्शन के दौरान भाटभटेनी सुपर मार्केट में मिले 12 शवों की नहीं हुई पहचान

एजेंसी

काठमांडू। काठमांडू, सुनसरी और मोरंग स्थित भाटभटेनी सुपर मार्केट में 9 सितंबर को हुए प्रदर्शन के दौरान आगजनी में पूरी तरह जले 12 शवों की अब तक पहचान नहीं हो सकी है। प्रदर्शन के दौरान जले हुए भाटभटेनी के स्टोर्स की सफाई के समय ये शव मिले थे। काठमांडू पुलिस परिसर के एसपी पवन कुमार भट्टराई ने बताया कि इन शवों को पहचान के लिए त्रिवि शिक्षण अस्पताल भेजा गया है। अस्पताल में चिकित्सकों ने पुलिस को जानकारी दी कि शव देखकर पहचान करने की स्थिति नहीं है। डीएनए परीक्षण का प्रयास किया गया, लेकिन जल चुके कंकाल और राख से डीएनए नमूना निकालना संभव नहीं हो सका। इसी कारण अब तक पहचान नहीं हो पाई है। उन्होंने बताया कि यूरोपीय देशों में

कंकाल से डीएनए निकालने की तकनीक संभव होने की जानकारी मिलने के बाद इस पर भी चर्चा चल रही है। जेन जी प्रदर्शन के अगले दिन भाटभटेनी के सभी स्टोर्स बंद थे, इसलिए कंपनी ने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि ये शव न तो ग्राहक के हैं और न ही उनके किसी कर्मचारियों के। मोरंग के भाटभटेनी में मिले एक शव की पहचान भले न हो पाई हो, लेकिन कोशी अस्पताल में नमूना एकत्र कर उसका अंतिम संस्कार किया जा चुका है। सुनसरी के भाटभटेनी में मिले 4 शवों की भी अभी तक पहचान नहीं हो पाई है। जिला पुलिस कार्यालय मोरंग के एसपी कबिद कटुवाल के अनुसार घटनास्थल से कंकाल के अवशेष मिले थे। उन्होंने कहा कि स्थानीय स्तर पर शव के प्रबंधन का जिम्मा दिया गया था। अभी तक कोई परिजन इसकी खोज में सामने नहीं आया। नाम-पता कुछ नहीं मिल सका। प्रमुख जिला अधिकारी वासुदेव घिमिरे ने बताया कि शव जैसी राख मिली थी, जिसमें लगभग शरीर पूरी तरह राख में बदल चुका था। उसे उसी समय नष्ट कर दिया गया और अब तक कोई दावा करने नहीं आया।

नेपाल की सुशीला कार्की सरकार के विरोध में काठमांडू में जेन जी का प्रदर्शन

एजेंसी

काठमांडू। जेन जी प्रदर्शन के बाद बनी अंतरिम सरकार की प्रधानमंत्री सुशीला कार्की के विरोध में काठमांडू में अब नियमित विरोध प्रदर्शन होने लगा है। गुरुवार को काठमांडू में जेन जी युवाओं ने प्रधानमंत्री सुशीला कार्की के विरोध में प्रदर्शन जारी रखा है। ये सभी प्रधानमंत्री कार्की के खिलाफ में नारेबाजी कर रहे हैं। युवाओं की मांग है कि कार्की सरकार जेन जी आंदोलन की भावनाओं के खिलाफ काम कर रही है। प्रदर्शन कर रहे युवाओं ने कहा कि सरकार उन्हीं बड़े दलों के साथ मिल कर सिर्फ चुनाव करा रही है, जिनके खिलाफ में उसे कार्रवाई करनी थी। जेन जी नेता मिराज ढुंगाना ने कहा कि 8 सितंबर के जेन जी प्रदर्शन के दौरान युवाओं पर गोली चलाने का आदेश देने वाले तत्कालीन प्रधानमंत्री केपी ओली और तत्कालीन गृहमंत्री रमेश लेखक

के खिलाफ अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। ढुंगाना ने कहा कि दोषी नेताओं को गिरफ्तार करने के बजाए सरकार जेन जी युवाओं की गिरफ्तारी कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि ओली की पार्टी के नेताओं की तरफ से देशभर में जेन जी युवाओं पर आक्रमण जारी है, लेकिन उनके खिलाफ कोई एक्शन नहीं लिया जा रहा है। इसी तरह दूसरे जेन जी नेता रक्षा बम ने कहा कि सिर्फ चुनाव कराने से समस्या का समाधान नहीं हो सकता है। उनके मुताबिक जेन की मांग सुशासन और भ्रष्टाचार पर नियंत्रण था, लेकिन सुशीला कार्की सरकार इन दोनों ही कामों में पूरी तरह असफल रही और उनकी सरकार के मंत्रियों पर भी भ्रष्टाचार के आरोप लगने लगे हैं।

ट्रंप के शांति प्रस्ताव पर यूक्रेन सहमत, रूस का इंतजार: अमेरिकी अधिकारी

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड के यूक्रेन और रूस के बीच छिड़े युद्ध को रोकने की कोशिश रंग लाती दिख रही है। अमेरिका के एक अधिकारी ने कहा कि यूक्रेन सरकार ट्रंप की मध्यस्थता में उनके शांति प्रस्ताव को लेकर होने वाले समझौते को स्वीकार करने पर सहमत हो गई है। उसे कुछ मुद्दों पर मामूली असहमति थी, जिन्हें सुलझा लिया गया है। उम्मीद है कि रूस भी समझौते पर हस्ताक्षर करने पर तैयार हो जाएगा। फिलहाल रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के जवाब का इंतजार किया जा रहा है। सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी अधिकारी और यूक्रेन के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रुस्तम उमरोव ने कहा कि प्रस्ताव पर आम सहमति बन गई है। उमरोव ने उम्मीद जताई कि राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की नवंबर के आखिर से पहले अमेरिका पहुंच सकते हैं। बताया गया है कि अमेरिका के रक्षा सचिव डैन ड्रिस्कॉल ने रूसी अधिकारियों से अबू धाबी में मुलाकात की है। इसके बाद मंगलवार दोपहर ट्रुथ सोशल पर ट्रंप ने कहा कि असहमति के कुछ ही मुद्दे बचे हैं। उन्होंने कहा कि दूत स्टीव विटकॉफ रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मिलने मास्को जाएंगे।

वॉशिंगटन गोलीबारी के बाद अफगानी प्रवासियों की माइग्रेशन प्रक्रिया पर लगी रोक, ओबामा और हैरिस ने जताया दुख

एजेंसी

वॉशिंगटन । अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा और पूर्व उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने वॉशिंगटन में व्हाइट हाउस के पास हुई फायरिंग की निंदा की। ओबामा ने कहा कि अमेरिका में हिंसा की कोई जगह नहीं है। दूसरी ओर, ट्रंप सरकार ने अफगानिस्तानी नागरिकों की माइग्रेशन प्रक्रिया पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। वॉशिंगटन के डाउनटाउन में दो नेशनल गार्ड्समैन को गोली लगी और उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। ओबामा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, 'अमेरिका में हिंसा की कोई जगह नहीं है। मिशेल और मैं आज वॉशिंगटन, डीसी में गोली लगने वाले सैनिकों के लिए प्रार्थना कर रहे हैं, और उनके परिवारों को अपना प्यार भेज रहे हैं क्योंकि वे सबसे दुखद हालात से गुजर रहे हैं।' अमेरिका की पूर्व उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने कहा, 'डग और मैं उन दो नेशनल गार्ड्समैन, उनके परिवारों और

उनसे प्यार करने वाले समुदायों के लिए प्रार्थना करते हैं, जिन्हें आज सुबह वॉशिंगटन में गोली लगी थी। किसी भी तरह की हिंसा मंजूर नहीं है, और हम सभी को मिलकर इस दुखद घटना की निंदा करनी चाहिए।' दूसरी ओर, अमेरिकी माइग्रेशन विभाग ने अफगानिस्तानी प्रवासियों को लेकर बड़ा ऐलान कर दिया है। अमेरिकी विभाग ने एक्स पर लिखा, 'तुरंत प्रभाव से अफगान नागरिकों से जुड़ी सभी इमिग्रेशन रिक्वेस्ट की प्रोसेसिंग सिक्योरिटी और वेटिंग प्रोटोकॉल के आगे रिव्यू तक अनिश्चितकाल के लिए रोक दी गई है। हमारे देश और अमेरिकी लोगों की सुरक्षा हमारा एकमात्र फोकस और मिशन है।' राष्ट्रपति ट्रंप ने बुधवार शाम (स्थानीय समय) देश को संबोधित करते हुए कहा, 'यह घिनौना हमला बुराई, नफरत और आतंक का काम था। यह देश और इंसानियत के खिलाफ एक जुर्म था।' उन्होंने आगे कहा कि हिरासत में लिया गया संदिग्ध व्यक्ति अफगानिस्तान से हमारे देश में आया है, जो धरती पर एक नरक है।' इसके साथ ही उन्होंने हमलावर को शरणार्थी स्टेटस के तहत देश में आने देने के लिए पिछली बाइडेन सरकार को दोषी ठहराया। इससे पहले अमेरिकी मीडिया ने कथित शूटर की पहचान रहमानुल्लाह लकनवाल के रूप में की थी। वह एक अफगान नागरिक है, जो 2021 में देश में आया था। राष्ट्रपति ट्रंप ने बाइडेन सरकार में अफगानिस्तान से अमेरिका में आए हर एक नागरिक की फिर से जांच करने का भी वादा किया।

page 1 and 8_page 1 Mar 25 final ds.qxd 11/28/2025 12:02 AM Page 2

स्ट्रॉबेरी की खेती

स्ट्रॉबेरी का वानस्पतिक नाम फ्रेगेरिया अननासा है । यह रोजेसी कुल का सदस्य है। इसका पौधा शाकीय, छोटा, कोमल तथा बहुवर्षीय होता है। इसका तना नाममात्र का तथा पूर्ण विकसित त्रिपत्री पत्तियां होती हैं। यह दो अन्य प्रजातियों (फ्रेगेरिया चिलयोनसिस एवं फ्रेगेरिया बरजीनियाना) के प्राकृतिक संकरण से विकसित किया गया है। स्ट्रॉबेरी के फल बडे लुभावने, रसीले एवं पौष्टिक होते हैं। ये मध्यम आकार (10 से 15 ग्राम), चित्ताकर्षक, सुवासयुक्त और सिंदूरी रंग लिए हुए बहुत ही नरम होते हैं।

इनका खाने योग्य भाग लगभग 98 प्रतिशत होता है। इन फलों में विटामिन- सी तथा लौह तत्व प्रचुर मात्रा में उपलब्ध होते हैं। यह अपने विशेष स्वाद एवं रंग के साथ-साथ औषधीय गुणों के कारण भी एक महत्वपूर्ण फल है। इसका उपयोग कई मूल्य संवर्धित उत्पादों जैसे आईसक्रीम, जैम, जैली, कैंडी, केक इत्यादि बनाने के लिए भी किया जाता है। इसकी खेती अन्य फल वाली फसलों की तुलना में कम समय में ज्यादा मुनाफा दिला सकती है। यह अल्प अवधि (4 से 5 महीने) में ही फलत देने वाली फसल है।

भारत में कुछ वर्षों पूर्व तक स्ट्रॉबेरी की खेती केवल पहाड़ी क्षेत्रों जैसे उत्तराखण्ड, हिमाचल प्रदेश, कश्मीर घाटी, महाराष्ट्र, कालिम्पोंग इत्यादि जगहों तक ही सीमित थी। वर्तमान में नई उन्नत प्रजातियों के विकास से इसको उष्णकटिबंधीय जलवायु में भी सफलतापूर्वक उगाया जा रहा है। इसके कारण यह मैदानी भागों जैसे उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, बिहार आदि राज्यों में अपनी अच्छी पहचान बना चुकी है तकनीकी जानकारी के अभाव में किसान भाई इसकी खेती करने में अपने आपको असहज महसूस करते हैं। जबकि यदि स्ट्रॉबेरी की वैज्ञानिक तकनीक से खेती की जाये, तो इसकी फसल से अच्छा उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। अत: इस लेख में स्ट्रॉबेरी की वैज्ञानिक खेती के बारे में विस्तारपूर्वक समझाया गया है। इससे किसान भाई उच्च उत्पादन व गुणवत्ता वाले फल प्राप्त करके अधिकाधिक लाभ अर्जित कर सकते हैं। स्ट्रॉबेरी शीतोष्ण जलवायु की फसल है, परंतु उन्नत किस्मों के विकास से इसको अब समशीतोष्ण एवं उष्णकटिबंधीय जलवायु में भी सफलतापूर्वक उगाया जा सकता है। यह कम प्रकाश अवधि (शॉर्ट डे) वाला पौधा है। इसमें पुष्पन प्रारंभ होने के लिए लगभग 10 दिनों तक 8 घंटे से कम प्रकाश अवधि की जरूरत होती है। पौधों की अच्छी बढ़वार के लिए दिन का अधिकतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस और रात का तापमान । से 13 डिग्री सेल्सियस उपयुक्त माना गया है। इसके फूलों व नाजुक फलों को पाले से बचाने के लिए निम्न सुरंग तकनीक (लो टनल टैक्नीक) का प्रयोग किया जा सकता है। स्ट्रॉबेरी की खेती लगभग सभी प्रकार की मृदाओं में की जा सकती है। अधिक तथा गुणवत्तायुक्त उत्पादन के लिए अच्छे जल निकास वाली, जीवाशयुक्त, हल्की बलुई दोमट मृदा, जिसका पी एच मान 5.5 से 6.5 के मध्य हो, उपयुक्त रहती है। मृदा में कैल्शियम की अधिक मात्रा से पौधे की पत्तियां पीली पड़ जाती हैं। क्षारीय एवं सूत्रकृमि ग्रसित भूमि भी स्ट्रॉबेरी की खेती के लिए उपयुक्त नहीं रहती है।

स्ट्रॉबेरी उथली जड़ वाला पौधा है। अत रोपाई के पूर्व खेत को भली भांति तैयार कर लेना चाहिए। इसके लिए एक जुताई मृदा पलटने वाले हल से तथा 2 से 3 जुताई देसी हल से करके पाटा चलाकर मृदा को अच्छी तरह भुरभुरा बना लेना चाहिए। यदि मिटटी में किसी कवक या बीमारी का प्रकोप हो तो उसे उपचारित कर लें। इसके लिए गर्मियों में जब तापमान 40 से 45 डिग्री सेल्सियस के मध्य हो, मृदा सौरीकरण कर लेना चाहिए। सौरीकरण करने के लिए क्यारियों को हल्का नम कर या हल्की सिंचाई कर, 200 गेज की प्लास्टिक की पारदर्शी फिल्म से 6 से 8 सप्ताह तक ढककर रखें। प्लास्टिक फिल्म के किनारों को मिटटी से ढक देना चाहिए, ताकि हवा अंदर प्रवेश नहीं कर पाए। इस प्रक्रिया से प्लास्टिक फिल्म के अंदर का तापमान 48 से 56 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है। इससे मिटटी में मौजूद हानिकारक कीट, रोगों के बीजाणु तथा कुछ खरपतवारों के बीज भी नष्ट हो जाते हैं। आजकल इसके लिए कई तरह के रसायनों का भी प्रयोग किया जाता है। आपको जानकर आश्चर्य होगा की स्ट्रॉबेरी की 600 किस्में इस संसार में मौजूद है। ये सभी अपने स्वाद रंग रूप में एक दूसरे से भिन्न होती है। स्ट्रॉबेरी में अपनी एक अलग ही खुशबू के लिए पहचानी जाती है। भारत में स्ट्रॉबेरी की बहुत सी किस्में उगाई जाती हैं। व्यावसायिक फल उत्पादन के लिए सही किस्मों का चुनाव बहुत जरूरी है। किस्मों का चयन क्षेत्र की जलवायु एवं भूमि की विशेषताओं को ध्यान में रखकर ही करना चाहिए। देश में उगाई जाने वाली कुछ प्रमुख किस्में हैं - चान्डलर, कैमा रोजा, ओफरा, स्वीट चार्ली, ओसो ग्रैन्ड, फेस्टिवल, विन्टर डॉन, फ्लोरिना, गुरिल्ला, टियोगा, सीस्कैप, डाना, टोरे, सेल्वा, बेलवी, फर्न, पजारो इत्यादि

चैंडलर - यह कैलीफोर्निया में विकसित किस्म है। इसका उत्पादन विभिन्न स्थितियों में किया जा सकता है। इसका फल आकर्षक होता है। परंतु इसकी त्वचा नाजुक होती है।

कैमारोजा - यह एक कैलीफोर्निया में विकसित की गई किस्म है व थोड़े दिन में फल देने वाली किस्म है। इसका फल बहुत बड़ा व मजबूत होता है। इस फल की महक अच्छी होती है। यह किस्म लंबे समय तक फल देती है व वायरस रोधक है।

ओफरा - यह किस्म इजराईल में विकसित की गई है। यह एक अगेती किस्म है और इसका फल उत्पादन जल्दी आरंभ हो जाता है।

स्वीट चार्ली - इस किस्म के पौधे जल्दी फल देते हैं। इसका फल मीठा होता है। पौधे में कई फफूंद रोगों की रोधक शक्ति होती है।

ओसो ग्रैन्ड - यह भी एक कैलीफोर्निया में विकसित किस्म है जो छोटे दिनों में फल देती है। इसका फल बड़ा होता है तथा खाने व उत्पाद बनाने के लिए अच्छा होता है। परंतु इसके फल में फटने की समस्या देखी जा सकती है। यह किस्म काफी मात्रा में रनर पैदा कर सकती है।

अखरोट की खेती कैसे करें

By: Bhupender

अखरोट की खेती या बागवानी भारत देश में मुख्य रूप से पहाड़ी क्षेत्रो में की जाती है। इसका अधिकतम उपयोग मिष्ठान उद्योग में किया जाता है। मस्तिष्क रुपी अखरोट दिमाग की सेहत के लिए अत्यंत लाभदायक होता है। अखरोट की खेती के लिए अंग्रेजी या फारसी किस्में ही व्यावसायिक स्तर पर महत्वपूर्ण है। यह उत्तर-पश्चिमी हिमालय का फल है और इसके पौधे समुद्रतल से 1200 से 2150 मीटर की ऊँचाई तक उगते हैं।

अखरोट प्रोटीन, वसा और खनिज लवणों का मुख्य स्रोत है। अन्य गिरीदार फलों की अपेक्षा इसमें विटामिन बी- 6 पायी जाती है । अखरोट के अधपके फल तथा हरे नट एसकोर्बिक अम्ल का मुख्य स्रोत है। अखरोट की गिरी में 14.8 ग्राम प्रोटीन, 64 ग्राम वसा, 15.80 ग्राम कार्बोहाइड्रेट, 2.1 ग्राम रेशा, 1.9 ग्राम राख, 99 मिलीग्राम कैल्शियम, 380 मिलीग्राम फासफोरस, 450 मिलीग्राम पोटैशियम प्रति 100 ग्राम में पाया जाता है। अखरोट के अधपके फलों का प्रयोग अचार, चटनी, मार्मेलेड, जूस तथा सीरप बनाने में प्रयोग किये जाते है। अखरोट का तेल खाने, वार्निश तथा साबुन बनाने में प्रयोग किया जाता है। अच्छी खुशबू के कारण इसके सूखें फलों को खाने में प्रयोग किया जाता है।

इस लेख में जागरूक किसानों के लिए अखरोट की वैज्ञानिक तकनीक से बागवानी कैसे करें, उसके लिए उपयुक्त जलवायु, किस्में, रोग रोकथाम, पैदावार आदि की जानकारी दी गई है, जिसको उपयोग में लाकर अखरोट की खेती से उत्तम पैदावार प्राप्त की जा सकती है।

अखरोट की खेती के लिए ऐसे स्थान जहां पाला पड़ता हो, अधिक गर्मी पड़ती हो और सर्दियों में शीतन घंटे कम हो, अखरोट उत्पादन के लिए अनुकूल नहीं होते। सर्दियों के शुरू में पाला पड़ने पर नई शाखाओं को नुकसान पहुँचता है, जिससे अगली बसन्त ऋतु में उन पर पत्ते नहीं आते। यदि गर्मियों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक हो और नमी कम हो तो फलों को सूरज की जलन से नुकसान होता है। यदि यह प्रकोप गर्मियों के शुरू में हो तो फलों में गिरी नहीं बनती और यदि बाद में हो तो गिरी झुर्सदार, गहरे काले रंग की और छिलके के साथ चिपकी होती है।

अखरोट की बागवानी लगाने के लिए उचित जल निकासी जिसमें जल का स्तर घटता बढ़ता न रहे वाली, 2 से 3 मीटर गहरी तथा काफी जैविक पदार्थ वाली गादभरी दोमट मिट्टी उपयुक्त होती है। रेतीली और सख्त सतह वाली मिट्टी अखरोट के लिए ठीक नहीं होती है। क्षारीय गुणों वाली मिट्टी के प्रति अखरोट अत्याधिक संवेदनशील होता है अत: क्षारीय मिट्टी में इसे नहीं लगाना चाहिए।

अखरोट की खेती हेतु उन्नत किस्मों में गोबिन्द, काश्मीर बडिड, यूरेका, प्लेसैन्टिया, विलसन, फ्रेन्क्रेट, प्रताप, सोलडिंग सलैक्शन व कोटखाई सलैक्शन आदि मुख्य हैं। जिनका उपयोग व्यवसायिक बागवानी के तौर पर अधिकतर किया जाता है।

गोबिन्द- मध्यम परिमाण वाला पेड़, किन्नौर जिला जैसी जलवायु परिस्थितियों के लिए उपयुक्त, सितम्बर महीने के अन्त तक पक कर तैयार, फल मध्यम आकार का, गिरी का गुण उत्तम, अच्छी भरी गिरी, छिलका कागजी, गिरी निकालना अति आसान होता है।

सोलडिंग स्लैक्शन- फल मध्यम आकार के औसत वजन 1। ग्राम, गोलाकार, छिलका मध्यम कठोर व समतल, हल्के रंग की गिरी 40 प्रतिशत, गिरी में वसा 49 प्रतिशत व प्रोटीन 21 प्रतिशत, अच्छी गुणवत्ता व स्वाद वाली गिरी, पौधे ओजस्वी, नियमित एवं मध्यम पैदावार वाले होते है।

प्रताप- कोटखाई क्षेत्र से चुनी हुई किस्म, फल आयताकार, फल करीब 24 ग्राम व लम्बूतरा, छिलका साफ और हल्के अम्बर रंग वाला, तोड़ने में थोड़ा कठोर, हल्का पतला छिलका 1.6 मिलीमीटर मोटा, गिरी अच्छी प्रतिशत, स्वादिष्ट, पौधे बड़े, विशाल और अधिक फल देने वाले होते है।

यूरेका- फल मध्यम आकार वाला, तोड़ने में सरल, हल्के भूरे रंग की गिरी, गुणवता उत्तम, 50 प्रतिशत गिरी, गिरी अच्छी भरी हुई।

कोटखाई सलैक्शन 1- शीघ्र पकने वाली किस्म, फल का आकार मध्यम 15.4 ग्राम, छिलका समतल, पतला 1.4 मिलीमीटर मोटा, गिरी 58 प्रतिशत हल्के रंग की व स्वादिष्ट होता है।

प्लेसैन्टिया- फल का आकार मध्यम, औसतन गिरी 48 प्रतिशत, सफेद रंग, पेड़ का आकार छोटा, जल्दी पकने वाली किस्म है।

विलसन वंडर- फल कुछ चपटा, उत्तम गुणवत्ता वाला, पतझड़ के मौसम में पक कर तैयार होती है।

बजौरा स्लैक्शन (घटियों के लिए)- फलों का शीघ्र परिपक्व होना, फल छोटा 10 ग्राम, हल्के रंग का, चिकना, पतले छिलके वाला, गिरी हल्के रंग की, स्वादिष्ट तथा ।0 प्रतिशत, पेड़ मध्यम आकार का, फैलावदार तथा अधिक उपज देने वाला होता है।

फ्रेन्क्टे- देर से पकने वाली प्रजाति, हल्के भूरे रंग की अच्छे किस्म की गिरी, छोटे से मध्यम आकार का फल, 48 प्रतिशत गिरी, पेड़ का आकार छोटा होता है।

सरवरी (घटियों के लिए)- फल मध्यम आकार का 15 ग्राम, अण्डाकार, नुकीले सिरे वाला, छिलका मुलायम तथा हल्के रंग वाला, मध्यम सख्त, गिरी का रंग हल्का, गिरी 65 प्रतिशत होती है।

के. एन. 5- पेड़ मध्यम ओजस्वी, फल लम्बा, विषम चतुर्भुज आकार वाला, 18.33 ग्राम भार वाला, अण्डाकार, छिलका हल्के रंग का तथा मुलायम सतह वाला, गिरी हल्के रंग की तथा 56.36 प्रतिशत होती है।

के.12- पेड़ मध्यम ओजस्वी, फल का भार 19.05 ग्राम, गोल- लम्बा, विषम चतुर्भुज आकार वाला, छिलका हल्के रंग का, मुलायम सतह वाला, गिरी बहुत हल्के रंग की तथा 55 प्रतिशत होती है।

एस. एच. 23- पेड़ मध्यम ओजस्वी, फल भार 14.81 ग्राम, अण्डाकार, छिलका मुलायम, बहुत हल्के रंग का, गिरी बहुत हल्के रंग की तथा 52.6। प्रतिशत होती है।

एस. एच. 24- पेड़ मध्यम ओजस्वी, हल्के रंग वाला, नट की सतह बहुत मुलायम, गिरी बहुत हल्के रंग की तथा 60.08 प्रतिशत होती है।

एस. आर. ढ्ढ- पेड़ निम्न ओजस्वी, फल भार 14.35 ग्राम, फल बड़ा, लम्बूतरा-वृताकार, छिलका बहुत हल्के रंग का, मुलायम, गिरी बहुत हल्के रंग की तथा 61.05 प्रतिशत होती है।

अखरोट की खेती हेतु सामान्यत: काठे अखरोट के बीज से तैयार पौधे ही मूलवृंत के रूप में प्रयोग में लाये जाते हैं। ये ओजस्वी होते हैं, परन्तु बान की जड़ के फर्मूद रोग और मिट्टी के क्षारीय गुण के प्रति संवेदनशील होते हैं। बीजू पौधे पर कलम सफलतापूर्वक बिना किसी निशान के जुड़ जाती है और ये क्राउन सड़न तथा जड़ सड़न प्रतिरोधी भी होते हैं। मध्यवर्ती पर्वतीय क्षेत्रों में जुलाई और अगस्त में कलम साइड विनीयर तकनीकी द्वारा करने का परामर्श दिया जाता है और शुष्क शीतोष्ण क्षेत्रों के लिए पैच विधि उपयुक्त है, टंग ग्राफ्टिंग विधि भी अपनाई जा सकती है।

कलम निम्नलिखित विधि से करें जैसे- 5 से 6 महीने की आयु वाली 10 से 15 सेंटीमीटर लम्बी शाखाओं का चुनाव करें। कलम लगाने से 15 दिन पूर्व उनके पत्ते निकाल दें, इस शाखा अर्थात् सायन के आकार के बीजू पौधे को चुनें। मूलवृंत पर 15 से 20 सेंटीमीटर की ऊँचाई पर 4 सेंटीमीटर तिरछा इतना गहरा कट लगायें ताकि थोड़ी लकड़ी छिलके के साथ बाहर आ जाये। पहले कटे हुए स्थान के साथ ही नीचे एक और टेढ़ा कट लगाएं जिससे सायन को जोड़ते समय अच्छी पकड़ मिल सके। जिस शाखा से पत्ते निकाले थे, उस शाखा को पौधे से अलग करें और इससे तिरछा कट सायन की निचली तरफ देकर शाखा को मूल के ऊपर ठीक बिठा कर उसके चारों और प्लास्टिक के चौड़े रिबन से बांधे।

बीजू पौधा या मूलवृंत को ऊपर से थोड़ा काट लें। 15 दिन के बाद मूलवृन्त को हैड बैक करें ताकि पत्तियों के दो जोड़े रह जाएं। जब सायन की कोंपलें फूटने लगे तब कलमबंद के ऊपर 15 से 20 सेंटीमीटर लम्बाई छोड़कर मूलवृत को ऊपर से काट दें, बढ़ते हुए सायन को मूलवृन्त के ढुंठ से बांध दें।

मध्य पर्वतीय क्षेत्रों में बीजू पौधे के मूलवृत पर सफलतापूर्वक कलम करने के लिए फरवरी के तीसरे सप्ताह में टंग ग्राफ्टिंग और एंगुलर बडिंग जुलाई के दूसरे से तीसरे सप्ताह में करना उपयुक्त सिद्ध हुआ है। ऊँचे पर्वतीय क्षेत्रों में मई के मध्य में चिप बडिंग बहुत सफल विधि है। पौधे की नवीनीकरण के लिए एक साल की टहनियों पर 15 सेंटीमीटर की ऊँचाई पर चिप बडिंग से टॉप वर्किंग करनी चाहिए।

अधिक सफलता प्राप्त करने के लिए अखरोट के पौधों का पॉलीहाऊस में प्रवर्धन पैच-कलिकायन विधि द्वारा जुलाई के आरम्भ में किया जा सकता है। मध्य पर्वतीय क्षेत्रों में मध्य मई से जून के प्रथम सप्ताह तक चिप- कलिकायन विधि द्वारा प्रवर्धन की सिफारिश की जाती है। अच्छी सफलता के लिए उन कलमों, जिन पर आँख मोटी और ठीक विकसित हो, का चुनाव करें। पौधशाला में कलिकायन से 3 से 4 दिन पहले सिंचाई करें। कलिकायन के बाद पौधशाला में उचित नमी बनाये रखने हेतु 3 से 4 दिन के अन्तराल पर सिंचाई करते रहें।

अखरोट के पौध रोपण का उचित समय दिसम्बर से मार्च तक है, परन्तु दिसम्बर महीना अधिक उपयुक्त है। गर्म क्षेत्रों में जहां पर सिंचाई के साधन उपलब्ध नहीं है, वहां वर्षा ऋतु में पॉलीथीन की थैलियों के बीच उगाये गये पौधे या मिट्टी के साथ पौधा रोपित किया जाता है। इससे पौधे अच्छी तरह विकसित होते हैं। कलमी पौधे 8 मीटर की दूरी पर लगाने चाहिए। यदि बीज लगाने हों तो हर गड्ढे में 2 से 4 बीज बोएं और जो बीजू पौधा सबसे अच्छा चले उस पर कलम करें।

अखरोट में नर और मादा दोनों तरह के फूल अलग-अलग स्थान पर परन्तु एक ही पेड़ पर लगते हैं। कुछ किस्मों में फूलों के भिन्न-भिन्न समय में परिपक्वता के कारण इनकी दो या अधिक प्रजातियां आस-पास लगानी चाहिए, जिससे अधिक मात्रा में उत्तम फल प्राप्त हो सके। युवा पेड़ों की मंजरी में अधिक परागकण नहीं होते जो मादा केसर से मिलकर फल बनाते है और कभी-कभी इस मंजरी से परागकण झड़ जाते हैं, परन्तु मादा केसर तब तक उन्हें ग्रहण करने योग्य नहीं होते। जैसे- जैसे पेड़ की आयु बढ़ती है, परागण उचित तथा अधिक होता जाता है। अखरोट के लिए सामान्य वर्षा और उचित नमी वाले क्षेत्र उपयुक्त हैं, परन्तु उन्हें फूल खिलने के साथ अगले 5 से 6 सप्ताह के दौरान अधिक नमी की आवश्यकता होती है। यदि फूलने के बाद नमी का अभाव रहे तो गिरी पिलपिली रहती है और उपज भी कम होती है।

अखरोट की व्यवस्थित बागवानी नहीं है और पेड़ इधर उधर लगे होते हैं। इन्हें खाद भी नहीं दी जाती, इसलिए अखरोट में एक साल अधिक और दूसरे साल बहुत कम फल आते हैं। पौधे की उम्र, आकार तथा मिट्टी की उर्वरा शक्ति देखकर पौधों को हर वर्ष खाद और उर्वरक देने चाहिए। जस्ता की कमी को दूर करने के लिए 0.4 प्रतिशत 4 ग्राम प्रति लीटर पानी, जिंक सल्फेट का पत्तों पर छिड़काव करें नाईट्रोजन और फॉस्फोरस का इस्तेमाल प्रति वर्ष करें।

अखरोट के पेड़ को एक तने पर 1 से 2 मीटर तक सीधा चलने दें और फिर आधा-आधा मीटर की दूरी पर चारों ओर 5 से 6 टहनियां रखें। सैन्ट्रल लीडर विधि अखरोट के लिए उपयुक्त है, क्योंकि इससे पूरे पौधे के ढांचे को शक्ति मिलती है। शुरू के कुछ वर्षों में सर्दियों में फालतू टहनियों को निकालते रहें।

वालनट वीवल (घुन)- सुंडी विकसित फलों में प्रवेश करके गिरी खाती है और इसको काले सड़े पदार्थ में बदल देती है। प्रभावित फल सुंडी समेत झड़ जाते हैं।

रोकथाम- पेड़ के बड़े आकार के कारण कीटनाशी छिड़काव नितान्त कठिन तथा महंगा पड़ता है। अत: बागबानों को मिलकर गिरे हुए फलों को एकत्र करके गड्ढे में दबा कर या जला कर नष्ट कर देना

चाहिए।

ब्लॉच /धब्बे वाला रोग (नोमोनिया लैपटोसटाइला)- इस रोग से पत्तों पर धब्बे पड़ जाते हैं और छिलके पर गोल मृत धब्बे उत्पन्न हो जाते हैं और फल समय से पहले ही झड़ने लगते हैं।

रोकथाम- बोर्डो मिक्सचर (4ः4ः50) का पत्तियाँ खुलते समय की अवस्था में छिड़काव करें, दो सप्ताह बाद फिर दोहराएं और फिर पूर्ण पत्ती विकसित होने पर छिड़काव करें।

फलों की तुड़ाई और पैदावार

फलों की तुड़ाई- अखरोट के फल जब 10 से 15 प्रतिशत झड़ जाएं, तब फलों को पेड़ से तोड़ना चाहिए। फलों को लंबे बांस के डण्डे से झाड़ लेते हैं और भूमि से उठा कर इक्कठा कर लेते हैं। इन फलों को छिलका निकालने के लिए गीले पत्तों के नीचे दबा कर रखते हैं, जिससे छिलका जल्दी निकल जाता है।

फल को आकर्षित बनाने हेतु एक विधि के अनुसार फलों को 8 किलोग्राम साल सोडा और 225 लिटर पानी के घोल में 5 से 10 सैकिण्ड तक डुबो कर रखा जाता है। सल्फ्यूरिक एसिड भी इस मिश्रण में डाला जाता है।

पैदावार- उत्पादन की मात्रा किस्म, पौधे की उम्र और पौधे के आकार के अनुसार होती है।

अखरोट की खेती के लिए ऐसे स्थान जहां पाला पड़ता हो, अधिक गर्मी पड़ती हो और सर्दियों में शीतन घंटे कम हो, अखरोट उत्पादन के लिए अनुकूल नहीं होते। सर्दियों के शुरू में पाला पड़ने पर नई शाखाओं को नुकसान पहुँचता है, जिससे अगली बसन्त ऋतु में उन पर पत्ते नहीं आते। यदि गर्मियों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक हो और नमी कम हो तो फलों को सूरज की जलन से नुकसान होता है। यदि यह प्रकोप गर्मियों के शुरू में हो तो फलों में गिरी नहीं बनती और यदि बाद में हो तो गिरी झुर्सदार, गहरे काले रंग की और छिलके के साथ चिपकी होती है।

गाजर का मुरब्बा

आजकल बाजार में गाजर बहुतायत में मिल रहीं है. यही सही समय है गाजर का हलवा और गाजर का मुरब्बा बनाने का. गाजर का मुरब्बा गर्मियों के मौंसम में नियमित रूप से खाने से शरीर को ठंडक मिलती है और खून भी बढ़ता है.

आवश्यक सामग्री

गाजर - 500 ग्राम

चीनी - 300 ग्राम (1.5 कप)

नींबू - 1

गाजर को धोकर पानी सूखने तक सुखा लीजिए. इसके बाद, इन्हें छीलकर डंठल अलग काट दीजिए.

गाजर को 1 या 1 1/2 इंच के टुकड़ों में काट लीजिये.

किसी बर्तन में इतना पानी भरकर गरम करने रखिये जिसमें गाजर आसानी से डूब सकें. आधा किलो गाजर के लिए 4 कप पानी ले लीजिए. पानी में उबाल आने के बाद, गाजर पानी में डाल दीजिये और फिर से उबाल आने के बाद 2-3 मिनिट तक उबालिये. आग बन्द कर दीजिये, गाजर को उस पानी में ढककर 5 मिनिट के लिये रख दीजिये.

गाजर पानी से निकालिये, इनके ऊपर ठंडा पानी डालकर इन्हें 2 मिनिट इसी पानी में डूबे रहने दीजिए. गाजर को छलनी का यूज करके पानी से निकालकर एक सूखे साफ कपड़े पर डालकर पानी

निकाल दीजिए. इन्हें अच्छे से पौंछ भी लीजिए. जब गाजर से पानी पूरी तरह निकल जाय, गाजर को फोर्क से गोद लीजिये.

मुरब्बा बनाइए

गाजर का मुरब्बा 2 तरीके से बनाया जा सकता है.

(1) 2 तार की चाशनी बनाकर उसमें गाजर डालकर पकाएं.

(2) गाजर में चीनी डालकर रख दें.

गाजर को कढ़ाही में डालिए और इसमें चीनी डालकर इसे ढककर 4 घंटे के लिए रख दीजिए. 4 घंटे के बाद, गाजर में से जूस निकल आया है. इसी से चाशनी बना लीजिए. गाजर समेत इसे पकने के लिए गैस पर रखिए और इसमें उबाल आने दीजिए. उबाले आने के बाद, चाशनी को चैक कर लीजिए. चाशनी कि एक-दो बूंदे प्याली में डालिए और ठंडी होने के बाद उंगली और अंगूठे के बीच चिपकाकर देखिए, यह चिपकनी चाहिए. चाशनी से हल्का सा तार बन रहा है. मुरब्बा की चाशनी इतनी ही पतली रखनी है.

इन गाजर को स्टील की कढ़ाही में रखिये, चीनी डालकर मिलाइये और 6-। घंटे या रात भर के लिये ढककर रख दीजिये. गाजर का रस बाहर निकल आता है. मुरब्बा बन गया है. इसमें नींबू का रस डालकर मिला दीजिए.

2 दिन बाद, मुरब्बे को फिर से चैक कीजिए. यदि चाशनी पतली लगे तो एक बार फिर से मुरब्बा की कढाई को आग पर रखिये और चाशनी के गाढ़ा होने तक मुरब्बा को पका लीजिये.

गाजर का मुरब्बा एअर टाइट कन्टेनर में भरकर रख लीजिये और 6 महीने तक जब भी आपका मन करे, स्वादिष्ट गाजर का मुरब्बा कन्टेनर से निकालिये और खाइये.

सुझाव

अगर गाजर मे बीच में पीला भाग ज्यादा हो तो गाजर को बीच से काट 2 भागों में काटिये और पीले भाग को निकाल दीजिये.

चाशनी ज्यादा पतली नही होनी चाहिए. अगर ये पतली रह जाएगी, तो मुरब्बा ज्यादा दिन तक नही चलता.

जिस कन्टेनर में मुरब्बा भरें, उसे पहले उबलते हुए पानी से अच्छे से धोएं और धूप या माइक्रोवेव में अच्छी तरह से सुखा लीजिए. इसमें बिल्कुल भी नमी नही रहनी चाहिए.

Compiled by: CM Sharma